जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 120 प्रभात अजमेर, मंगलवार 30 नवम्बर, 2021 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

गर्म होते आर्कटिक के कारण स्थानीय वन्य जीवों के लिए खतरा बहुत बढ़ गया है, इनमें प्रमुख हैं मस्क ऑक्स (कस्तूरी बैल)। वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि मस्क ऑक्स जिंदा रहने के लिए जूझ रहे हैं और इनके लिए सबसे बड़ा संकट भोजन का है। हालांकि ये जीव बहुत थोड़े से भोजन पर भी जी लेते हैं, पर वो भी इन्हें नहीं मिल पा रहा है, कारण है ग्लोबल वॉर्मिंग। असल में सर्दी में जब उत्तरी ग्रीनलैण्ड में बर्फ होती है तो मस्क ऑक्स भोजन की तलाश में दक्षिणी भाग में चले जाते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्रीनलैण्ड में गर्मियों में ज्यादा गर्मी, बरसात में ज्यादा बारिश और सर्दी में ठंड और ज्यादा पड़ने लगी है, जिसकी वजह से उत्तरी भाग में बर्फ ज्यादा हो गई है, खासकर ठोस बर्फ, जिसके कारण ये पशु दक्षिण में नहीं जा पा रहे हैं, ऐसे में उनके बच्चों के भूखे मर जाने का खतरा बढ़ रहा है। वहीं, गर्मी में मस्क ऑक्स उत्तर की तरफ जाते हैं, लेकिन ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण तापमान ज्यादा बढ़ रहा है, ऐसे में वे उत्तर दिशा में और आगे तक जा तो सकते हैं पर अन्ततः आर्कटिक के अंतिम उत्तरी छोर पर पहुँचने के बाद उनके पास जाने के लिए जगह नहीं बचेगी। डैनमार्क के वैज्ञानिकों की एक टीम ने मस्क ऑक्स का अध्ययन करने के लिए ग्रीनलैंड की यात्रा की थी, जिसमें उन्होंने मस्क ऑक्स को नाक से ठोस बर्फ को तोड़ने की असफल कोशिश करते देखा, ताकि बर्फ में दबी घास खा सकें। टीम के सदस्य कार्स्टन ग्रोन्डाल ने कहा कि ''ये बैल ढीली पाउडर जैसी बर्फ को तो हटा देते हैं पर उत्तरी ग्रीनलैंण्ड में ठोस बर्फ ज्यादा है जिसे वो हटा नहीं पाते।'' शोधकर्ताओं ने कहा कि ''हमारे जाकनबर्ग रिसर्च स्टेशन के आसपास ही गत 20 सालों में आर्कटिक की जलवायु में काफी बदलाव आया है। गर्मी के मौसम में तापमान तीन से छः डिग्री तक बढ़ गया है। तापमान बढ़ने का अर्थ है कि इस क्षेत्र में नए परजीवी पनप सकते हैं, बीमारियां फैल सकती हैं। कैनेडा में तो मस्क ऑक्स में एक नई बीमारी भी देखी गई है। जलवायु परिवर्तन के कारण इस प्रजाति पर दबाव बढ़ता जा रहा है और यह विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही है।

भाजपा ने कैसे त्रिपुरा में सूपड़ा साफ किया तृणमूल कांग्रेस का?

जो दवा तृणमूल ने भाजपा को दी थी बंगाल के चुनाव में, उसकी ही ''डोज़'' भाजपा ने दी तृणमूल को त्रिपुरा में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। पूर्वोत्तर के छोटे से राज्य त्रिपुरा में पूरे देश का ध्यान आकर्षित करने और राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करने वाली चुनावी स्थिति पहले कभी नहीं रही।

त्रिपुरा के नगरपालिका चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत और जबरन राज्य में घुसपैठ करने वाली तृणमूल कांग्रेस और सी.पी.आई.(एम) को मिली पराजय ने ममता बनर्जी के एक राष्ट्रीय नेता बनने की सभी उम्मीदों को धूल-धूसरित कर दिया है।

ममता बनर्जी पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय स्तर की नेता बनने का अभियान जोर शोर से चला रही हैं। बेलगाम एवं अन्य पार्टियों से ठुकराए गए नेता राष्ट्रीय राजनीति में प्रासंगिक बनने के लिए ममता बनर्जी की पार्टी में शामिल होने को एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

इनमें से प्रथम उम्मीदवार यशवंत सिन्हा थे। उनके बाद कई नेता तृणमूल में शामिल हुए। अंतिम थे हरियाणा के अशोक तंवर और पवन वर्मा।

त्रिपुरा के चुनाव वह मानदंड बन गए हैं जिनसे राष्ट्रीय राजनीति में ममता बनर्जी के रूतबे व स्थिति के दावे का आकलन किया जा सकता है। इसके परिणाम अब उसका खण्डन कर चुके हैं। कुछ अन्य तबाहियों ने बंगाल की इस सुपर स्टार के भविष्य पर प्रहार करना शुरू कर दिया है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता के राइट हैण्ड एवं चुनाव एजेंट शेख सुफ़ीयान की हत्या के एक केस में जमानत याचिका रद्द कर दी है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि केस के तथ्यों और साक्ष्य को देखते हुए हत्या के संदिग्ध आरोपी की अग्रिम जमानत मंजूर नहीं की जा सकती।

ममता बनर्जी जिस नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़कर हार गईं थी, वहां के एक प्रमुख भाजपा कार्यकर्ता की चुनाव बाद हुई हिंसा में हत्या कर दी गई थी। सुफ़ीयान ने सी.बी.आई. जांच के लिए होने वाली अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत मांगी थी और हाई कोर्ट ने अब ममता को परेशानी में डालते हुए जमानत मंजूर किए जाने से इंकार कर दिया है। त्रिपुरा के नगर पालिका चुनाव एक से अधिक कारणों को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। ममता बनर्जी जो कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में अपने कद से भी अधिक बहु प्रचारित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तृणमूल ने बंगाल के चुनाव में जीत के बाद, हिंसा का खुला ताण्डव किया था। भाजपा कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में मारे गये या भाग गये। भाजपा ने भी तृणमूल के साथ ऐसा ही बर्ताव किया त्रिपुरा में।
- बंगाल में जीत के बाद, ममता बनर्जी राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका देखने लगी थीं तथा तृणमूल के नेता डैरेक ओ'ब्रायन कहने लगे थे, अब बंगाली प्रधानमंत्री का समय आ गया है।
- कई बुझे कारतूस जिनकी शुरूआत हुई थी, यशवंत सिन्हा से, व हरियाणा के अशोक तंवर एवं लेखक व विचारक पवन वर्मा भी ''लेटैस्ट आगमन'' थे, जिनके तृणमूल में शामिल होने से ममता के राष्ट्रीय नेता होने की महत्वकांक्षा को काफी हवा मिली थी।
- इस महत्वकांक्षा की उड़ान में पहला पड़ाव त्रिपुरा को होना था। परन्तु त्रिपुरा में तृणमूल एवं मार्क्सवादी पार्टी की हार ने महत्वकांक्षा को कुचल दिया।
- बंगाल व त्रिपुरा में भाजपा की रणनीति में एक बड़ा फर्क था। बंगाल में भाजपा के चुनाव अभियान में केन्द्रीय नेता हावी थे, पर त्रिपुरा में चुनाव अभियान व संचालन पूर्णतया स्थानीय नेताओं के हाथ में रहा तथा केन्द्र से हस्तक्षेप नगण्य रहा।

महंगाई के खिलाफ होने वाली देशव्यापी रैली की तैयारियों को परखने माकन आएंगे जयपुर

मंगलवार दोपहर 2 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर बैठक होगी

जयपुर, 29 नवम्बर (का.प्र.)। महंगाई के खिलाफ़ अभियान को गति देने के लिए कांग्रेस पार्टी 12 दिसंबर को दिल्ली में देशव्यापी विशाल रैली करने जा रही है। रैली में जहां देश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता शामिल होंगे तो इसे सफल बनाने के लिए राजस्थान को भीड़ जुटाने की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। वैसे भी मंत्री पद से हटने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के पास अब संगठन की जिम्मेदारी बची है। अत: अब वे दिल्ली रैली को सफल बनाने के लिए पूरा समय दे रहे हैं।

राजस्थान की सीमाएं दिल्ली से जुड़ी हैं। ऐसे में इस महंगाई के खिलाफ होने वाली रैली में प्रदेश से कांग्रेस पार्टी को सबसे ज्यादा उम्मीद है। यही कारण है कि कांग्रेस पार्टी इसे लेकर सक्रिय हो गई है और इस रैली को सफल बनाने के लिए राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ ही मुख्यमंत्री और मंत्री परिषद के साथ चर्चा कर चुके हैं।

रैली की तैयारियों को परखने के लिए राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन भी मंगलवार को जयपुर आ रहे हैं। वे इसे लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर बैठक लेंगे।

इस रैली की सफलता सरकार और संगठन के लिए कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रैली के 2 सप्ताह पहले मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठकर रैली को सफल बनाने का आव्हान मीडिया के जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कर चुके हैं। अब इसी कड़ी में राजस्थान प्रदेश प्रभारी अजय माकन, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में दिल्ली में होने वाली बैठक को सफल बनाने के लिए मंत्रियों, विधायको, विधायक प्रत्याशियों, सांसद प्रत्याशियों, पीसीसी पदाधिकारियों और निवर्तमान जिला अध्यक्षों को बुलाया गया है। मंगलवार को दोपहर 2 बजे होने वाली इस बैठक के जरिए इन सभी नेताओं के साथ राजस्थान कांग्रेस के तीनों प्रमुख नेता ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं को ले जाने का रोड मैप तैयार करेंगे।

वैसे भी दिल्ली में होने वाली कांग्रेस की रैलियों में राजस्थान हरियाणा उत्तर प्रदेश और पंजाब पर ही सबसे ज्यादा भीड़ ले जाने का दारोमदार रहता आया है क्योंकि यह तमाम प्रदेश दिल्ली से नजदीक पड़ते हैं। यही कारण है कि राजस्थान से रैली में 30 -35 हजार लोगों को ले जाने की तैयारियां की जा रही हैं।

दोनों सदनों ने पांच-पांच मिनट दिये कृषि विधेयकों को

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। चार सप्ताह चलने वाला संसद का शीतकालीन बड़े हंगामे, उत्तेजना एवं क्षोभ में शुरु हुआ तथा पहले लोकसभा में तथा उसके बाद राज्यसभा में वह विधेयक, किसी तरह की चर्चा कराये बिना, पाँच-पाँच मिनट में पारित हो, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- खड़गे राज्यसभा में, विधेयकों के पक्ष में दिये गये धरनों में 700 किसानों की मृत्यु की बात शुरू कर ही रहे थे कि, राज्यसभा के उपसभापति ने टोक कर बहस को रूकवाया।

राजस्थान का ''साइड शो'' लखनऊ में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। उत्तर प्रदेश की बड़ी चुनावी लड़ाई में राजस्थान का कोण भी जुड़ गया है। मरु-प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के एक ग्रुप ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर धरना शुरु कर दिया है तथा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से भेंट करने की माँग की है।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले जयपुर में इस महीने के शुरु में 47 दिवसीय विरोध-प्रदर्शन कर चुका है। ग्रुप की माँग थी कि उन रिक्त पदों पर नियुक्तियाँ प्रदान की जायें, जिनकी भर्ती हेतु राजस्थान सरकार परीक्षाएं आयोजित कर चुकी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विरोध प्रदर्शन कर रहे इन युवाओं से समझौता-वार्ता करने अपने नवनियुक्त सलाहकार दानिश अबरार को भेजा था, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला तथा इस ग्रुप ने 23 नवम्बर को अपना धरना-स्थल लखनऊ को बना लिया।

जाहिर है कि यह घटना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिये परेशानी का कारण बन गई है, जो पार्टी की अंदरुनी खींचतान के कारण लम्बे समय से परेशान चल रहे हैं। मुख्यमंत्री इस कदम को उनके ''राजनैतिक विरोधियों द्वारा प्रेरित कदम'' मान रहे हैं। गहलोत का कहना है कि राजस्थान में सभी राज्यों से ज्यादा नौकरियाँ दी गई हैं। आंदोलन-स्थल के रुप में लखनऊ का चयन करने का उनका कदम आखिर क्या बताता है? गहलोत ने आगे कहा कि युवाओं के इस ग्रुप की रुचि नौकरियों से कहीं ज्यादा राजनीति में है। ''उन्होंने कहा, ''अगर उन्हें नौकरी दी भी जाती है तो ये नौकरी लेंगे नहीं, क्योंकि उनमें से कुछ लोग तो राजनीति में जाना चाहते हैं।''

प्रियंका गांधी वाड्रा को उत्तर प्रदेश के युवाओं में तवज्जो मिलती रही है। कांग्रेस ने सत्ता में आने की स्थिति में राज्य में 20 लाख नौकरियाँ देने का वादा भी किया है। उक्त महासंघ के आंदोलनकारियों का मानना है कि वाड्रा उनकी बात को ध्यान से सुनेंगी। इससे पूर्व यह ग्रुप विरोध-प्रदर्शन की अभिन्न रणनीतियाँ अपना चुका है, जिनमें शामिल हैं- कमीज़ उतारकर प्रदर्शन करना, राज्य के मंत्रियों को गुलाब के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बेरोजगार युवकों ने लखनऊ में धरना दिया, प्रियंका गांधी से मिलने के लिये।
- अटपटी स्थिति बनती देख, मु.मंत्री ने सलाहकार दानिश अबरार को जिम्मेवारी सौंपी, इन युवकों से बातचीत करने के लिये।

यू-टर्न से सभी खुश नहीं सरकार में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। संसद सत्र का पहला दिन कृषि कानूनों को वापस लिये जाने तथा मोदी सरकार द्वारा हमला किये जाने के नाम रहा।

सरकार ने तीनों कृषि कानून बिना किसी चर्चा के वापस ले लिये तथा विपक्ष को जबरदस्ती खामोश कर दिया। विपक्ष इन कानूनों तथा उन किसानों की दुर्दशा पर बहस करना चाहता था, जो पिछले सवा साल से सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं।

इसके शीघ्र बाद ही, राज्यसभा के सभापति ने कांग्रेस, टी.एम.सी. तथा शिवसेना के 12 विपक्षी सांसदों को पूरे शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया। शीतकालीन आज ही शुरू हुआ था। यह निलम्बन मानसून सत्र के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इन लोगों को शिकायत है कि, पहले तो पार्टी ने सभी भाजपा सांसदों को, इन विधेयकों के पक्ष में, ''डिफैन्स'' में पूरा जोर लगाने के लिये कहा और फिर बिना बहस के ही कानून वापस ले लिये गये।

बिना बहस के कृषि कानून वापस लिये गये संसद में

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। संसदीय परम्पराओं के प्रतिघोर-असम्मान दर्शाते हुए अन्तर्गत, राज्यसभा के 12 विपक्षी सांसदों को मानसून सत्र के अंतिम दिन उनके कथित ''उद्दण्ड'' व्यवहार के परिणामस्वरुप आज शुरु हुये शीतकालीन सत्र से निलम्बित कर दिया गया।

पूरी दुनिया के संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को स्वीकार करने या उस पर ध्यान देने से इंकार करते हुये, सत्तापक्ष द्वारा पेश किये गये निलम्बन प्रस्ताव में कहा गया, ''इन सांसदों ने दुराचरण, तिरस्कारपूर्ण, उग्र तथा अनियंत्रित व्यवहार तथा सुरक्षाकर्मियों पर इरादतन हमलों के अभूतपूर्व कृत्य स्वैच्छया किया था।''

निलम्बित सांसदों की सूची में शमिल हैं- शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी तथा अनिल देसाई, तृणमूल कांग्रेस की डोला सेन तथा शान्ता क्षेत्री, सी.पी.एम. के एलमा राम करीम तथा कांग्रेस के छः सांसद।

एक संयुक्त बयान में विपक्ष ने कहा है कि यह निलम्बन ''अनुचित, अकारण एवं अलोकतांत्रिक'' है। सभी विपक्षी दलों के राज्यसभा कल एक मीटिंग करके आगे की रणनीति बनायेंगे। लेकिन, इस पत्र पर तृणमूल कांग्रेस ने हस्ताक्षर नहीं किया, तृणमूल कांग्रेस विपक्ष की मीटिंग में भी शामिल नहीं हो रही है।

पूर्ववर्ती सत्र में किये गये काम के लिये, नए सत्र में सांसदों के खिलाफ कोई कार्यवाही करने का अब तक कोई पूर्वोदाहरण नहीं है। नियम 256, जिसके तहत वे निलम्बित किये गये हैं, कहता है कि किसी सांसद को ''उस अवधि के लिये निलम्बित किया जा सकता है, जो उस सत्र की शेष अवधि से ज्यादा न हो।''

इस नियम का उल्लेख करते हुये, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा ने कहा कि अगर यह निलम्बन वापस नहीं लिया गया तो विपक्ष पूरे शीतकालीन सत्र का बहिष्कार करेगा। अस्त-व्यस्त स्थिति में चला मानसून सत्र, जिसमें ''पैगासस स्पाई वेअर'' के मुद्दे पर चर्चा की माँग को लेकर सरकार और विपक्ष में तनातनी चल रही थी, स्तब्ध कर देने वाली उग्रता तथा महिलाओं की हाथापायी के आरोपों के बीच 11 अगस्त को समाप्त हुआ था। सदन की स्थिति विस्फोटक हो गई थी, क्योंकि जनरल इन्श्योरेन्स बिजनैस (नैशनलाइजेशन) अमेंडमेंट बिल को प्रवर समिति को सौंपे जाने की मांगों के बावजूद, इस विधेयक को पारित कर दिया गया था। सदन की कार्यवाही की सी.सी.टी.वी. फुटेज, विपक्षी सदस्यों को राज्यसभा के अंदर सुरक्षाकर्मियों से हाथापाई करते हुये दिखा रही हैं। काले झंडे लिये हुये सांसद मेजों पर चढ़े हुये तथा फाइलों तथा कागज़ातों को बिखेरते हुये दिखाई दे रहे थे। जहाँ सरकार ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि उसने महिला मार्शलों से हाथापाई की, वहीं विपक्ष ने एक संयुक्त बयान में आरोप लगाया कि ''विपक्षी नेताओं तथा सदस्यों, जिनमें महिला सांसद भी शामिल थीं, से हाथापायी करने के लिये'' बाहरी लोग ''अंदर लाये गये थे।''

सरकार ने विपक्ष के इन दावों का खंडन किया कि ''बाहरी लोग'' अंदर लाये गये थे, तथा अन्ततः इस मामले को जाँच के लिये सांसदों की एक विशेष कमेटी को सौंप दिया गया था। लेकिन कांग्रेस इस प्रकार की किसी भी कमेटी से अलग रही थी तथा उसने कहा था कि जाँच के जरिये सांसदों को डरा-धमका कर खामोश करने की कोशिश समाहित रहेगी।

राज्यसभा की सिक्योरिटी रिपोर्ट का कहना है कि एक सांसद ने हाथापाई की थी तथा ''एक पुरुष मार्शल का गला बुरी तरह दबा दिया था तथा सुरक्षा घेरे को तोड़ने के उद्देश्य से उसे अंदर घसीट लाया गया था।'' रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि महिला सांसदों ने एक महिला मार्शल को ''खींचा तथा घसीटा'' था तथा सदन के ''वैल'' में उस पर हमला बोला था।

किसान पिछले एक वर्ष से जिन तीन कृषि बिलों को लेकर दिल्ली की सीमा पर प्रदर्शन करते आ रहे थे, उन्हें रद्द करने के प्रति बहुत कम आदरभाव दर्शाया गया। संसद के सोमवार के मिनिट्स पर गौर कीजिए। लोकसभा में सुबह पारित किए गए विधेयक को दोपहर के भोजन के बाद राज्यसभा की कार्यवाही शुरु होते ही पारित कर दिया गया। विपक्ष ने सरकार की कटघरे में खड़ा करने की कोशिश में जो कि इन विधेयकों को वापस लेकर पहले ही बैकफुट पर है, बहस की मांग की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साथ ही पिछले मानसून सत्र में सदन में हाथापाई, महिला मार्शल के साथ अभद्रता आदि ''अपराधों'' के कारण राज्यसभा के बारह सांसद निलंबित किये गये

- विपक्ष ने भी पलटवार में सरकार पर आरोप लगाया कि, चुनाव की दृष्टि से चयन करके सांसदों को निलंबित किया गया है। उदाहरण के लिये आप पार्टी के संजय सिंह को निलंबित नहीं किया गया, हालांकि हंगामे के वीडियो में संजय सिंह को हाथ में काला झण्डा लेकर राज्यसभा सचिवालय के स्टाफ की टेबलों पर चढ़कर नाचते हुए साफ देखा जा सकता है। सरकार आप पार्टी के सांसद को हीरो नहीं बनाना चाहती थी, पंजाब के चुनाव में।
- यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, तृणमूल कांग्रेस ने संयुक्त विपक्ष के उस पत्र पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया, जिसमें विपक्ष की पार्टियों का, कल बैठक कर, सांसदों के निलंबन पर रणनीति तय करने के लिये मंथन करने का आव्हान किया गया है।
- विपक्ष में यह भी चर्चा का विषय है कि, जिस रूल के तहत इन सांसदों को निलंबित किया गया है, उसमें साफ लिखा है कि, सांसद का निलंबन केवल संसद के शेष ''पीरियड'' के लिये ही हो सकता है और हंगामे की घटना पिछले सत्र की है।

'सैन्ट्रल विस्टा का निर्माण क्यों'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केन्द्र सरकार से कहा कि वह देश की राजधानी में निर्माण कार्यों पर 24 नवम्बर को लगाए गए प्रतिबन्ध के बावजूद सैन्ट्रल विस्टा में जोर-शोर से चल रहे निर्माण कार्यों के बारे में अगली सुनवाई तिथि 2 दिसम्बर तक स्थिति स्पष्ट करे।

यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) एन.वी. रमन्ना की अध्यक्षता वाली एक विशेष बैंच के समक्ष दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आया। यह याचिका दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली के एक 17 वर्षीय छात्र ने दायर की थी। कोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से दो दिसम्बर तक जवाब मांगा कि, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कन्स्ट्रक्शन पर लगाये गये प्रतिबंध के बावजूद निर्माण कार्य कैसे जारी है।

विचार बिन्दु

श्वास की क्रिया के समान हमारे चरित्र में एक ऐसी सहज क्षमता होनी चाहिए। जिसके बल पर जो कुछ प्राप्य है वह अनायास ग्रहण कर लें और जो त्याज्य है वह बिना क्षोभ के त्याग सकें। –टैगोर

और अब कोरोना के नए अवतार ओमिक्रान की दहशत

कोरोना के दो साल होने के बावजूद यह नए नए अवतार लेकर सामने आ रहा है। अब अफ्रीका से यह नया अवतार ओमिक्रान के रुप में दुनिया को हिलाने आ गया है। कोरोना के नए वैरियंट ओमिक्रान को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बैरियंट ऑफ कंसर्ट घोषित करने से ही इसकी गंभीरता को समझा जा सकता है।

विषेषज्ञों द्वारा माना जा रहा है कि कोरोना के डेल्टा अवतार से भी यह सात गुणा तेजी से फैलने वाला वैरियंट है। यह भी साफ हो जाना चाहिए कि वैरियंट की गंभीरता को देखते हुए उसे कंसर्ट ऑफ वैरियंट घोषित किया गया है अन्यथा स्थिति में तो सामान्यत: वैरियंट ऑफ इंटरेस्ट की श्रेणी में ही रखा जाता है। कंसर्ट की श्रेणी में गंभीरता को देखते हुए ही डाला जाता है।

विषेषज्ञों द्वारा माना जा रहा है कि यह वैरियंट डेल्टा से भी ज्यादा तेजी से फैलने वाला वैरियंट है। एक अनुमान के अनुसार डेल्टा से सात गुणा अधिक तेजी से यह फैलता है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि न्यूयार्क में 15 जनवरी, 2022 तक के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी है तो दुनिया के देश दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर रोक लगा रहे हैं।

गौरतलब है कि कोरोना के ही वैरियंट डेल्टा ने अक्टूबर 2020 में भारत में प्रवेश किया और जबरदस्त तरीके से प्रभावित करने के साथ ही जानलेवा साबित हुआ। ओमिक्रान को गंभीरता से लेने का एक कारण यह भी है कि जहां एक और यह वैरियंट तेजी से फैल रहा है वहीं यह भी माना जा रहा है कि वैक्सीन इस पर अधिक असरकारक नहीं है। अफ्रीका में करीब दो माह से प्रभावित कर रहा यह वैरियंट ओमिक्रान पिछले चार से पांच दिनों में ही दक्षिण अफ्रीका के साथ ही हांगकांग, बोत्सवाना, बेल्जियम, जर्मनी, चेक गणराज्य, इजराइल और ब्रिटेन पहुंच गया है। भारत में भी बैंगलोर उतरे अफ्रीका से आए दो मरीज कोरोना संक्रमित मिलने से हडकंप मच गया है पर अभी यह पुष्ट नहीं हो पाया है कि वे ओमिक्रान से ही संक्रमित है या अन्य किसी वैरियंट से। इसी तरह से पुष्कर में तीन फ्रांसिसी महिला पर्यटकों के कोरोना संक्रमित मिलना चिंता का सबब बन गया है।

वर्तमान परिदृश्य में हम सबकी जिम्मेदारी हो जाती है कि लोगों को कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। लोगों को यह समझना होगा कि जीवन है तो सबकुछ है नहीं तो कुछ भी नहीं। ऐसे में अभी सतर्कता जरुरी है और इसे समझना व समझाना होगा।

ओमिक्रान की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि शुक्रवार को देश में शेयर बाजार धड़ाम से गिर गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में चिंता व्यक्त की तो राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उच्चस्तरीय बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए और बूस्टर डोज की तैयारी करने को कहा। हांलाकि देश में कोरोना की चिंता के बीच ही 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ाने शुरु करने की घोषणा की गई है पर इसकी नए सिरे से समीक्षा की आवश्यकता हो गई है। योरोपीय संघ सहित दुनिया के देश अफ्रीका से हवाई उड़ानों पर रोक लगा रहे हैं। अब तक 1200 से अधिक संक्रमित मिलने से दुनिया दहशत में आ गई है। भारत सहित दुनिया के देश स्थितियों पर गंभीरता से नजर रखे हुए है और आवश्यक एहतियाती तैयारी में जुट गए हैं।

दरअसल यह माना जा रहा था कि कोरोना का अभिशाप अधिक दिन नहीं चलेगा पर देखते देखते दो सालों में ही दुनिया के देश इसके पांच वैरियंट से रुबरु हो चुके हैं। सितंबर 2020 में इंग्लैण्ड में अल्फा, मई, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में बीटा, नवंबर, 2020 में ब्राजील में गामा, अक्टूबर, 2020 में भारत में डेल्टा और अब ओमिक्रान ने असर दिखाना शुरु कर दिया है। दरअसल वायरस की जीनोमिक संरचना में बदलाव होकर के यह नए वैरियंट का रुप ले लेता है। कोरोना ने वैसे तो पूरी दुनिया में अपना असर दिखाया है पर अमेरिका, ब्राजील, भारत संक्रमण और मौत के मामलों में सबसे अधिक प्रभावित देश रहे हैं।

दरअसल कोरोना जैसी महामारी से जुझने का दुनिया के देशों के सामने यह पहला अवसर आया है। इससे पहले प्लेग, कोलेरा, फ्लू, काला ज्वर, तपेदिक, पोलियो, एड्स, खसरा, चेचक जैसी कई महामारियों से जूझ चुका है। समय के साथ इनका ईलाज भी खोजा गया। पर मजे की बात यह है कि कोरोना के चलते तपेदिक वापिस अपना असर दिखाने लगी है और पिछले दिनों में तपेदिक के कारण मौत के मामलें लगातार बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि कोरोना प्रोटोकाल की बावजूद जिस तरह से कोरोना का थोड़ा असर कम दिखते ही प्रतिबंधों में छूट और शिथिलता बरती जाने लगी तो कोरोना नए अवतार में सामने आने लगा। नो मास्क नो एंट्रीऔर दो गज की दूरी के संदेश के बावजूद धीरे-धीरे इनका असर कागजी रहने से तबाही का मंजर जारी है। लापरवाही के चलते कोरोना है कि थोड़ी राहत देकर वापिस पूरी तेजी से आक्रामक हो रहा है। अभी वैक्सीनेशन भी पूरी तरह से नहीं हो पाया है। वैक्सीनेशन के कम असर के आए दिन आने वाले समाचारों से लोग हतोत्साहित हो रहे हैं सो अलग। दरअसल लोगों में निराशा अधिक व्याप्त होने लगी है। ऐसे में इस सबके साथ ही आशा और विश्वास की बूस्टर डोज ज्यादा जरुरी हो जाती है। मजे की बात यह है कि एक और वापिस कोरोना के मामलें बढ़ने लगे हैं तो दूसरी और शिथिलता भी बढ़ती जा रही है। योरोपीय देशों में पाबंदियों को हटानें को लेकर बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे में सबकी जिम्मेदारी हो जाती है कि लोगों को कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। लोगों को यह समझना होगा कि जीवन है तो सब कुछ है नहीं तो कुछ भी नहीं। ऐसे में अभी सतर्कता जरुरी है और इसे समझना व समझाना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

उदयपुर के एम.ए.हुसैन की पेंटिंग को दुबई में मिला सर्वश्रेष्ठ कलाकृति का खिताब

हुसैन की पेंटिंग सवा लाख दिरहम भारतीय मूल्य 25 लाख रूपए में बिक्री

उदयपुर,(कासं)। दुबई के इंडियन कॉन्स्युलेट स्थित यूएई टॉलरेंस वीक -2021 के तहत डॉ. रोमित पुरोहित और पेंट ब्रश आर्ट कम्युनिटी की संस्थापक व सीईओ सोनल पुरोहित द्वारा आयोजित इंद्रधनुष एंड इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ आर्ट एग्जिबिशन एंड वर्क शॉप में उदयपुर के आर्टिस्ट एम.ए. हुसैन की पेंटिंग इस साल दुबई में बिकी सबसे महंगी पेंटिंग्स में अपनी जगह बनाने में कामयाब हुई। सोनल पुरोहित ने बताया कि प्रदर्शनी में सात देशों के कलाकारों ने अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। एग्जीबिशन में कलाकारों की 50 कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में उदयपुर के जाने-माने पेंटर एम. ए. हुसैन की हुसैन बनाम हुसैन कलाकृति को सर्वश्रेष्ठ चुना गया। हुसैन की कलाकृति को सवा लाख दिरहम में खरीदा गया जिस का भारतीय मूल्य 25 लाख रुपए हैं।

- **प्रदर्शनी में सात देशों के कलाकारों ने कलाकृतियों का प्रदर्शन किया**
- **यह पेंटिंग इस साल बिकने वाली सबसे महंगी पेंटिंग्स में से एक है**

उदयपुर के एम.ए.हुसैन द्वारा कलाकृति।

यह पेंटिंग इस साल बिकने वाली सबसे महंगी पेंटिंग्स में से एक है। एग्जिबिशन को और आकर्षक बनाने के लिए इसमें फैशन शो का भी आयोजन किया गया जिसमें 46 कलाकारों ने ब्लू टीशर्ट पहन कर अपनी कलाकृति को प्रदर्शित किया।

इतिहास में पहली बार जाखम बांध नवम्बर माह में छलका

1986 के बाद 20 वीं बार चली चादर

धरियावद,(निसं)। धरियावद से 32 किमी दूर सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य की गोद में स्थित राजस्थान का सर्वोच्च ऊंचाई वाला जाखम परियोजना सिचाई बांध लंबे इंतजार के बाद 29 नवम्बर को छलका। जाखम बांध की ऊचाई 31 मीटर (102 फिट) और भराव क्षमता 5 हजार 15 एमसीएफटी है। 1986 में प्रथम बार चादर चली तब से अब तक 20वी बार जाखम बांध लबालब होकर चादर चली है। अधिशाषी अभियंता भगवानसिंह करदम ने बताया कि पश्चिमी हवाओं का दबाव व मानसून रह रहकर उठ रहे है। विगत 10 दिन पूर्व बरसात होने के कारण पानी रिसता हुआ जाखम बांध में आ रहा था जिसके चलते अब जाकर इतिहास में पहली बार जाखम बनने के पश्चात नवम्बर माह में छलका। वही अब जाखम बांध की एलएमसी की नहर छोड़ दी गई है और आरएमसी नहर भी शीघ्र सिचाई हेतु छोड़ी जाएगी जिससे अब तक भराव क्षमता धीरे धीरे कम हो जाएगी जिसके चलते अब जाखम बांध की चादर नही बढ़ सकेगी।

- **जाखम बांध की ऊचाई 31 मीटर (102 फिट) और भराव क्षमता 5 हजार 15 एमसीएफटी है**

धरियावद के जाखम बांध की चादर चलने का नजारा।

अधिशाषी अभियंता रामाधार मीना ने बताया कि जाखम बांध की नहरों से 28 हजार 319 हेक्टर सिचित क्षेत्र में सिचाई की जाती है। क्षेत्र में असिचित सहित 58 हजार हेक्टर भूमि में पैदावार होती है। जाखम बांध बनने के पश्चात अब तक 19 बार चादर चली जिसमें सन 1986 में 2 मीटर 55 सेंटीमीटर, वर्ष 1988 में 15 सेंटीमीटर, 1989 में 85 सेंटीमीटर, 1990 में 1 मीटर 70 सेंटीमीटर, 1991 में 1 मीटर, 1994 में 1 मीटर 80 सेंटीमीटर, 1996 में 1 मीटर 20 सेंटीमीटर, 2001 में आधा मीटर, 2004 में 1 मीटर 85 सेंटीमीटर, 2006 में 3.5 मीटर, 2012 में सवार चार फिट, 2013 में 2 फिट, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019 में 1 मीटर 52 सेंटीमीटर के, वर्ष 2020 में 14 सितम्बर तथा इस सत्र 2021 में इतिहास में पहली बार नवम्बर माह में 29 नवम्बर को चादर चली।

17 मिनट में अनोखी शादी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम लापुंआ में रविवार को मुनीन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट, कुरुक्षेत्र हरियाणा के तत्वावधान में आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में समाज में फैली बुराइयों नशा, मृत्यु-भोज, दहेज प्रथा, पाखंडवाद, हिंसा, रिश्वतखोरी आदि को दूर कर एक सभ्य नागरिक बनने व स्वस्थ समाज का निर्माण करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान को घर-घर व गांव-गांव पहुंचाने का आग्रह किया।

- **सत्संग के दौरान हुई इस शादी में न घोड़ी, न बैंड-बाजा, न दहेज, ना ही कोई पकवान था**

संत रामपाल जी महाराज की प्रेरणा से सुशीला पुत्री भोमाराम निवासी भवानीपुरा का विवाह हरिपुरा, रेनवाल निवासी पूरणमल पुत्र सोहन के साथ सादगी से हुआ।

दूल्हा-दुल्हन साधारण कपड़ो में गुरु संत रामपाल जी महाराज की तस्वीर के सामने बैठे और मात्र 17 मिनट की गुरुवाणी सुनकर एक दूसरे के साथ वैवाहिक बंधन में बंध गए। सेवादार महेंद्र दास ने बताया कि सत्संग के दौरान हुई इस शादी में न घोड़ी, न बैंड-बाजा, न दहेज, ना ही कोई पकवान था। दोनों तरफ से परिवारों की सहमति से शादी हुई।

हैडकांस्टेबल के निधन के बाद बेटियों की शादी के लिए साथियों ने जुटाए दो लाख रूपये

स्वयं के साथ ही जनसहयोग से एकत्रित दो लाख 121 रुपए की राशि सौंपी

राजसमंद, (निसं)। आमजन की सुरक्षा में 24 घण्टे तत्पर रहने वाले पुलिसकर्मी अपने साथ जवान के लिए भी उतने ही सजग है। कांकरोली थाने में हेडकांस्टेबल पदस्थापित मांगीलाल की बीमारी के चलते पिछले सप्ताह निधन हो गया। हैडकांस्टेबल के घर में उनकी दो पुत्रियों के विवाह होने व परिवार की आर्थिक स्थिति को समझते हुए कांकरोली थाने के पुलिस जवानों ने सहयोग राशि भेंट कर आर्थिक सहयोग दिया। कांकरोली थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास की पहल पर कांकरोली थाने के पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने स्वयं की मदद के साथ कुछ सहयोग राशि भी एकत्रित की।

गौरतलब है कि कांकरोली थाने में तैनात देसूरी जिला पाली निवासी हैड कांस्टेबल मांगीलाल की दो बेटियों की 28 नवम्बर को शादी आ गई। बीमारी के चलते मांगीलाल का परिवार पहले से ही काफी आर्थिक संकटों से जूझ रहा था। यह देखते हुए कांकरोली थाना प्रभारी योगेन्द्र व्यास के निर्देशन में सभी जवानों व जन सहयोग से 2 लाख 121 रुपए एकत्र किए गए। इसके बाद सहायक उप निरीक्षक जसवंतसिंह, सूचना अधिकारी सहित कई जवानों ने राशि सुपूर्द की।

- **पुलिसकर्मियों ने दिया सामाजिक सरोकार का अनूठा उदाहरण**
- **लम्बी बीमारी के चलते कांकरोली हेडकांस्टेबल का हो गया था निधन**

राजसमंद में हैडकांस्टेबल मांगीलाल की पुत्रियों व परिजनों को सहायता राशि भेंट करते पुलिसकर्मी।

राशिफल मंगलवार 30 नवम्बर, 2021

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2078, हस्त नक्षत्र रात्रि 8:34 तक, आयुष्मान योग रात्रि 12:02 तक, बव करण दिन 3:14 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

कुमार योग रात्रि 8:34 तक है। द्विपुष्कर योग रात्रि 2:14 से सूर्योदय तक है। राजयोग रात्रि 2:14 तक रहेगा। आज उत्पन्न (वैतरणी) एकादशी व्रत और पदम प्रभु मोक्ष दिन (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:39 से 10:57 तक, लाभ-अमृत 10:57 से 1:34 तक, शुभ 2:52 से 4:11 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:02, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन का व्यय हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

वृष
नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि हो सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

आठ दिनों में 1500 किमी की दूरी तय करेगी स्वर्णिम विजय बाइक रैली

जयपुर, (कासं.)। कोटेश्वर, गुजरात से स्वर्णिम विजय वर्ष बाइक रैली को लेफ्टिनेंट जनरल पी एस मन्हास, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, डेजर्ट कोर ने हरी झंडी दिखाकर 29 नवंबर को रवाना किया।

रैली में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, बीएसएफ, तटरक्षक बल, मीडियाकर्मी और मोटरसाइकिल के कुल 60 सवार भाग ले रहे हैं। वे भुज, अहमदाबाद, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर से गुजरेंगे और अंत में 05 दिसंबर 2021 को लोंगेवाला में लोंगेवाला दिवस समारोह के साथ समापन होगा और आठ दिनों की अवधि में लगभग 1500 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

रैली को हरी झंडी दिखाते हुए डेजर्ट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने कहा कि हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी सीमाओं की रक्षा करने वाले और दुश्मन के नापाक इरादों से अपने क्षेत्र की रक्षा करने वाले हमारे दिग्गजों के द्वारा दिये गए सर्वोच्च बलिदान को याद करें।

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन लोगों से जुड़ने और उन्हें सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान की याद दिलाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जावा मोटरसाइकिल के सहयोग से आयोजित की जा रही यह रैली, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर हमारे राष्ट्र की जीत के 50 वें वर्ष को चिन्हित करने के लिए देश भर में आयोजित होने वाले समारोहों का एक हिस्सा है।

गुजरात से स्वर्णिम विजय वर्ष बाइक रैली को लेफ्टिनेंट जनरल पी एस मन्हास, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, डेजर्ट कोर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नीति आयोग ने मंजूर किया तनोट-लोंगेवाला- बबलियान पर्यटन परिपथ

जैसलमेर, (नि.सं.)। अन्तर्राष्ट्रीय सरहद पर अवस्थित जैसलमेर जिले में सीमावर्ती पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर जिला कलक्टर आशीष मोदी की पहल जबरदस्त रंग लायी है। इस संबंध में जिला कलक्टर के निर्देश पर बनाए गए प्रोजेक्ट को नीति आयोग द्वारा मंजूर कर लिया गया है।

इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सरहदी पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने के साथ ही सीमा सुरक्षा बल की कार्य शैली के बारे में पर्यटकों में जागरूकता लाने तथा रोजगार के नये अवगसर सृजित करने के उद्धेश्य से तनोट-लोंगेवाला-बबलियान परिपथ को विकसित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जैसलमेर जिला आकांक्षी कार्यक्रम में शामिल है, जिसके अन्तर्गत जिला कलक्टर आशीष मोदी के प्रयासों से नीति आयोग ने सीमावर्ती पर्यटन को बढावा देने के इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति प्रदान की है।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

आपत्ति आमंत्रण सूचना :–

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदकों द्वारा कृषि भूमि पर बसी निम्न कॉलोनियों में प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के दौरान कृषि भूमि नियमन हेतू आवेदन प्रस्तुत किये है। जिसमें नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे (लीज डीड) जारी किए जाने है। अतः निम्नांकित भूखण्डो (खसरों) के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजों प्रमाण के साथ 07 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत करावें। 07 दिवस गुजरने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी व नियमानुसार नियमन की कार्यवाही की जायेगी।

क. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल वर्गगज
1	जुम्मा खान पत्नि शफी मौहम्मद	किरानीपुरा	18	248.88
2	आशारानी हनितकुमार पत्नि हनितकुमार	किरानीपुरा	22	133.33
3	विष्णुकान्त गुप्ता पुत्र स्वः राम किशन गुप्ता	किरानीपुरा	22	213.33
4	अमृता सोनी पत्नि मनोज कुमार वर्मा	किरानीपुरा	22	135.11
5	भारत कुमार मीना पुत्र बरदी चन्द्र मीना	किरानीपुरा	25	213.33
6	भारत कुमार मीना पुत्र बरदी चन्द्र मीना	किरानीपुरा	25	213.33
7	तनिशा खण्डेलवाल पुत्री रामचरण खण्डेलवाल	किरानीपुरा	31	206.22
8	अनिता खण्डेलवाल पत्नि रामचरण खण्डेलवाल	किरानीपुरा	31	206.22
9	कुंती परलानी पत्नि मुरलीधर लोकवानी	किरानीपुरा	54	198.66
10	मनीष लोकवानी पुत्र मुरलीधर	किरानीपुरा	54	200
11	मार्ग्रेट डेनियल पत्नि अजय कुमार डेनियल	किरानीपुरा	245	191.73
12	जसवन्त सिंह पुत्र झब्बूलाल	किरानीपुरा	251	290.83
13	सरोज यादावत पत्नि रवि शंकर	किरानीपुरा	253	236.11
14	श्रीमती शारदा देवी पत्नि मान सिंह	किरानीपुरा	286	261.5
15	लक्ष्मीनारायण पुत्र शान्तिलाल	किरानीपुरा	292	150
16	अपेक्षा त्रिपाठी पत्नि रूपेश त्रिपाठी	किरानीपुरा	302	320
17	नाजिरा खानम पत्नि मों हसूदिन खान	किरानीपुरा	303	184.16
18	देवी लाल चौहान पुत्र देवकरण	किरानीपुरा	491	175
19	लक्ष्मी जोरम पत्नि नरेश कुमार	किरानीपुरा	491	102.77
20	योगेश कुमार वर्मा पुत्र हरि किशन वर्मा	किरानीपुरा	491	102.77
21	चन्द्रशेखर पुत्र शान्तिलाल	किरानीपुरा	514	87.36
22	सुरजमल पुत्र नागीलाल अग्रवाल	किरानीपुरा	520	126
23	विमला पत्नि पूरनचन्द जैन	किरानीपुरा	520	126
24	वन्दना मेड़तवाल पत्नि जितेन्द्र वर्मा	किरानीपुरा	531	105.66
25	अन्जुलता पत्नि राजेन्द्र प्रसाद	किरानीपुरा	542	88
26	अन्जुलता पत्नि राजेन्द्र प्रसाद	किरानीपुरा	542	67.77
27	सुरेश कुमार बैरवा पुत्र रामधन बैरवा	किरानीपुरा	543	119.22
28	रामप्रसाद बैरवा पुत्र पन्ना बैरवा	किरानीपुरा	543	119.00
29	सुमन जैन पत्नि धर्मेन्द्र जैन	किरानीपुरा	554	110.25
30	हेमलता गुर्जर पत्नि किशन लाल गुर्जर	किरानीपुरा	556	267.45
31	उमा शंकर वर्मा पुत्र स्वः श्री जगन्नाथ वर्मा	किरानीपुरा	648	175.13
32	रामपाल पुत्र चन्दर	किरानीपुरा	650	220
33	विजय कुमार पुत्र बोदूराम सैनी	किरानीपुरा	1355	424.86
34	विजय कुमार पुत्र बोदूराम सैनी	किरानीपुरा	1355	439.62
35	विजय कुमार पुत्र बोदूराम सैनी	किरानीपुरा	1355	439.8
36	विजय कुमार पुत्र बोदूराम सैनी	किरानीपुरा	1357	455.81
37	निखिल उभयकर पुत्र शंकर नारायण उभयकर	किरानीपुरा	1364	220
38	पुष्पा शर्मा पत्नि महेश कुमार शर्मा	किरानीपुरा	1541	198.35
39	दिलीप कुमार सैन पुत्र रामस्वरूप, पूनम सैन पत्नि दिलीप सैन	किरानीपुरा	1541	106.11
40	सूर्याबाला सक्सेना पत्नि जयेश सहाय सक्सैना	किरानीपुरा	1559	248.5
41	नरेश सिसोदिया पत्नि छोटेलाल	किरानीपुरा	1620	253
42	सुन्दरी देवी पत्नि राजेन्द्र कुमार यादव	किरानीपुरा	1633	154.53
43	सुशीला कछावा पत्नि नन्द लाल कछावा	किरानीपुरा	1641	166.66
44	गोपाल चितौड़िया पुत्र टोडीराम चितौड़िया	किरानीपुरा	1685	256.83
45	रामनिवास विश्नोई पुत्र भागीरथ विश्नोई, सन्तोष विश्नोई पत्नि रामनिवास विश्नोई	किरानीपुरा	1735	83.58
46	दीपक कुमार पुत्र नवल किशोर	किरानीपुरा	1737	120.52
47	अमित कुमार कुपांवत पुत्र कमल सिंह	किरानीपुरा	1737	144.02
48	कमला देवी गहलोत पत्नि अमरचन्द गहलोत	किरानीपुरा	1772	448
49	मंजू देवी पत्नि नेमी चन्द अजमेरा	किरानीपुरा	1772	248.88
50	भगवती देवी पत्नि किशन मारोठिया	किरानीपुरा	1776	200
51	वनिता विजयवर्गीय पत्नि विनोद कुमार	किरानीपुरा	1776	100
52	मंजू देवी पत्नि नेमी चन्द अजमेरा	किरानीपुरा	1777	89.62
53	श्रीमती श्वेता टांक पत्नि शिवनारायण देवडा	किरानीपुरा	1777	131.94
54	प्रतिभा चौहान पत्नि अमित चौहान	किरानीपुरा	1777	183.33
55	भगवती देवी पत्नि किशन मारोठिया	किरानीपुरा	1777	195.55
56	पुष्पा देवी पत्नि सोहनलाल	किरानीपुरा	1792	256
57	अमरचन्द रेनवा पुत्र रामचन्द्र रेनवा	किरानीपुरा	1792	147.77
58	विमला देवी पत्नि किशन सिंह	किरानीपुरा	1822	216.00
59	दुर्गावती पत्नि स्वः श्री राजेन्द्र सिंह, कमल कुमार सांखला पुत्र स्वः श्री राजेन्द्र सिंह सांखला व उमेश कुमार सांखला पुत्र स्वः श्री राजेन्द्र सिंह सांखला	किरानीपुरा	1828	304.00
60	महेन्द्र कुमार पुत्र रामपाल	किरानीपुरा	1853	300.76
61	देवी सिंह पुत्र नवल किशोर, गुलशन भारती पत्नि देवी सिंह	किरानीपुरा	1882	100.00
62	राजकुमारी टांक पत्नि भागचंद टांक	किरानीपुरा	1947	181.75
63	श्रीमती शारदा चौहान पत्नि विजय सिंह चौहान	किरानीपुरा	1956	185
64	हंसराज पुत्र स्वः श्री मोहनलाल	किरानीपुरा	1959	447.09
65	हंसराज पुत्र स्वः श्री मोहनलाल	किरानीपुरा	1959	288
66	हंसराज पुत्र स्वः श्री मोहनलाल	किरानीपुरा	1959	177.77
67	लीलाधर राठौड़ पुत्र मूलचन्द	किरानीपुरा	1972	234.66
68	सावित्री पत्नि लीलाधर	किरानीपुरा	1972	234.66
69	लाजवन्ती पत्नि किशनलाल गोठवाल	किरानीपुरा	1982	265.41
70	मोहम्मद रशिफ चिश्ती पुत्र मो. हनीफ	किरानीपुरा	1996	234.66
71	सुरेन्द्र सिंह राठौड़ पुत्र मोहब्बत सिंह राठौड़	किरानीपुरा	2025	119.27
72	मीनाक्षी गढ़वाल पत्नि राम दयाल गढ़वाल	किरानीपुरा	2067	123.75
73	मीनाक्षी गढ़वाल पत्नि राम दयाल गढ़वाल	किरानीपुरा	2067	130.00
74	सुनीता पत्नि अमित कुमार	किरानीपुरा	2067	296.20
75	चन्द्रकान्ता पत्नि विजय कुमार सैनी	किरानीपुरा	1361 व 1364	453.25
76	कैलाश चन्द पुत्र हुगन लाल	किरानीपुरा	1362,1363	300
77	सुनिल कुमार तुन्दवाल पुत्र अमरचन्द तुन्दवाल	किरानीपुरा	1454,1458,1527	108.90
78	दिनेश सतरावला पुत्र मनोहर सिंह	किरानीपुरा	1757,1456	207.45
79	हरदेवी पत्नि रामसिंह	किरानीपुरा	1875,1876	171.79
80	सलमा बानो पत्नि अशरफ	किरानीपुरा	22,21	108.88
81	विजेन्द्र सिंह पुत्र विजय सिंह	किरानीपुरा	794,793	200.75

घूघरा

क. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल वर्गगज
1	श्रीमति अंजू यादव/सुरेश चंद यादव	घूघरा	283	236.66
2	श्रीमति चन्द्रा जोशी	घूघरा	283	103.88
3	कल्पना पत्नि सुनील खण्डेलवाल	घूघरा	283	301.12
4	गणपत राम/काना राम	घूघरा	318	200
5	अजीत सिंह शेखावत	घूघरा	338	180
6	अंजु दाधीच/दुर्गा प्रसाद	घूघरा	339	150
7	अंजु दाधीच/दुर्गा प्रसाद	घूघरा	339	150
8	श्रीमति प्रिती चौधरी/नीरज चौधरी	घूघरा	340	166.66
9	अंकिता कनौजिया/अतुल कुमार	घूघरा	343	150
10	दीक्षा कनौजिया/विजय कनौजिया	घूघरा	343	150
11	बाबु लाल/बींजाराम	घूघरा	364	177
12	ओम प्रकाश गुप्ता/नागरमल गुप्ता	घूघरा	366	200
13	श्री दुलाराम चौधरी/भारमल जी	घूघरा	370	200.22
14	रामजीलाल डाबरिया/गोलूराम डाबरिया	घूघरा	376	225.55
15	श्रीमति हेमकंवर/गोविन्द सिंह	घूघरा	394	190
16	श्री ओम प्रकाश/श्री राम रख राम	घूघरा	399	225.28
17	लक्ष्मी देवी/छगेश चन्द	घूघरा	401	110.45
18	श्री संजय कुमार/मोहन सिंह	घूघरा	405	200
19	श्रीमति चंद्रभागा माहेश्वरी/स्वः हरी प्रसाद माहेश्वरी	घूघरा	417	430
20	सीताराय/आशानन्द राय	घूघरा	781	180.16
21	श्री देवेन्द्र वेदी/प्रदीप कुमार वेदी	घूघरा	796	231.11
22	सुखदेव राम चौधरी/मोतीराम चौधरी	घूघरा	796	408.33
23	सुखदेव गुर्जर/मागीलाल गुर्जर	घूघरा	808	276.66
24	सुरेन्द्र सिंह/हरी सिंह	घूघरा	808	283.33
25	अजीत सिंह शेखावत	घूघरा	808	82.22
26	राकेश माथुर एंव श्रीमति अरूणा माथुर	घूघरा	808	200
27	विमलेश संवासियां/मुकेश चंद	घूघरा	818	200
28	मुकेश सवासिया पुत्र टीकम चन्द सवासिया	घूघरा	818	200
29	नवनीत कौर/हरबजन सिंह	घूघरा	828	186.66
30	चंद्रकांता/मिठ्ठुलाल	घूघरा	837	200
31	सुशील मोहन/जगदेव शर्मा	घूघरा	840	199.83
32	सुमन चौधरी पत्नि विजय मुण्डेल	घूघरा	845	133.33
33	ओंकार राम मुण्डेल पुत्र बलदेवराम मुण्डेल	घूघरा	845	150
34	भैरूसिंह/मदनसिंह सिसोदिया	घूघरा	852	400
35	सौरभ गुप्ता/इन्द्र चंद गुप्ता	घूघरा	864	240
36	रश्मि डिडवानियाँ/ललित डिडवानियाँ	घूघरा	872	216.66
37	श्रीमति सुमन पुनिया/राजेश पुनिया	घूघरा	874	212.91
38	श्रीमति सुमन पुनिया/राजेश पुनिया	घूघरा	874	246.45
39	श्रीमति जया लखवानी	घूघरा	880	22.22
40	श्रीमति नीता मनचंदानी/हरीश चंद	घूघरा	239	175
41	श्रीमति सगीता देवी/ईश्वर लाल	घूघरा	351	175
42	श्रीमति विमला देवी/श्री धर्मी चंद	घूघरा	351,352	204
43	श्रीमति कनकलता यादव/राजेश कुमार	घूघरा	351,352	200
44	राम सिंह/पेप सिंह शेखावत	घूघरा	808,820	200
45	सच्चिदानन्द साखलकर/रतनाकर, चिन्मय,तनमय/सच्चिदानन्द	घूघरा	827,828	714.55
46	श्री तेजराम/श्री रगबीर सिंह यादव	घूघरा	862,865	240
41	श्रीमति सगीता देवी/ईश्वर लाल	घूघरा	351	175
42	श्रीमति विमला देवी/श्री धर्मी चंद	घूघरा	351,352	204
43	श्रीमति कनकलता यादव/राजेश कुमार	घूघरा	351,352	200
44	राम सिंह/पेप सिंह शेखावत	घूघरा	808,820	200
45	सच्चिदानन्द साखलकर/रतनाकर, चिन्मय,तनमय/सच्चिदानन्द	घूघरा	827,828	714.55
46	श्री तेजराम/श्री रगबीर सिंह यादव	घूघरा	862,865	240

लोहागल

क. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल वर्गगज
1	ऋषीकेश गुप्ता / श्याम बाबू गुप्ता	लोहागल	261	72.88
2	तेज सिंह / खाग सिंह	लोहागल	272	266.66
3	राजीव काछावा / हरी प्रसाद	लोहागल	1014	100
4	चेतना कंवर / गणेश सिंह	लोहागल	1014	100
5	सुरेंद्र सिंह / नाथु सिंह	लोहागल	1261	206.66
6	गिरवर कंवर पत्नि दशरथ सिंह राठौड़	लोहागल	1363	130.64
7	रेखा परिहार /राजेंद्र सिंह	लोहागल	1458	164
8	हनुमान सिंह पुत्र मोती सिंह राठौड़	लोहागल	1487	464.66
9	श्रीमती शालिनी शर्मा पत्नि घनश्याम शर्मा	लोहागल	1488	460
10	सुरेंद्र सिंह / राम सिंह एवम सुनिता कंवर / मुरली मनोहर सिंह	लोहागल	1505	290
11	गणेश कंवर / जितेंद्र सिंह	लोहागल	1505	119.16
12	नौरत राम /भंवर लाल खटीक	लोहागल	1520	200
13	राजू गुर्जर पुत्र मांगीलाल गुर्जर	लोहागल	1020, 1014	270

कायड

क. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल वर्गगज
1	लीला देवी जाट पुत्री रूपाराम	कायड़	4331,4337	109.02
2	हरेन्द्र सिंह पुत्र गोविन्द सिंह लखन	कायड़	4331,4337	108.33
3	सीमा कच्छावा पत्नि ओमप्रकाश टांक	कायड़	3038	110.00
4	राजेन्द्र कुमार गोयल पुत्र गुलाब चंद गोयल	कायड़	3034	348.61
5	विनीता शर्मा पत्नि शैलेश शर्मा	कायड़	3039	133.33
6	सत्यनारायण शर्मा पुत्र हरिनारायण शर्मा	कायड़	3040	87.94
7	सत्यनारायण शर्मा पुत्र हरिनारायण शर्मा	कायड़	3040	94.88
8	मंजु शर्मा पत्नि विजय कुमार शर्मा	कायड़	2977	300
9	नरेन्द्र मालाकार पुत्र भंवर लाल मालाकार	कायड़	3038	218.39
10	समर्थ सिंह पुत्र भगवान सिंह	कायड़	3038	111.11
11	विकास पुत्र मंगल चन्द बागड़ी	कायड़	3038	110.41
12	इंदिरा चौधरी पत्नि संजय चौधरी	कायड़	3038	107.98
13	प्रेम प्रकाश पुत्र हनुमान सिंह कच्छावा	कायड़	3038	153.08

माकडवाली

क. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल वर्गगज
1	सुभाष चन्द शर्मा पुत्र स्व. श्री मदन लाल शर्मा	माकड़वाली	1215	213.33
2	श्रीमति कान्ता जैन पत्नि स्व. मावीर चन्द जैन	माकड़वाली	441	200.00
3	श्रीमति देवी तोलानी पत्नि अशोक गांधी	माकड़वाली	469, 470, 474, 481, 483, 484	200.00
4	श्रीमति मन्जू बाला ढेषाना पत्नि हेमन्त कुमार	माकड़वाली	1189	166.66
5	श्रीमति सैयद आरिफा परवीन पत्नि मुख्तार अहमद खान	माकड़वाली	1189	166.66
6	श्रीमति उषा मेहरा पत्नि संजय मेहरा	माकड़वाली	464, 3007–11	200.00
7	श्री हरिओम शर्मा पुत्र महावीर प्रसाद	माकड़वाली	1189	132.75
8	अंकित मुदगल पुत्र स्व. नरेन्द्र मुदगल	माकड़वाली	1189	150.00
9	श्रीमति हेमा राठौड पत्नि अनुपम राठौड	माकड़वाली	1189	180.55

नौसर

क. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल वर्गगज
1	श्रीमति अल्पना जैन पत्नि मनीष	नौसर	216	133.33
2	नवनीत जैन पुत्र प्रकाश चन्द	नौसर	175, 176	66.66
3	श्रीमति कमला देवी पत्नि पुरूषोत्तम	नौसर	6, 260/869, 2	230.44
4	श्रीमति मन्जू पादडा पत्नि तेजवीर पुनिया	नौसर	614, 625, 637, 638	244.00
5	श्रीमति चन्दर कंवर पत्नि शिवजी सिंह	नौसर	406	166.66
6	उपरावमल जैन पुत्र किस्तूर चन्द	नौसर	146	206.25
7	लालमन सिंह चौहान पुत्र भूरा	नौसर	443	198.33
8	श्रीमति इन्द्रा कन्नोजिया पत्नि रविन्द्र सिंह यादव	नौसर	195	232.91
9	श्रीमति सुन्दरी भाटिया पत्नि किशनचन्द	नौसर	157	334.44
10	बिरमा राम चौधरी पुत्र मंगला राम	नौसर	629, 630	155.00
11	राधेश्याम शर्मा पुत्र सुवालाल	नौसर	527, 528	180.00
12	मुन्नी देवी पत्नि राधेश्याम	नौसर	442	104.37
13	अनील कुमार जैन पुत्र शान्तिलाल जैन	नौसर	135	232.91
14	प्रदीप कुमारपुत्र उदाराम	नौसर	435	100
15	मुन्नी शर्मा पत्नि पवन कुमार	नौसर	231	122.72
16	नीलू जैन पत्नि विजय जैन	नौसर	564	88.18

चौरसियावास

क.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
1	विजय लक्ष्मी पत्नि अजीत सिंह चौहान	चौरसियावास	1274	195.55
2	विमला चौहान पत्नि केसरीमल चौहान	चौरसियावास	1274	201.66
3	सुनील मेहरा पुत्र लक्ष्मीनारायण	चौरसियावास	1344	73.50
4	सुनील मेहरा पुत्र लक्ष्मीनारायण	चौरसियावास	1344	78.50
5	रजत गोरा पुत्र जगदीश प्रसाद	चौरसियावास	1334	216.66
6	रजनीश रोहिल्ला पुत्र जगदीश प्रसाद	चौरसियावास	1338	155.55
7	दीपक माथुर पुत्र महेन्द्र स्वरूप	चौरसियावास	1342	162.5
8	दिनेश कुमार पुत्र ठाकुर दास परवानी	चौरसियावास	1282	200
9	तरूणा कुमारी पुत्री नन्दलाला भाटिया	चौरसियावास	1280	272.22
10	गोविन्द राम राठी पुत्र सुरजाराम	चौरसियावास	1335	152.77
11	मनन बहुगुणा पुत्र अनुप बहुगुणा	चौरसियावास	1335/1380	152.77
12	सुरेन्द्र कुमार दुबे पुत्र बालकिशन	चौरसियावास	1342	162.5
13	रंजिता सक्सेना पत्नि शैलेन्द्र सक्सेना	चौरसियावास	1364	193.33
14	गौरव दुबे पुत्र सुरेन्द्र कुमार दुबे	चौरसियावास	1340	84.58
15	राजेश कुमार टोलानी पुत्र आवत राय टोलानी	चौरसियावास	1446	142.15
16	भारती देवी पत्नि कमल कुमार	चौरसियावास	1346	202.08
17	लोकेश मेहरा पुत्र सत्यनारायण मेहरा	चौरसियावास	1351	67.59
18	पूजा कंवर खंगारोत पत्नि जगदीश सिंह	चौरसियावास	1357,1394	70
19	रामचन्द्र साहू पुत्र उदाराम	चौरसियावास	1659	266.66
20	पूष्पा देवी पत्नि ओमनारायण वैष्णव	चौरसियावास	348,349	255
21	जयसिंह चौहान पुत्र जगदीश चौहान	चौरसियावास	592,762	222.22
22	रहीसा बानो पत्नि जासुदीन	चौरसियावास	1618,1619	786.65
23	दीपक लखानी पुत्र जय किशन लखानी , नीलू पत्नि दीपक लखानी	चौरसियावास	1450	71.66
24	रेनू मूलचन्दानी पत्नि हीरानन्द	चौरसियावास	1623	177
25	दीपा/निर्मला पत्नि नरेन्द्र सोनी	चौरसियावास	1460	240
26	विजय पाल शर्मा पुत्र बाल चन्द्र शर्मा	चौरसियावास	1515,1516	366.66
27	अमित वालिया पुत्र विरेन्द्र कुमार	चौरसियावास	1351, 1352	246.90
28	ओम प्रकाश गोयल पुत्र मेघराज गोयल	चौरसियावास	1351, 1352	130.01
29	मुकुल माथुर पुत्र हरिशरण माथुर	चौरसियावास	592	261.25
30	नन्द लाल पुत्र परमानन्द हिरानन्दानी	चौरसियावास	1356, 1357	266.66
31	विमला कोठारी पत्नि दिलीप सिंह कोठारी	चौरसियावास	1453	203.5
32	छोटूलाल पुत्र कुंजी लाल	चौरसियावास	592	150
33	मदनलाल शर्मा पुत्र श्री नारायण	चौरसियावास	1627, 1575	250.5
34	कालूराम पुत्र छगनाराम जाट	चौरसियावास	1460	79.80
35	कविता पत्नि दिनेश लाखन	चौरसियावास	1278	226.38
36	त्रिषभ सावडीवाल पुत्र स्व. रामस्वरूप शर्मा	चौरसियावास	1325	466.66
37	कृष्ण मुरारी माथुर पुत्र भैरू नारायण	चौरसियावास	1422	220
38	देवकरण पुत्र रामचन्द्र	चौरसियावास	1657, 1658, 1659	183.33
39	शान्ता राम पुत्र पांचू लाल	चौरसियावास	1657, 1658, 1659	183.33
40	परमेश्वरी देवी पत्नि धमेन्द्र कुमार	चौरसियावास	1466	195
41	इन्दर पारवानी पुत्र हरिश पारवानी	चौरसियावास	1276	210
42	रेनू पारवानी पत्नि हरिश पारवानी	चौरसियावास	1276	210
43	शारदा धनोपिया पत्नि रमेश चन्द	चौरसियावास	1538	240
44	सुशिला सोनी पत्नि ईश्वर दास	चौरसियावास	1196	144.44
45	राजेश चौहान पुत्र रामदेव	चौरसियावास	592, 762	193.77
46	विजय प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र जयप्रकाश	चौरसियावास	762	222.22
47	कमला सक्सैना पुत्री जवाहर लाल सक्सैना	चौरसियावास	592, 762	222.22
48	रेनू पारवानी पत्नि हरिश पारवानी	चौरसियावास	1276	210
49	रामस्वरूप पंवार पुत्र रामपाल सिंह	चौरसियावास	762	138.89
50	राजेन्द्र सिंह पंवार पुत्र रामस्वरूप	चौरसियावास	592	138.89
51	साधना चापलोत पत्नि महेन्द्र	चौरसियावास	762	250
52	सोभित माथुर पुत्र विष्णु माथुर	चौरसियावास	762	258.79
53	विष्णु नारायण माथुर पुत्र एल एन माथुर	चौरसियावास	592, 762	255
54	महेन्द्र कुमार पुत्र भंवर कुमार चापलोत	चौरसियावास	592, 762	251.44
55	राशि माथुर पत्नि एलएन माथुर	चौरसियावास	592, 762	222.22
56	दीपक हल्दानिया पुत्र ज्ञानचन्द	चौरसियावास	1282	233.33
57	महेन्द्र कुमार पुत्र सेवकराम होतचन्दानी	चौरसियावास	1364	331.5
58	राजकुमार लालवानी पुत्र ईश्वरदास	चौरसियावास	1662, 1663, 1665	266.66
59	मनोज कुमार पुत्र किशनचन्द	चौरसियावास	1371	207.33
60	ईन्दर पारवानी पुत्र हरिश पारवानी	चौरसियावास	1276	210
61	सलीम खान पुत्र रमजान	चौरसियावास	1214	76.20
62	अनोप देवी पत्नि मदन लाल	चौरसियावास	1362, 1405	196.66
63	पूजा साधनानी पत्नि राजा साधनानी	चौरसियावास	1289, 1280	364.51
64	नत्थुमल पुत्र नाजोमल	चौरसियावास	1576, 1584	232.30
65	जब्बार सिंह पुत्र प्रेम सिंह	चौरसियावास	1711	185.62
66	कृष्ण बुडगुजर पुत्री जब्बार सिंह	चौरसियावास	1711	201
67	औंकार सिंह मदान पुत्र जोगिन्दर सिंह	चौरसियावास	1768	268.33
68	औंकार सिंह मदान पुत्र जोगिन्दर सिंह	चौरसियावास	1768	280
69	प्रवेश राठी पुत्र नारायण राठी	चौरसियावास	1711	225
70	स्टेला पुत्री मार्टिन	चौरसियावास	1609	200
71	सुरेश चन्द्र चतुर्वेदी पुत्र रामचरण	चौरसियावास	1767	188.12
72	उषा गर्ग पत्नि स्व. श्री सत्यनारायण	चौरसियावास	1741, 1685	277.31
73	विमला देवी पत्नि शिखर चन्द जैन	चौरसियावास	1700	164.69
74	नाथु लाल पुत्र कज्जू लाल सेन	चौरसियावास	1741, 1685	277.31
75	दिग्विजय सिंह पुत्र जब्बर सिंह	चौरसियावास	1711	112.5
76	देवी पत्नि विशना	चौरसियावास	1766	194.44
77	कपिल डोगरा पुत्र सुभाष डोगरा	चौरसियावास	1711	225
78	हरपाल चौधरी पुत्र करण सिंह	चौरसियावास	1711	150.69
79	ईशफाक मजीज पुत्र अब्दुल मजीज	चौरसियावास	1315	381.83
80	कल्पना कंवर पत्नि जब्बर सिंह	चौरसियावास	1711	225
81	सुरेन्द्र पुत्र करण सिंह	चौरसियावास	1711	161.11
82	मुकेश पुत्र मिठू खान	चौरसियावास	1711	194.75
83	अर्पिता केवलरामानी पत्नि राजेश	चौरसियावास	1310	126.66
84	जयश्री टिकीयानी पत्नि पेशुमल	चौरसियावास	1593	65.98
85	सुनिल आडवानी पुत्र रमेश आडवानी	चौरसियावास	1692	150
86	श्रीमती शीला आडवानी पत्नि रमेश आडवानी	चौरसियावास	1692	150
87	लोकेश पारवानी पुत्र किशन चंद	चौरसियावास	1351,1352	184.44
88	ज्योति टिकयानी पत्नि ठाकुरदास	चौरसियावास	1590	150.50
89	जयश्री टिकीयानी पत्नि पेशुमल	चौरसियावास	1594	78.92
90	संगीता देवी पत्नि दिनेश कुमार	चौरसियावास	1363	137
91	सीता देवी पत्नि मुन्ना लाल भाट	चौरसियावास	1363	107
92	महेन्द्र कुमार विश्नोई पुत्र नाथू लाल	चौरसियावास	1360	180.55
93	सीमा देवी पत्नि स्वः कैलाश चंद	चौरसियावास	1359,1360	84
94	विशाल दाधिच पुत्र घनश्याम दाधिच	चौरसियावास	1450	106.65
95	दीपक माथुर पुत्र महेन्द्र स्वरूप	चौरसियावास	1499	122.22
96	महेन्द्र स्वरूप पुत्र मदन स्वरूप	चौरसियावास	1313,1312	88.88
97	महेन्द्र स्वरूप पुत्र मदन स्वरूप	चौरसियावास	1499,1500	466.66
98	ज्योति नवलानी पत्नि ठाकुरदास	चौरसियावास	1447,1448	123.50
99	आशा माथुर पत्नि महेन्द्र स्वरूप	चौरसियावास	1505 मिन	170.44
100	दीपक माथुर पुत्र ओम प्रकाश माथुर , नवरतन भटनागर पत्नि दीपक प्रकाश माथुर	चौरसियावास	1363	53.5
101	आशा माथुर पत्नि महेन्द्र स्वरूप	चौरसियावास	1312,1313,1314 व अन्य	88.88
101	आशा माथुर पत्नि महेन्द्र स्वरूप	चौरसियावास	1312,1313,1314 व अन्य	88.88
102	पूनम बहरानी पत्नि अशोक बहरानी	चौरसियावास	1287	125.00

उपायुक्त (उत्तर)
अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

सार-समाचार

प्रशासन से कमिशन दिलाने की मांग

अजमेर,(कासं)। अजमेर जिले के राशन डीलरों ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को डीएसओ ऑफिस पहुंचे और कटोरा लेकर भीख मांगते हुए कमीशन जल्द देने की मांग की है, डीलर्स ने समाधान नहीं होने पर दुकानें बंद कर चाबियां सौंपने की डीएसओ अधिकारी को चेतावनी भी दी। राशन डीलर एसोसिएशन के बैनर तले सोमवार को सभी राशन डीलर्स अजमेर डीएसओ ऑफिस पंहुचे और राशन डीलर्स ने डीएसओ के समक्ष कटोरा लेकर भीख मांगते हुए कमीशन जल्द देने की मांग की है। जिला रसद अधिकारी को 9 सूत्रीय मांग पत्र सौंप कर जल्द से जल्द मांगे पूरी करने का निवेदन किया है। अन्यथा भूख हडताल और डीएसओ कार्यालय के बाहर मुंडन कराने की चेतावनी दी है। राशन डीलर्स की मांग है कि राशन डीलर द्वारा कोरोना काल में गेहूं वितरण करने के पश्चात भी कमीशन उपलब्ध नहीं हो रहा है, आधार सिडिग, जनाधार केवाईसी सिडिग, आंगनबाडी का कमीशन, स्टेप डोर डिलीवरी डीलर्स द्वारा दी गई उसका भी कमीशन अभी तक नहीं मिला। इसलिए प्रत्येक माह कमीशन दिलवाना सुनिश्चित कराया जाए। पीओएस में गलत स्टॉक चढा हुआ है उसे हटवाया जाए। केरोसिन जब सरकार द्वारा बंद कर दिया गया है तो वह भी स्टॉक पीओएस से हटाया जाए। ठेकेदार द्वारा गेहूं भिजवाने से 24 घंटे पूर्व डीलर को सूचित किया जाना चाहिए जिससे कि वह गोदाम जाकर अपने माल की पूर्णतया उचित मात्रा में प्राप्ति कर सके। ठेकेदार द्वारा डीलर्स को नहीं खाने योग्य गेंहू भेजा जा रहा है उसे रोका जाए या बदला जाए। इस मौके पर जिला अध्यक्ष महावीर अजमेरा,जिला महासचिव धीरज गोयल,प्रदेश सचिव सुरेश कुमार सैनी,प्रदेश सलाहकार अशोक जैन,जिला मीडिया प्रभारी लोकेंद्र शर्मा सहित कई राशन डीलर्स मौजूद रहे। डीलर्स ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनकी मांगें जल्द पूरी नही हुई तो, सभी डीलर्स अपनी दुकानें बंद कर चाबियां और मशीनें डीएसओ ऑफिस में जमा कराएंगे, जिसकी जिम्मेदारी सरकार व प्रशासन की होगी।

फायरिंग का नहीं लगा सुराग

भीलवाड़ा,(निसं)। जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के होडा मार्ग पर शनिवार को डेयरी संचालक पर हुई फायरिंग के मामले में दो दिनों बाद भी पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस की ओर से इस मार्ग के सभी सीसीटीवी फुटेज व मुखबिरों से जानकारी को जुटाया जा रहा है। लेकिन बाइक पर सवार बदमाश कौन थे और फायर के कारणों का अभी कोई भी पता नहीं चल पाया है। इधर, इस घटना के बाद से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोग रात के समय में बाहर नहीं जा रहे है। इधर, इस हमले में घायल डेयरी संचालक का उपचार अस्पताल में जारी हैं। मांडलगढ़ थाना प्रभारी सुरेश चौधरी ने बताया कि शनिवार रात को होडा गौतमनगर निवासी प्रकाश धाकड़ क्षेत्र में दूध की सप्लाई कर अपने घर लौट रहा था। इस दौरान तिरोली मांग पर बाइक पर सवार दो नाकाबपोश बदमाश आए। और उन्होंने पहले प्रकाश को रुकवाने की कोशिश की। प्रकाश उन्हें देख ट्रेक्टर को और तेज दौड़ाया। इस दौरान बदमाशों ने फायर कर दिया। जिससे एक गोली प्रकाश के रीढ की हड्डी में लगी है। पुलिस इस संबध में सभी एंगल से जांच कर रही है। पुलिस ने प्रकाश धाकडी से बेर रखने वाले लोगों व क्षेत्र के बदमाशों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही हैं। पुलिस को यह मामला लूट का लग रहा है।

मेगा वैक्सीनेशन का आयोजन आज

अजमेर,(कासं)। प्रत्येक पात्र व्यक्ति को कोरोना टीका लगाना सुनिश्चित करने के लिए अजमेर जिले में मेगा वैक्सीनेशन होगा। जिले में एक लाख से ज्यादा लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर के. के. सोनी ने बताया कि जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित के निर्देशानुसार सोमवार को जिले में मेगा वैक्सीनेशन होगा। इस दिन प्रत्येक पात्र व्यक्ति को कोरोना का टीका लगना सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए विशेष तैयारियां की जा रही है। इस दिन एक लाख से अधिक कोरोना के टीके लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना महामारी से बचाने के लिए टीकाकरण एक महत्वपूर्ण तरीका है। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर ने समस्त जिलेवासियों से कोरोना का टीका लगाने की अपील की है। कोरोना महामारी से बचाव के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना तथा सैनिटाइजर का इस्तेमाल कोरोना के प्रकोप से बचा सकता है। इसके अलावा 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन लगाई जा रही है। वैक्सीन के लिए चिकित्सा विभाग द्वारा टीकाकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रत्येक पात्र व्यक्ति को टीका अवश्य लगाना चाहिए।

विधायक भदेल ने वार्ड 21 में सड़क व नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया

अजमेर,(कासं)। अजमेर दक्षिण विधायक एवं पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिता भदेल ने रविवार को मुख्य अतिथि के रुप में वार्ड 21 में पार्षद कोष से पहाडगंज माली मौहल्ला व खटीक बस्ती में बनने वाली नाली व सडक निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

विधायक भदेल ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्षद कोष से वार्ड 21 माली मौहल्ला एवं खटीक बस्ती में बनने वाली सडक व नाली निर्माण कार्य का रविवार को शिलान्यास किया गया है जिससे क्षेत्रवासियों के आवागमन में सुविधा रहेगी।

साथ ही विधायक भदेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहां कि शीघ्र ही वार्ड 21 में खटीक समाज के मंदिर के समीप से गुजरने वाले नाले एवं पुलिया निर्माण के लिए विधायक कोष से 20 लाख रुपए एवं मालियो की बगीची व जटिया कॉलोनी में 10 लाख रुपए की लागत से सडक व नाली निर्माण कार्य प्रारंभ होने वाला है।

कार्यक्रम में आर्य मण्डल अध्यक्ष मोहन लालवानी, पार्षद किरण तुनगरिया, पूर्व मण्डल अध्यक्ष रमेश मारु, मण्डल महामंत्री गोविन्दराज, पूर्व आदर्श मण्डल अध्यक्ष सोहन शर्मा, अर्जुनलाल बोहरा, खेमचंद, शिव शर्मा,अशोक, सीताराम शेरा,नरेश, ताराचंद, प्रभुदयाल फुलवारी, रवि सिवासिया, ओमप्रकाश बाकोलिया, घनश्याम खत्री, राजुकमार हरियाल,विजय गोयर, लोकेश गुडियाल, अशोक बंशीवाल, राजेश मोर्य, रमेश तुनगरिया, मुकेश भूराडिया, मूलचंद, बाबूलाल खन्ना, गणपत लाल, कैलाश, देवेश, प्रदीप, सुमित सहित अन्य क्षेत्रवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाली व सड़क कार्यों का उद्घाटन

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के मनोनीत पार्षद हेमंत जोधा ने पुष्कर रोड स्थित सूर्यनगरी में नाली व सडक निर्माण कार्यों का उद्घाटन कर शुभारंभ किया साथ ही गली नंबर दो में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत नवनिर्मित सडक का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर पार्षद जोधा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली प्रदेश की सरकार विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दे रही हैं। मुख्यमंत्री गहलोत विकास व जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर है।

कुकर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

■ 50 हजार का जुर्माना भी लगाया

अजमेर,(कासं)। अजमेर पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 के न्यायाधीश राजेशचंद्र गुप्ता ने सोमवार को नाबालिग बालक से कुकर्म के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी चांद मोहम्मद को 20साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और 50 हजार का जुर्माना भी लगाया।

आरोपी ने नाबालिग बालक को सिगरेट मंगवाने के बहाने घर बुलाकर वारदात को अंजाम दिया था। विशिष्ट लोक अभियोजक विक्रम सिंह शेखावत ने बताया कि अजमेर पोक्सो कोर्ट संख्या दो के न्यायाधीश राजेश चंद्र गुप्ता 2 अक्टूबर 2020को ब्यावर सदर थाने में नाबालिग बालक के साथ कुकर्म का मामला दर्ज हुआ था, पुलिस ने मामले में आरोपी ब्यावर निवासी चांद मोहम्मद पुत्र लतीफ मोहम्मद को गिरफ्तार किया था। आरोपी ने नाबालिग बालक को सिगरेट मंगवाने के बहाने उसे घर बुलाकर वारदात को अंजाम दिया। मामले में हुई लगातार सुनवाई के दौरान 17 दस्तावेज और 12 गवाह पेश किए गए, जिसके आधार पर पॉक्सो कोर्ट के न्यायाधीश ने रविवार को अपना फैसला सुनाते हुए, आरोपी चांद मोहम्मद को दोषी मानते हुए उसे 20साल के कठोर कारावास तथा 50हजार का आर्थिक जुर्माने से दंडित किया।

आम सूचना

मैरी पत्नी बिरदी देवी पत्नी स्व0 श्री किशन लाल जाति गुर्जर का स्वर्गवास दिनांक 11.12.2010 को मेरे निवास स्थान शिव पार्क के पास, महावीर कॉलोनी, सांवतसर मदनगंज-किशनगढ़, तहसील किशनगढ़ तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान पर हो गया है जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र पूर्व में नहीं बनवाया गया है, जिस हेतु तहसीलदार कार्यालय, किशनगढ़ में आवेदन किया गया है, अतः जिस किसी भी व्यक्ति को इस बाबत कोई उजर, ऐतराज अथवा आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस के भीतर तहसीलदार कार्यालय, किशनगढ़ के कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करावे।

भवदीय
हरिराम बजाड पुत्र किशनलाल

आम सूचना

मैरी सासुजी श्रीमती बरजी पत्नी स्व0 श्री भोलूराम जाति रेगर का स्वर्गवास दिनांक 23.10.1983 को मेरे निवास स्थान ग्राम रलावता तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान पर हो गया है जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र पूर्व में नहीं बनवाया गया है, जिस हेतु तहसीलदार कार्यालय, किशनगढ़ मे आवेदन किया गया है, अतः जिस किसी भी व्यक्ति को इस बाबत कोई उजर, ऐतराज अथवा आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस के भीतर तहसीलदार कार्यालय, किशनगढ़ के कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करावे।

भवदीय
गुलाब देवी पत्नी जंवरी लाल रेगर

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाडा (राज.)

क्रमांक : नपागु/कृषि भूमि/2021-22/477-479 दिनांक: 29.11.2021

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माणिक्य लाल वर्मा कॉलोनी में लीज डीड राशि के तहत पटटे प्राप्त किए जाने के लिए निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसके निस्तारण किए जाने में किसी आम-खास/संस्था आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 7 दिवस में लिखित रूप में आपत्तिकर्ता मय अपने दस्तावेज के इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। बाद मियाद आवेदक (अंतिम क्रेता) के पक्ष में नियमन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

माणिक्य लाल वर्मा

क्र. सं.	नाम मूल आवंटी/आवेदक	भूखण्ड संख्या	नाप (वर्गफिट)	अनुज्ञा-पत्र क्रमांक/दिनांक	पड़ौसान
1.	श्री लादुलाल पुत्र श्री भोलाराम लढा गुलाबपुरा	19	34×69	00017/ 05.08.1985	पूर्व : भूखण्ड संख्या 18 पश्चिम : भूखण्ड संख्या 20 उत्तर :भूखण्ड संख्या 6 व 7 दक्षिण : आम रास्ता 45 फिट

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका गुलाबपुरा

किशनगढ़बास थाना क्षेत्र में अवैध हथियारों का जखीरा बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

5 देशी पिस्टल व 13 देशी कट्टे के अलावा 41 जिंदा कारतूस बरामद

किशनगढबास, (निसं)। थाने में एसपी राममूर्ति जोशी ने बताया कि 28 नवम्बर को स्पेशल पुलिस टीम के कांस्टेबल सत्यपाल, राकेश व महेश को सूचना मिली थी कि मुबारिकपुर नौगांवा की तरफ से स्कॉर्पियो कार में हथियार तस्कर आ रहे हैं। उनके पास हथियार भी हैं। जो आगे कोटपूतली व बहरोड की तरफ जाएंगे।

इसके बाद पुलिस ने राबका बिदरका गांव की पहाडी के पास नाकाबंदी शुरू की और कार को रुकवा लिया गया। कार की तलाशी ली तो उसमें 5 देशी पिस्टल व 13 देशी कट्टे के अलावा 41 जिंदा कारतूस मिले। इसके बाद पुलिस ने अवैध हथियार रखने के जुर्म में आर्म्स एक्ट के तहत चार जनों को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच जारी है।

एसपी की सूचना पर कार रूकवाकर हथियारों की बरामदगी की।

गैंग का मुखिया पिता की हत्या का आरोपी :- हथियार तस्कर गैंग का मुखिया मुख्तयार अपने पिता की हत्या का आरोपी है। जिनके साथ जावेद, ताहिर व जितेंद्र भी तस्करी में शामिल हैं। ये लोग मथुरा के बरसाना में हाथयाका, भरतपुर के कामां, पहाडी से अवैध हथियार लाते हैं। इसके बाद बहरोड, नीमराणा, नारनौल, भिवाडी, कोटपूतली, महेंद्रगढ , सीकर व खेतडी सहित अनेक जगहों पर सक्रिय गैंग के बदमाशों को हथियार सप्लाई करते हैं।

■ गैंग मथुरा, भरतपुर के कामां व पहाडी से हथियार खरीदती है और कोटपूतली, बहरोड व हरियाणा में बेचती है

मुखत्यार सिंह उर्फ मुक्की पुत्र मंजीत सिंह निवासी फैजपुर किशगढ बास, जावेद पुत्र इकबाल निवासी खटीका मोहल्ला टपूकडा, ताहिर उर्फ सुल्ली पुत्र इलियास निवासी बाघोडा किशनगढ बास, जितेंद्र उर्फ जीतू पुत्र राम सिंह निवासी खेडा कोटकासिम को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

बरामद :- पुलिस ने 5 अवैध 32 बोर देशी पिस्टल, 315 बोर के 9 देशी कट्टे, 41 जिंदा कारतूस, एक कार बरामद की है।

कोटा उत्तर नगर निगम के दो पार्षदों को यूडीएच विभाग ने निलंबित किया

दोनों पार्षदों पर अवैध खनन और अतिक्रमण करने के आरोप लगाए गए थे

कोटा, (निसं)। कोटा उत्तर के दो पार्षदों को यूडीएच विभाग ने कार्रवाई करते हुए निलंबित कर दिया है। दोनों पार्षदों में राकेश पुटरा और बलविंदर सिंह उर्फ बिल्लू बालिता पर अवैध खनन और अतिक्रमण करने के आरोप लगाए गए थे।

आरोपों को स्वायत शासन विभाग के निदेशक दीपक नंदी दोनों पर लगे आरोप प्रमाणित माने हैं जिनके आधार पर ही उन्हें निलंबित करने के आदेश दिए गए हैं। हाल ही में पार्षद बिल्लू बलविंदर सिंह उर्फ बिल्लू को बूंदी जिले की तालेड़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया थास इससे पहले कोटा शहर की कुन्हाड़ी थाना पुलिस भी उनके खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। राकेश सुमन पुटरा 2014 में भी पार्षद रहे है। तब भारतीय

■ स्वायत शासन विभाग के निदेशक दीपक नंदी ने दोनों पर लगे आरोप प्रमाणित माने

जनता पार्टी से जीते थे लेकिन 2020 के चुनाव में उनका टिकट काट दिया। इसके बाद उन्होंने निर्दलीय हुंकार भरते हुए जीत दर्ज की थीस उनके खिलाफ लैंडमार्क सिटी के नजदीक कमला उद्यान में एक पार्क पर अवैध कब्जा करने जमाने और पक्का निर्माण करने का आरोप लगा था। जिसमें पार्क को खुर्द-बुर्द करने के भी आरोप लगाए गए।

इसी तरह से बलविंदर सिंह उर्फ बिल्लू बालिता खिलाफ भी नगर विकास न्यास की जमीन पर से मिट्टी की अवैध रूप से खुदाई कर उस मिट्टी को खुर्द-बुर्द करने के आरोप लगे थे। इस संबंध में यूआईटी ने मुकदमा भी कुन्हाड़ी थाने में दर्ज करवाया था। जिस पर बिल्लू को पुलिस ने गिरफ्तार की भी किया था साथ ही बिल्लू के घर से मिट्टी बरामद भी की गई थी। दोनों मामलों में यूआईटी ने कुन्हाड़ी थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था, बाद में राज्य सरकार ने इस मामले को विधि विभाग को भिजवाया था जिसके बाद ही उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबित किए गए दोनों पार्षद पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल की बैठकों और मीटिंग में अक्सर नजर आते हैं। वर्तमान में दोनों निर्दलीय पार्षद हैं।

हाईकोर्ट ने एक सप्ताह में इंस्पेक्टर जनरल आफ पुलिस बीकानेर से मांगी रिपोर्ट

सादुलपुर, (निसं)। लगभग चार वर्ष पूर्व नोहर के जसाना में स्थित राजीव गाँधी सेवा केन्द्र में पवन व्यास की धारदार हथियार से निर्मम हत्या के आरोप के मामले में पुलिस द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं देने के कारण हाईकोर्ट के माननीय न्यायधीश ने सख्त आदेश देते हुए 1 सप्ताह में प्रोग्रेस रिपोर्ट के साथ फाइल पेश करने के लिए इंस्पेक्टर जनरल आफ पुलिस बीकानेर को निर्देशित किया है।

गौरतलब है कि 17 अक्टूबर 2017 को बहुचर्चित पवन व्यास हत्याकांड में पुलिस द्वारा आज तक खुलासा नहीं कर पाने पर विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर प्रदर्शन किए गये थे। वहीं

■ पवन व्यास हत्याकांड में मांगी प्रोग्रेस रिपोर्ट

2019 में नोहर से जयपुर पैदल यात्रा पीड़ित को साथ लेकर जयपुर में विधानसभा घेराव भी किया गया था। इसी दौरान विधानसभा में गृह मंत्री से वार्ता कर हत्या के खुलासे की मांग की गई । आरोप है कि पुलिस राजनीतिक दबाव में रहने के कारण हत्या का खुलासा नहीं कर पाई। जिस पर विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश विधिक सलाहकार एडवोकेट कुलदीप शर्मा हाई कोर्ट जोधपुर द्वारा सीबीआई जांच की मांग हेतु हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की। याचिका में कोर्ट में इन्वेस्टिगेशन ऑफीसर को तलब कर 4 सप्ताह का समय दिया था लेकिन पुलिस द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं देने के कारण हाईकोर्ट के माननीय न्यायधीश ने सख्त आदेश देते हुए 1 सप्ताह में प्रोग्रेस रिपोर्ट के साथ फाइल पेश करने के लिए इंस्पेक्टर जनरल आफ पुलिस बीकानेर को निर्देशित किया गया है। वहीं हाई कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि पुलिस की खराब कार्रवाई है। ज्ञातव्य है कि मृतक के पीड़ित पिता रामस्वरूप व्यास एवं विप्र फाउंडेशन के युवा प्रदेश अध्यक्ष मुकेश रामपुरा ने कोर्ट द्वारा न्याय मिलने की उम्मीद जताई है।

बीकानेर में दो दिन बाद फिर एक पॉजिटिव मिला

बीकानेर, (कासं)। जिले में कोरोना धीरे -धीरे अपना दायरा बढ़ाता जा रहा है। सोमवार सुबह की रिपोर्ट में एक और पॉजिटिव आने के साथ ही बीकानेर में कोरोना के एक्टिव केस बढ़ कर 15 हो गए हैं। इसके बाद भी हेल्थ डिपार्टमेंट कोरोना टेस्ट की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। जिला कलक्टर नमित मेहता के आदेश के भी टेस्ट का आंकड़ा पांच सौ ऊपर नहीं जा रहा। कोरोना के नोडल अधिकारी डॉ. बी एल. मीणा ने रविवार के टेस्ट में एक पॉजिटिव बताया है। पिछले दो दिन से विभाग ने एक भी पॉजिटिव नहीं बताया था। अब न सिर्फ पॉजिटिव बढ़ रहे हैं बल्कि अस्पताल में भी भर्ती व गंभीर रूप से भर्ती रोगियों की संख्या भी बढ़ रही है।

■ कलेक्टर के आदेश के बाद भी जांच का आंकड़ा पांच सौ के आस-पास ही अटका

फिलहाल हैल्थ डिपार्टमेंट ने बाहर से आने वाले यात्रियों का टेस्ट करना शुरू कर दिया है। बीकानेर रेलवे स्टेशन पर रविवार को सर्वाधिक टेस्ट हुए। यहां 153 यात्रियों के सेंपल लिए गए। शुक्र है कि ये सभी नेगेटिव ही पाए गए । लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर रविवार को 19 टेस्ट किए गए, ये सभी नेगेटिव रहे। इसके अलावा पीबीएम अस्पताल के कोविड ओपीडी में जांच हो रही है। यहां कुछ जांच बढ़ी है। सोमवार को यहां सत्तर टेस्ट लिए गए। ये सभी भी नेगेटिव रहे।

गैंगरेप के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

मालपुरा, (निसं)। शहर की एक आवासीय कॉलोनी में 13 नवम्बर को एक नाबालिग छात्रा से हुए गैंगरेप के नामजद मुख्य आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार को बीएसपी व बुधिष्ठ महासभा के बैनर तले बड़ी संख्या में एसडीएम कार्यालय पहुंचे महिला पुरूषों ने एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार हंसराज तोगडा सहित पुलिस उपाधिक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौड़ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अवगत करवाया कि 13 नवम्बर को हुए गैंगरेप की 15 नवम्बर को मालपुरा थाने में पीड़िता की ओर से नामजद पुलिस प्राथमिकी दर्ज करवाने तथा 20 नवम्बर को बीएसपी व बुधिष्ठ महासभा द्वारा ज्ञापन सौंप एक सप्ताह का अल्टीमेटम देने के बावजूद पुलिस द्वारा तीसरे व नामजद मुख्य आरोपी धारा सिंह चौधरी की आज तक गिरफ्तारी नहीं किये जाने से समाज में गहरा रोष व्याप्त है। साथ ही ज्ञापन में अवगत करवाया कि मुख्यआरोपी की 15 दिवस में गिरफ्तारी नहीं होने पर मजबूरन उन्हें उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के सामने अनशन शुरू कर उग्र आन्दोलन करना पड़ेगा।

रीट परीक्षा के डमी परीक्षार्थी मामले का 2 माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। गत 26 नवम्बर को आयोजित राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा में सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय महाविद्यालय परीक्षा केन्द्र में परीक्षा में अभ्यर्थी की जगह डमी के रूप में परीक्षा देने के मामले में पिछले दो माह से फरार आरोपी को राजनगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

■ पूर्व में पुलिस ने आरोपी की जगह परीक्षा देते जीजा को किया था गिरफ्तार

जबकि इस मामले में पुलिस द्वारा एसआरके कोलेज परीक्षा केन्द्र में द्वितीय पारी की परीक्षा के दौरान लेवल प्रथम के परीक्षार्थी हितेश विश्नोई (22) पुत्र पूनमाराम निवासी सहारणों की ढाणी थाना चितलवाना जिला जालौर की जगह डमी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा दे रहे हाडेतर थाना सांचोर जिला जालौर में तृतीय क्षेणी

परीक्षार्थी आरोपी हितेश कुमार।

शिक्षक के पद पर कार्यरत आरोपी श्रवण कुमार पुत्र भेराराम विश्नोई निवासी करावडी थाना झाव जिला जालौर पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बाद से ही आरोपी हितेश विश्नोई पिछले दो माह से फरार था।

बिजली लाइन के शॉर्ट सर्किट से छप्पर में लगी आग

पावटा, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत पाथरेडी के डाबडों की ढाणी में बद्री प्रसाद पुत्र गणपतराम यादव के छप्पर में रविवार रात अज्ञात कारणों से लगी आग से 3 भैंस व 2 गायों की जलकर मौत हो गई वहीं घरेलू सामान सहित आवश्यक सामान जलकर राख हो गये।

जानकारी के अनुसार छप्पर के ऊपर से विद्युत लाइन गुजर रही थी जिसमें शॉर्ट सर्किट होने से छप्पर में आग लग गई। उपस्थित लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद ट्यूबवेल के माध्यम से आग पर 2 घण्टों में काबू पाने की कोशिश की। वही मौके पर पावटा उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह के निर्देशों पर तहसीलदार मुकेश अग्रवाल ने पटवारी मनोज यादव द्वारा मौके पर ही फर्द रिपोर्ट तैयार करवाई। आगजनी में हुए नुकसान की फर्द रिपोर्ट व मवेशियों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ उचित सहायता के लिए प्रस्ताव भेजा जायेगा। इस मौके पर ग्राम पंचायत सरपंच रामस्वरूप, पूर्व सरपंच शिभूदयाल, पूर्व सरपंच लाडाकाबास मदनलाल यादव, सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

अमित शाह का बॉर्डर पर नाइट स्टे पाक को देगा कड़ा संदेश

जैसलमेर, (नि.सं.)। गृह मंत्री अमित शाह भारत - पाकिस्तान बॉर्डर पर एक रात बिताएंगे। पाकिस्तान की तारबंदी के एकदम सटे हुए इलाके शाहगढ़ बल्ज की रोहिताश चौकी पर गृह मंत्री के नाइट स्टे की खबर पाकिस्तान को एक पैगाम के तौर पर देखी जा रही है । दरअसल हाल ही के दिनों में भारतीय सेना ने सीमा पर सबसे बड़ा युद्धाभ्यास का आयोजन किया था । उसके तुरंत बाद गृह मंत्री का पाकिस्तान की सीमा के निकट ही रात्रि विश्राम करना पड़ोसी मुल्क को संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

अमित शाह 4 दिसम्बर को जैसलमेर की यात्रा पर आ रहे हैं । वे 5 दिसम्बर को जैसलमेर में पहली बार आयोजित होने जा रहे बीएसएफ के राइजिंग डे में शिरकत करने आ रहे हैं । शाह 4 दिसंबर को जैसलमेर पहुंच जाएंगे । इसके बाद वे तनोट माता मंदिर के दर्शन करेंगे और सीमा पर जवानों से मुलाकात करेंगे । गृह मंत्री अमित शाह की जैसलमेर यात्रा की तैयारियों के लिए पश्चिमी कमान चंडीगढ़ के एडीजी एन एस जामवाल जैसलमेर पहुंच गए हैं । उन्होंने व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया । इसके साथ ही उन्होंने बीएसएफ के अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए । जामवाल ने बताया कि गृहमंत्री 4 को जैसलमेर पहुंचेंगे । तनोट माता के दर्शन करने के बाद वे जवानों से मिलेंगे । इसके बाद रोहिताश चौकी पर वे रात्रि विश्राम करेंगे।

5 दिसंबर को शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में बीएसएफ के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह शिरकत करेंगे । इसके बाद वे जयपुर के लिए रवाना हो वे जाएंगे । सीमा सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर बीएसएएफ पिछले एक महीने से लगातार तैयारियां कर रहा है । स्टेडियम को इस कार्यक्रम के लिए विशेष तौर पर तैयार करवाया गया है । सीमा सुरक्षा बल के 57 वें स्थापना दिवस का कार्यक्रम पहली बार दिल्ली से बाहर जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है।

पपला गुर्जर के नाम पर रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

दौसा, (निसं)। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनिवाल के निर्देश पर जिला विशेष टीम ने भीलवाड़ा में दबिश देकर महवा के एक निजी चिकित्सालय के संचालक को गैंगस्टर पपला गुर्जर के नाम पर रंगदारी मांगने एवं जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। एएसपी डॉ. लालचंद कायल ने बताया कि 26 नवंबर को महवा कस्बे में मंडावर रोड पर चाइल्ड हॉस्पिटल संचालक डॉ. अशोक जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि उसके मोबाइल पर एक अज्ञात युवक का फोन आया, जिसने स्वयं का नाम पपला गुर्जर बताते हुए 5 लाख की रंगदारी मांगी।

बाद में युवक ने खुद का नाम कालू गुर्जर निवासी केसरी बताते हुए पैसे की मांग की थी। मामले में महवा कस्बे के डॉक्टरों ने थाने पहुंचकर आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की थी। इस घटना को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनिवाल के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। एएसपी डॉ. लालचंद कायल ने बताया कि डॉक्टर द्वारा इसकी शिकायत पुलिस को देने पर धमकी मिलने वाले मोबाइल नंबर पर फोन किया गया तो युवक ने पुलिस के हैड कांस्टेबल को भी धमकी दे डाली थी। जहां पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि धमकी देने वाला युवक महुवा थाना क्षेत्र के ही रहने वाला है। एएसपी डॉ. लालचंद कायल ने बताया कि टीम ने मुल्जिम को मात्र 48 घण्टों में रात्रि के दौरान जिला भीलवाड़ा के करेडा कस्बे से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि टीम ने नंद राम उर्फ कालू गुर्जर पुत्र कैलाश गुर्जर जाति गुर्जर निवासी केसरी थाना मण्डावर जिला दौसा को गिरफ्तार कर मौके से एक एन्ड्रोयड मोबाइल बरामद किया है।

स्पा सेन्टर पर पीटा एक्ट के तहत नौ जने गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर बाड़मेर पुलिस ने स्पा सेंटर से नौ जनों को गिरफ्तार किया।

बाड़मेर, (निसं)। स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे अनैतिक कारोबार पर सोमवार को बाड़मेर पुलिस ने पीटा एक्ट के तहत सोमवार को दबिश देकर चार युवतियों समेत नौ लोगो को गिरफ्तार किया है।

पुलिस वृताधिकारी आनंद सिंह ने बताया कि शहर के एक स्पा सेंटर में जिस्म फरोशी का अनैतिक कारोबार किये जाने की सूचना मुखबिर के जरिये पुलिस को मिली थी। जिस पर पुलिस द्वारा उक्त स्पा सेन्टर पर बोगस ग्राहक भेजकर सूचना की तस्दीक करवाई । सूचना सही पाए जाने पर पुलिस ने सदर थानाक्षेत्र में स्थित उक्त स्पा सेंटर पर पीटा एक्ट के तहत दबिश देकर चार युवतियों व पांच युवकों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया।

फर्नीचर शोरूम व इलेक्ट्रिक दुकान में लगी आग

पावटा में हुई आगजनी में लाखों का सामान जल गया।

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा के पुराना रोड पर स्थित फर्नीचर के शोरूम व इलेक्ट्रिक की दुकान में आग लगने से लाखों रुपए का फर्नीचर व सामान जल कर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पावटा पुराना रोड पर स्थित जगदीशम इलेक्ट्रिक व सुमंगलम फर्नीचर शोरूम में अज्ञात कारणों के चलते सोमवार की शाम करीब 7.15 बजे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने गंभीर रूप धारण कर लिया। आस-पास के लोगों ने पानी के टैंकरों से आग पर काबू पाने का भी प्रयास किया मगर वे सफल नहीं हो पाए।

सूचना मिलते ही शाहपुरा, कोटपूतली, बहरोड से दमकल विभाग की 7-8 गाडियों ने मौके पर पहुंच कर घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि आग की चपेट में आस-पास की दुकानें नहीं आई। मौके पर पावटा प्रधान प्रति निधि जगन चौधरी, भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकड, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि गोपाल अग्रवाल, सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल पंसारी, एससी मोर्चा प्रदेश महामंत्री बद्री प्रसाद चौहान, विनोद यादव सहित ग्रामीणों ने आग बुझाने में पुलिस प्रशासन का सहयोग किया।

चालक को बंधक बना मजिस्ट्रेट की कार लूटी

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौंसले कितने बुलंद हैं इस बात का अंदाजा बीती रात हुई एक मजिस्ट्रेट की कार लूट की घटना से सहजता से लगाया जा सकता है। पुलिस सूत्रों के हवाले से खबर है कि कोटपूतली एमजेएम ऋषभ अग्रवाल का चालक विजेंद्र यादव विगत रात्रि

■ बोलेरो में आए आधा दर्जन बदमाशों ने की वारदात

करीब 10:30 से 11 के बीच ग्राम चतुर्भुज से कोटपूतली आ रहा था। इसी दौरान बानसूर रोड स्थित पेट्रोल पंप के निकट एक बोलेरो में सवार होकर आए करीब आधा दर्जन बदमाशों ने चालक को बंधक बना लिया और गाडी लूटकर बहरोड की ओर ले गए।

बदमाश बहरोड थाना क्षेत्र में चालक को डालकर गाडी लेकर फरार हो गए। घटनाक्रम की सूचना के बाद पुलिस ने जहां नाकाबंदी करवाई है वहीं पुलिस की अलग-अलग टीमें अलवर ,बानसूर व मुंडावर सहित अन्य जगहों के टोल नाकों पर सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। समाचार लिखे जाने तक मामले में पुलिस के हाथ कोई अहम सबूत नहीं लगा है।

हमारा प्रयास है कि भर्तियां समय पर पूर्ण हों, नियुक्ति के लिए इंतजार नहीं करना पड़े : गहलोत

तीन साल में दी 97 हजार नियुक्तियां, भर्तियों की बाधाओं को दूर किया

जयपुर, (कासं) । सीएम अशोक गहलोत ने कहा प्रदेश के सरकारी विभागों में भर्ती परीक्षाओं को त्वरित, वादरहित एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में राज्य सरकार मजबूत इच्छाशक्ति एवं संकल्प के साथ काम कर रही है। बीते तीन साल से भी कम समय में करीब 97 हजार पदों पर नियुक्तियां दी गई है। इसके लिए जहां आवश्यक हुआ नियमों में संशोधन और उनका सरलीकरण किया गया। न्यायिक अड़चनों को दूर किया गया। हमारा पुरजोर प्रयास है कि भर्तियां समय पर पूर्ण हों, विधिक या अन्य किसी प्रकार की बाधाओं के कारण वे अटकें नहीं और सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए इंतजार नहीं करना पडे।

सीएम ने समस्याओं के निराकरण के लिए आरपीएससी वेबपोर्टल के मॉड्यूल को भी लॉन्च किया।

गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कांन्फ्रेंस के जरिए राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के नवीन भवन के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए तैयार किए गए संशोधित मैनुअल के पहले एवं दूसरे खंड का विमोचन किया। उन्होंने अभ्यर्थियों की समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए आरपीएससी वेबपोर्टल के मॉड्यूल को भी लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में भर्ती एजेंसियों के लिए परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। ऐसे में आरपीएससी तथा राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जैसी संस्थाएं परीक्षाओं के आयोजन में निरन्तर नवाचारों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि भर्तियों के अटकने से अभ्यर्थियों में असंतोष एवं निराशा के भाव उत्पन्न होते हैं। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि भर्तियों में किसी प्रकार के विवाद की नौबत ही न आए।

गहलोत ने कहा कि आरपीएससी में रिक्त पदों को भरने तथा अन्य आवश्यक संसाधनों को उपलब्ध कराने में सरकार कोई कमी नहीं रखेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में नियमित पदोन्नति (डीपीसी) प्रक्रिया को शीघ्र संपादित करने के लिए शासन सचिवालय परिसर में आरपीएससी की एक विंग स्थापित करने की दिशा में जल्द उचित निर्णय किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग रिक्त पदों की अभ्यर्थना को निर्धारित समय पर आयोग के समक्ष भिजवाना सुनिश्चित करें, ताकि कैलेण्डर के अनुरूप भर्तियों का समयबद्ध आयोजन किया जा सके।

■ सभी विभाग रिक्त पदों की सूचना सही समय पर आयोग को भिजवाएं : मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

■ राजस्थान लोक सेवा आयोग के नवीन भवन का शिलान्यास

मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग ने पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ परीक्षाओं के आयोजन के मामले में देश के अन्य राज्य लोक सेवा आयोगों के बीच अपनी एक अलग पहचान को हमेशा बनाए रखा है। आरपीएससी के अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि 3 करोड़ 73 लाख रूपए की लागत से इंटरव्यू एवं गोपनीय कार्य के लिए नए भवन का निर्माण किया जा रहा है।

प्रदेश में लगातार दूसरे दिन भी करोना संक्रमितों की संख्या में कमी आई

राज्य में सोमवार को 12 नए संक्रमित मिले, इससे पहले रविवार को 17 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन भी करोना संक्रमण के नए मामलों में कमी आई है। इस दौरान सोमवार को राज्य में 12 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि इनमें सबसे ज्यादा जयपुर में 8 रोगी मिले हैं। वहीं इस बीच कई दिन बाद नए संक्रमितों के मुकाबले दोगुनी रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 187 रह गए हैं।

- **पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 8 संक्रमित जयपुर जिले में मिले हैं। इनमें एक स्कूली छात्र भी शामिल है।**
- **प्रदेश में कई दिनों बाद नए संक्रमितों के मुकाबले दोगुनी रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 187 रह गए हैं।**
- **इस बीच राज्य में केवल 7 हजार 268 ही जांच के लिए नमूने लिए गए हैं।**

प्रदेश में सोमवार को पांच जिलों में करोना संक्रमण के 12 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले रविवार को 17 रोगी पाए गए थे। हालाकि आज राज्य में केवल 7268 ही जांच के लिए नमूने लिए गए। इससे पहले रोजाना 20 से 25 हजार के बीच जांचें की जा रही थी।

इधर राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में रविवार के बराबर ही 8 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अजमेर, बाड़मेर, हनुमानगढ़ और उदयपुर में 1-1 नया रोगी मिला है। इस बीच राजधानी जयपुर में आदर्श नगर और वैशाली नगर में 2-2 और अंबाबाडी, जवाहर नगर, सोडाला तथा मानसरोवर इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। मानसरोवर में मिला मरीज स्कूली छात्र है। वह 15 नवंबर से स्कूल नहीं जा रहा है। उसके माता-पिता 4-5 दिन पहले संक्रमित मिले थे।

उधर प्रदेश के 28 जिलों में संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इनमें 20 जिलों में अब न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में सोमवार को 24 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 9 लाख 45 हजार 628 लोग स्वस्थ हो चुके है। सोमवार को कई दिनों बाद नए संक्रमितों की तुलना में दोगुना रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 187 रह गए हैं। हालाकि इनमें अभी सर्वाधिक 100 मामले जयपुर में तथा 22 केस अजमेर में हैं। इसके अलावा 11 जिले अलवर, बाड़मेर, बीकानेर, दौसा, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, पाली, राजसमंद और उदयपुर में 20 से कम एक्टिव केस हैं। प्रदेश में रविवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में इस बीमारी से अब तक 8955 लोगों की मौत हो चुकी है।

अदालती आदेश की पालना क्यों नहीं की?

जयपुर। हाईकोर्ट ने बदरवास स्थित अस्सी फीट रोड के अतिक्रमण के मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं होने पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि मामले में अवमानना कर्ता अफसर को दंडित करने से पहले जरूरी है कि जेडीसी 17 दिसंबर को अदालत में पेश हों। अदालत ने जेडीसी को कहा है कि वे शपथ पत्र पेश कर बताए कि करीब 26 माह बीतने के बाद भी अदालती आदेश की पालना क्यों नहीं की गई। न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश बदरवास विकास समिति की अवमानना याचिका पर दिए।

अवमानना याचिका में अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि बदरवास और धर्म नगर से गुजर रही अस्सी फीट रोड का ले आउट प्लान तैयार करने और अतिक्रमण के संबंध में हाईकोर्ट ने 16 अगस्त 2019 को जेडीए को दो माह में पालना करने को कहा था। इसके बावजूद अब तक अदालती आदेश की पालना नहीं की गई। याचिका में जेडीसी गौरव गोयल को पक्षकार बताने हुए कहा कि अदालती आदेश की अवमानना करने पर दोषी अधिकारी को दंडित किया जाए।

शाह के जयपुर दौरे को भव्य और ऐतिहासिक बनाने में जुटी भाजपा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और प्रदेश प्रभारी चन्द्रशेखर ने पदाधिकारियों की बैठक लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये।

जयपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 5 दिसंबर को जयपुर दौरे को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों के बारे में संवाद कर दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में अमित शाह के दौरे को भव्य व ऐतिहासिक बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। स्वागत, प्रदेश कार्यसमिति, जनप्रतिनिधि सम्मेलन के लिए गठित की गई टीमों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। अमित शाह के स्वागत में प्रदेश के मेवाड़, मारवाड़, शेखावटी, हाडौती, ब्रज, ढूंढाड़ इत्यादि संस्कृतियों का ऐतिहासिक संगम देखने को मिलेगा, वहीं सम्पूर्ण राजस्थान की संस्कृति की भव्यता के दर्शन भी होंगे। जयपुर के जेईसीसी सभागार में 5 दिसंबर को अमित शाह प्रदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित करने के बाद जनप्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करेंगे जिसमें नगर निकाय, पंचायतीराज, सहकारिता, सांसद, विधायक इत्यादि जनप्रतिनिधियों को अमित शाह मार्गदर्शन देंगे। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजय पाल सिंह, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, सुशील कटारा, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम डिप्टी मेयर पुनीत कर्नावत, अजमेर डिप्टी मेयर नीरज जैन, सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, इत्यादि प्रमुख पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

- **शाह के स्वागत में प्रदेश के मेवाड़, मारवाड़, शेखावटी, हाडौती, ब्रज, ढूंढाड़ इत्यादि संस्कृतियों का ऐतिहासिक संगम देखने को मिलेगा, वहीं सम्पूर्ण राजस्थान की संस्कृति की भव्यता के दर्शन भी होंगे**

गहलोत युवाओं को भरमाने के बजाय रोजगार के उपाय कीजिए : शेखावत

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बेरोजगारों को लेकर ट्वीट कर कहा कि प्रदेश के युवा बेरोजगार अपनी फरियाद लेकर आखिर जाएं तो जाएं कहाँ, यहां के मुखिया ने कानों में रूई लगाई हुई है। लखनऊ आस लेकर गए तो, वहाँ भी निराशा, क्योंकि प्रियंका गांधी जी पर्यटन पर हैं। स्पष्ट रूप से यह इन युवाओं से धोखा है। वहीं बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक बार फिर कांग्रेस पार्टी को घेरा है। सीएमआईई की रिपोर्ट का हवाला देते हुए शेखावत ने कहा कि गहलोत युवाओं को भरमाने के बजाय रोजगार उत्पन्न करने के उपाय कीजिए। सोमवार को शेखावत ने कहा कि बेरोजगारी के मुद्दे पर घिरी राजस्थान की कांग्रेस सरकार गुजरात का वीडियो वायरल कर झूठ फैला रही है, लेकिन आंकड़े झूठ नहीं बोलते। सीएमआईई की 27 नवंबर 2021 की रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में बेरोजगारी दर 2.4 प्रतिशत तो राजस्थान में बेरोजगारी दर 29.6 प्रतिशत, ये जमीन-आसमान का अंतर है। तुलना ही नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने सवाल किया कि अब क्या कहेगी कांग्रेस? क्या राजस्थान से लखनऊ जाकर प्रियंका वॉड्रा से रोजगार मांग रहे युवा गुजरात से आए हैं? गहलोत जी युवाओं को भरमाने के बजाय रोजगार उत्पन्न करने के उपाय कीजिए। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कांग्रेस सांसदों के संसद परिसर में कृषि कानून वापस लेने की मांग वाले प्रदर्शन पर तंज कसा।

विकलांग शिविर लगाने के लिए जयपुर फुट की सराहना की सोनिया गांधी ने

जयपुर, (का.सं.)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सांसद और कांग्रेस के कोषाध्यक्ष की पुण्यतिथि पर गुजरात के अंकलेश्वर नगर में आयोजित विकलांग शिविर के लिए जयपुर फुट निर्माता भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) की प्रशंसा की हैं। इस शिविर का सोमवार को समापन हुआ।

सोनिया गांधी ने अपने संदेश में कहा की स्वर्गीय अहमद पटेल की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर बी.एम.वी.एस.एस.ने दिव्यांगों को बैसाखी, ट्राई साईकिल, व्हील चेयर और कृत्रिम पैर जयपुर फुट लगाकर विकलांगों की सेवा की हैं। सोनिया गांधी ने कहा कि अहमद भाई का पूरा राजनीतिक जीवन गरीबों की सेवा और उनके उत्थान के लिए बीता। वह निर्धन और निर्बल दोनों की मदद करते रहे और ऐसे लोगों को जिन्हें बीमारी आदि के कारण जीवन में अवसर नहीं मिले उन्होंने अवसर प्रदान करने में कसर नहीं रखी।

सोनिया गाँधी ने कहा कि ऐसे विकलांग दुखिया और निर्बल लोगों की सेवा करना अहमद भाई को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस शिविर का 25 नवम्बर को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदघाटन किया था। इस समारोह में गुजरात में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के प्रभारी रघु शर्मा, सांसद और मुमताज अहमद पटेल के अलावा जयपुर फुट के सचिव भूपेन्द्र राज मेहता और कार्यकारिणी के सदस्य गिरधारी सिंह बाफना भी उपस्थित थे।

सोनिया गांधी ने जयपुर फुट के अलावा, सरदार पटेल अस्पताल तथा हार्ट इंस्टीट्यूट के सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया।

बी.एम.वी.एस.एस. के सचिव भूपेन्द्र राज मेहता जो अंकलेश्वर में आयोजित विकलांग शिविर का संचालन कर रहे थे ने बताया कि शिविर में 133 लोगों को जयपुर फुट 70 पोलियोग्रस्त को कैलिपर्स, 275 को ट्राई साईकिल, 200 को व्हील चेयर, 140 को बैसाखी और 398 को शिविर में श्रवण यंत्र प्रदान किए गए और कुल 1216 लोगों को लाभान्वित किया गया।

एन.सी.सी. केडैट्स की नियमित फ्लाईंग शुरू

जयपुर, (कासं)। एनसीसी निदेशालय राजस्थान के उप महानिदेशक एयर कमोंडोर एल के जैन और एन सी सी समूह मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में 1 राज एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, जयपुर द्वारा माईक्रोलाईट फ्लाईंग का आयोजन सांगानेर एयरपोर्ट पर किया गया। इस आयोजन में 1 राज एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, जयपुर युनिट के सीनियर डिवीजन व विंग के कैडिटो ने इस मौके पर भाग लिया। यह माईक्रोलाईट स्लोवियन दो सीटर ट्रेनर एयर क्राफ्ट है। इसका भारतीय नाम "गरूड" दिया गया हैं यह माईक्रोलाइट फाईबर ग्लास कम्पोसीट सामग्री से बना हुआ है और यह 170 किलोमीटर प्रति घन्टे की स्पीड से उड़ान भरता है। 1 राज एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, जयपुर में लगभग 02 वर्ष के लम्बे अन्तराल के बाद केडैटो को माईक्रोलाईट फ्लाईंग करवाई। 1 राज एयर स्क्वा. एनसीसी के कमान अधिकारी ग्रुप कैप्टन नीरज अम्बा के साथ कुल 20 कैडेट्स ने फ्लाईंग की। जिससे केडैटो में बड़ा उत्साह देखा गया। 1 राज एयर स्क्वा. एनसीसी के कमान अधिकारी ग्रुप कैप्टन नीरज अम्बा मिग - 21, मिग - 27, एमआई-37 हेलिकॉप्टर, चेतक, चीता हेलिकॉप्टर, एएलएच हेलिकॉप्टर जो कि प्रधानमंत्री ने देश को समर्पित किया हैं जिसके पाइलेट भी रह चुके हैं। माईक्रोलाईट फ्लाईंग केडैटो को एवियेशन क्षेत्रो में जाने के लिए प्रेरित करता हैं।

फसल बुवाई के लिए किसानों को पर्याप्त बिजली दें : मुख्यमंत्री

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि रबी सीजन में फसलों की बुवाई को देखते हुए किसानों को बिजली की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बिजली कम्पनियां कर्ज का बोझ कम करने एवं ट्रांसमिशन-डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए दीर्घकालीन कार्य योजना बनाएं।

गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर किसानों को बूंद-बूंद सिंचाई एवं फव्वारा सिंचाई पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

बैठक में ऊर्जा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि "मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना" का किसानों को काफी लाभ मिल रहा है। सब्सिडी मिलने के कारण कई किसानों के बिजली के बिल शून्य हो गए हैं। चेयरमैन डिस्कॉम्स भास्कर ए सावंत ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया कि रबी सीजन 2021-22 में किसानों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य योजना तैयार की गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा सुबोध अग्रवाल ने बताया कि कोयले की पर्याप्त आपूर्ति के लिए केन्द्र सरकार के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर 2018 से अभी तक करीब ढाई लाख कृषि कनेक्शन दिये जा चुके हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव निरंजन आर्य, प्रमुख शासन सचिव वित अखिल अरोरा, राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के सीएमडी आर के शर्मा, जयपुर डिस्कॉम के एमडी नवीन अरोड़ा, जोधपुर डिस्कॉम के एमडी अविनाश सिंघवी, अजमेर डिस्कॉम के एमडी वीएस भाटी सहित ऊर्जा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पहले दिन 7 उम्मीदवारों ने दाखिल किए 8 नामांकन पत्र

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश के 4 जिलों में होने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन के पहले दिन 7 उम्मीदवारों ने 8 नामांकन पत्र दाखिल किए। ये सभी नामांकन पंचायत समिति सदस्यों के लिए प्राप्त हुए हैं। जिला परिषद सदस्यों के लिए पहले दिन किसी भी उम्मीदवार ने भी नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया।

चुनाव आयुक्त पी.एस. मेहरा ने कहा कि बारां, करौली, कोटा एवं श्रीगंगानगर जिलों में 106 जिला परिषद सदस्य, 568 पंचायत समिति सदस्य, 4 जिला प्रमुख एवं 4 उप जिला प्रमुख तथा 30 प्रधान एवं 30 उप प्रधानों के लिए आम चुनाव करवाया जाएगा। चारों जिलों की 973 ग्राम पंचायतों में सुगम मतदान के लिए कुल 4161 मतदान बूथ स्थापित किए जाएंगे। मेहरा ने कहा कि तीनों जिलों में आगामी 12, 15 और 18 दिसंबर को तीन चरणों में चुनाव करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 2 दिसंबर दोपहर 3 बजे तक रहेगी। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 3 दिसंबर प्रात: 11 बजे से होगी, जबकि 4 दिसंबर दोपहर 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। नाम वापसी के साथ ही चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

प्रदेश में 3 लाख लोगों को लगी वैक्सीन

जयपुर (कासं)। प्रदेश में सोमवार को 3 लाख से ज्यादा लोगो को कोविड वैक्सीन लगी। इसके साथ ही अब तक 6 करोड़ 78 लाख से ज्यादा लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केन्द्र सरकार की ओर से राज्य को पर्याप्त वैक्सीन मिलने के बाद टीकाकरण में तेजी आई है। इसके चलते आज 3 लाख 22 हजार 106 लोगों को वैक्सीन लगी। इनमें 51 हजार 418 लोगों को पहली तथा 2 लाख 70 हजार 668 लोगों को दूसरी डोज दी गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 18 से अधिक उम्र वाले 42 हजार 90 लोगों को पहली तथा 2 लाख 5 हजार 84 लोगों को दूसरी डोज लगाई गई। इसके अलावा 45 से अधिक आयु वर्ग में 9300 लोगों को प्रथम तथा 64 हजार 377 लोगों को दूसरी डोज दी गई। राज्य में अब तक 6 करोड़ 78 लाख 50 हजार 112 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है, इनमें 4 करोड़ 34 लाख 22 हजार 260 लोगों को पहली डोज लगी है। जबकि 2 करोड़ 44 लाख 27 हजार 852 लोगों को दोनों डोज लग चुकी है।

रेजीडेंट डॉक्टरों की हड़ताल के कारण मरीज हुए परेशान

जयपुर। नीट पीजी काउंसलिंग में देरी के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टर्स प्रदेशव्यापी हड़ताल पर चले गए हैं। इससे जयपुर के एसएमएस सहित विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए आए मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हांलाकि इस दौरान वरिष्ठ चिकित्सकों ने कमान संभाली, लेकिन मरीजों की संख्या को देखते हुए यह व्यवस्था नाकाफी रही।

रेजीडेंट्स का कहना है कि नीट की काउंसलिंग नहीं होने के कारण उन पर लगातार काम का बोझ बढ़ रहा है, इसके कारण वह अवसाद का शिकार हो रहे हैं। काउंसलिंग को केंद्र सरकार गंभीरता से नहीं ले रही है। रविवार को प्रदेश के रेजिडेंट चिकित्सकों ने ओपीडी का बहिष्कार कर सोमवार से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार पर जाने की चेतावनी दी थी। आंदोलन के अगले चरण में रेजिडेंट ओपीडी के साथ-साथ आईपीडी, एकेडमिक शेड्यूल और कक्षाओं का भी बहिष्कार करेंगे। केवल इमरजेंसी सेवाओं को चालू रखेंगे। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के अध्यक्ष अमित यादव ने बताया कि काउंसलिंग में हो रही देरी के चलते नया बैच अस्पतालों में नहीं आ पा रहा है। ऐसे में जहां 1000 रेजिडेंट चिकित्सकों की अस्पतालों में जरूरत है, वहां सिर्फ 600 ही काम कर रहे हैं। बाकी 400 रेजिडेंट का कार्य भी मौजूदा रेजिडेंट चिकित्सकों पर ही है। रेजीडेंट्स की हड़ताल के कारण अस्पतालों में व्यवस्थाएं चरमरा गई। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। ओपीडी में सीनियर चिकित्सकों को लगाया गया। मरीजों की संख्या को देखते हुए यह नाकाफी इंतजाम नजर आए। वहीं कार्य बहिष्कार के कारण एसएमएस अस्पताल, जेके लोन अस्पताल, गणगौरी और जनाना अस्पताल सहित राज्य में अन्य सरकारी अस्पतालों में कार्य प्रभावित हुए।

अक्षय यादव शहर उपाध्यक्ष बने

जयपुर (कासं)। राजस्थान युवा यादव महासभा के जयपुर शहर उपाध्यक्ष पद पर अक्षय यादव को नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति महासभा के प्रदेशाध्यक्ष महेन्द्र कुमार यादव ने दी हैं। उन्हें राजस्थान युवा महासभा के कार्यों को आगे बढ़ाने और समाज की गतिविधियों और प्रतिष्ठा में वृद्धि के लिए कार्य करने का आव्हान किया गया है।

'राज्य में फसल बीमा पॉलिसी की संख्या एक करोड़ पार हुई'

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने सोमवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार रथों को रवाना किया।

जयपुर। कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया ने कहा कि राज्य सरकार के नवाचारों, निरन्तर प्रचार-प्रसार एवं किसानों को समय पर बीमा क्लेम का भुगतान करने से प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की लोकप्रियता में निरन्तर वृद्धि हुई है। राज्य में वर्ष 2020-21 में फसल बीमा पॉलिसियों की संख्या एक करोड़ से ऊपर पहुंच गई है।

कटारिया ने सोमवार को यहां अपने कार्यालय से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार रथों को रवाना करते हुए बताया कि राज्य में वर्ष 2018-19 में लगभग 78 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल का फसल बीमा हुआ था, जो बढ़कर 20-21 में करीब 1 करोड़ 13 लाख हैक्टेयर हो गया है। इसी प्रकार फसल बीमा पॉलिसियों की संख्या 2018-19 में 72 लाख से बढ़ते हुए 20-21 में 1 करोड़ 7 लाख हो गई है।

कृषि मंत्री ने बताया कि राज्य में पिछले 3 साल में 80 लाख से ज्यादा किसानों को लगभग 13 हजार करोड़ रुपए के बीमा क्लेम का भुगतान किया गया है। हनुमानगढ़ जिले के अलावा रबी 2020-21 तक के समस्त बीमा क्लेमों का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने राज्यांश प्रीमियम भुगतान की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान सरकार ने अपने अब तक के कार्यकाल में गत सरकार के बकाया राज्यांश प्रीमियम के साथ-साथ रबी 2020-21 तक के लिए समस्त राज्यांश प्रीमियम का भुगतान बीमा कम्पनियों को कर दिया है। खरीफ 2021 के लिए राज्यांश प्रीमियम भुगतान प्रक्रियाधीन है। कृषि आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 7 बीमा कम्पनियों द्वारा फसल बीमा का काम किया जा रहा है। खरीफ में 19 तथा रबी में 17 फसलों का बीमा जिलों में बोई गई फसलों के हिसाब से किया जा रहा है। रबी के लिए आगामी 25 दिसम्बर तक प्रदेशभर में 250 से ज्यादा वैनों के द्वारा लीफलेट वितरण, पोस्टर, होर्डिंग, किसान गोष्ठी से प्रचार करेंगे।

बीवीजी कंपनी की हड़ताल के कारण जयपुर में गंदगी के ढेर लगे, महापौर मुनेश व धाबाई ने चुप्पी साधी

प्रताप सिंह खाचरियावास ने कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा "बीवीजी कंपनी को नगर निगम पैसा देता हैं, उसे हड़ताल करके जयपुर में सफाई व्यवस्था बिगाड़ने का कोई हक नहीं हैं।"

जयपुर (कासं)। बीवीजी कंपनी की हड़ताल के कारण जयपुर में घर-घर कचरा संग्रहण बंद हैं। इस कारण परकोटा क्षेत्र, वीआईपी कॉलोनियों, मुख्य सड़कों और कॉलोनियों में कचरे के ढेर लगे पड़े हैं। इसके बावजूद महापौर मुनेश गुर्जर और शील धाबाई इस कंपनी पर कार्रवाई के बजाय चुप्पी साधे बैठी हैं।

अब कैबिनेट मंत्री और सिविल लाइंस विधायक प्रतापसिंह खाचरियावास ने बीवीजी कंपनी को जयपुर से बाहर का रास्ता दिखाने की बात कही है। इसके लिए खाचरियावास ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल से मुलाकात करने और नगर निगम के ही स्तर पर सफाई का काम छोटे-छोटे ठेके देकर शुरू करवाने की बात कही। वे आज दोपहर 12 बजे हैरिटेज नगर निगम में अफसरों की क्लास लेकर भी बदहाल सफाई पर चर्चा करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक जयपुर में पिछले चार दिन से सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप्प पड़ी है। लोगों के घरों पर डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए हूपर नहीं पहुंच रहे। हालात ये हो गए है कि घरों से कचरा नहीं उठने के कारण लोग मजबूरन सड़कों पर ओपन डिपो पर कचरा फैंक रहे है, जिसके कारण शहर में जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए हैं। जबकि बीवीजी कंपनी के पास डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के अलावा सड़कों पर भी डिपो से कचरा उठाने का जिम्मा है। इस पूरे काम पर नगर निगम हर महीने 23 से 25 करोड़ रुपए खर्च भी कर रहा है। उसके बावजूद भी लोगों को सुविधा नहीं मिल रही।

जयपुर रेलवे स्टेशन के नजदीक शहर के किनारे लगा कचरे का यह ढेर 'स्वच्छता रैंकिंग में पिछड़ने की वजह साफ बयां कर रहा है। नगर निगम ने भले ही यहां दीवार पर स्वच्छता जागरूकता का स्लोगन लिखवा रखा है, लेकिन बीवीजी कंपनी की हड़ताल ने इस पूरे अभियान की धज्जियां उडा दी हैं। फोटो-राष्ट्रदूत

- **खाचरियावास आज दोपहर 12 बजे हैरिटेज नगर निगम मुख्यालय में लेंगे अफसरों की बैठक, यूडीएच मंत्री से मुलाकात करके भी इस कंपनी पर कार्रवाई की मांग उठाएंगे**
- **प्रताप सिंह ने बिना नाम लिये दोनों मेयर पर निशाना साधते हुए कहा कि "पार्षद और महापौर चाहें किसी भी पार्टी के हों, लेकिन सफाई करवाना उनकी जिम्मेदारी हैं।"**

मंत्री खाचरियावास ने बताया कि बीवीजी कंपनी को सफाई का ठेका दे रखा है। कंपनी ने उस काम को अपने स्तर पर ही शहर में छोटे-छोटे एरिया में सबलेट कर रखा है, इसके बावजूद हालात खराब है। बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त है और जेल जा चुके है। उनकी मनमर्जी के कारण पार्षद तक परेशान है।

उन्होंने कहा कि पार्षदों की कोई सुनवाई नहीं होती। ऐसे में जो काम कंपनी कर रही है, वह काम अब नगर निगम के जरिए करवाएंगे। इस मामले पर मैं यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल से बात करूंगा और छोटे-छोटे टेन्डर के जरिए वार्डो में सफाई का काम ठेके पर देने की मांग उठाऊंगा। ताकि उन छोटे-छोटे ठेकेदारों पर नगर निगम के वार्ड कर्मचारी के साथ-साथ पार्षद भी मॉनिटरिंग कर सके और सफाई व्यवस्था को बेहतर करवा सके।

प्रताप सिंह ने बिना नाम लिये दोनों मेयर पर निशाना साधते हुए कहा कि "पार्षद और महापौर चाहें किसी भी पार्टी के हों, लेकिन सफाई करवाना उनकी जिम्मेदारी हैं।"

बताया जा रहा है कि जयपुर में बीवीजी कंपनी ने 9 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान मांगते हुए हड़ताल की है। हालांकि आज दिन में नगर निगम प्रशासन से बातचीत होने और जल्द भुगतान होने का आश्वासन मिलने के बाद कंपनी के कर्मचारी वापस काम पर लौट आए। हड़ताल के कारण दो दिन से शहर का करीब 900 मीट्रिक टन से ज्यादा कचरा सड़कों पर पड़ा रहा, जिसे उठाने की कवायद शुरू हो रही हैं।

कांकरी डूंगरी प्रकरण में फरार 8 आरोपी गिरफ्तार

सितम्बर 2020 में एनएच-8 पर रास्ता जाम कर मचाया था उपद्रव

डूंगरपुर, (निसं)। गत सितम्बर 2020 मे हुए कांकरी डूंगरी प्रकरण के बाद सदर थाना क्षेत्र के भुवाली एनएच-8 पर कतिपय उत्पातियो द्वारा रास्ता जाम करने व सरकारी वाहनो को नुकसान पहुंचाकर पुलिस पर पथराव करने के मामले मे एक वर्ष से फरार चल रहे 8 आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में सदर तथा बिछीवाडा थाने में लगभग 4 हजार व्यक्तियों पर उत्पात मचाने, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा विभिन्न मामलो में प्रकरण दर्ज हुए थे।

सदर थाना पुलिस द्वारा कांकरी डूंगरी प्रकरण में उपद्रव करने के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी।

इस मामले में पुलिस ने फरार आरोपियों पर निगरानी रखते हुए भुवाली, मोतली मोड, बिछीवाडा, शामलाजी, खेरवाडा, बावलवाडा तथा केसरीयाजी में इन फरार आरोपियों की दबिशे देकर डिटेन कर अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया। यह सभी अभियुक्त गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने नाते-रिश्तेदारों के यहां रह रहे थे। पुलिस ने सोमवार को इस प्रकरण में अजय पुत्र हीरालाल डामोर निवासी पालवडा, मुकेश पुत्र जीवा डामोर, चेतनाल पुत्र बाबूलाल डामोर, कारीलाल पुत्र वाला डामोर, रामलाल पुत्र वीरजी डामोर, गिरदारीलाल पुत्र लेम्बाजी डामोर, कालू उर्फ कालिया पुत्र धना डामोर, नारायण पुत्र शंकर डामोर निवासी भुवाली फला माताजी को गिरफ्तार किया है।

बेटियों को पढ़ाने का खर्चा उठाएंगे गौरव सेनानी शिक्षक

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान गौरव सेनानी शिक्षक संघ झुंझुनूं का दो दिवसीय जिलास्तरीय शैक्षिक सम्मेलन का उद्घाटन सोमवार को सुबह 11 बजे खाना खजाना रिसोर्ट गार्डन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद् कुरडाराम धींवा एवं अध्यक्षता समाजसेवी शिवकरण जानू व मुख्य वक्ता प्रदेशध्यक्ष राजवीर चनाना एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व सैनिक परिषद के जिलाध्यक्ष रामनिवास डुडी, जिलाध्यक्ष महेंद्र लाम्बा, रणजीत सिंह थें। मुख्य अतिथि धींवा ने कहा कि शिक्षक समाज का आईना होता है, बच्चों के भविष्य का निर्माता होता है।

भामाशाह शिवकरण जानू ने कहा की शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है, सरकार इनके हितों की रक्षा करें। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर व. अ. करतार सिंह व महेंद्र सिंह का सम्मान किया गया। गौरव सेनानी शिक्षक मनोहर लाल रणवा ने अपने सेनिक बेटे की शादी बिना दहेज के करने पर संघ की तरफ से सम्मान किया गया। द्वितीय सत्र में शिक्षा में नवाचारों शैक्षणिक गुणवत्ता, भौतिक विकास में समुदाय की भागीदारी,बच्चों का कौशल विकास, व्यवसायिक शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर मंथन किया गया। सभी शिक्षकों ने अपने विद्यालयों में गरीब की बेटियों को पढाने का जिम्मा लिया।

पैट्रोल पम्प लूट की योजना बनाते 6 बदमाश गिरफ्तार

बदमाशों पर पहले से 60 से अधिक मामले दर्ज हैं

कोटा पुलिस ने लूट की योजना बनाते हुए 6 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

कोटा, (निसं)। शहर की कुन्हाड़ी पुलिस ने डकैती की साजिश के मामले में छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की साजिश नयाखेड़ा पेट्रोल पंप लूटने की थी जिसे पुलिस ने नाकाम कर दिया। जानकारी के अनुसार इन बदमाशों पर पहले से 60 से अधिक मामले दर्ज हैं। सभी 6 आरोपियों सलमान उर्फ शरीफ, सोनू उर्फ शाहरुख, सरफराज, शाहनवाज, करीम और आशिक को मोहनलाल सुखाड़िया योजना से गिरफ्तार कर लिया हैस आरोपियों से हथियारों की खेप बरामद हुई है जिसमें देसी कट्टा, जिंदा कारतूस, चाकू, छुरा, रस्सी, बेसबॉल का डंडा व लोहे का पाइप शामिल है। इसके साथ ही आरोपियों के पास एक चार पहिया वाहन और एक दो पहिया वाहन भी बरामद किया है। बताया जाता है कि इन बदमाशों पर विभिन्न वारदातों को लेकर पहले से 60 से अधिक केस दर्ज हैं।

अजमेर से बोलेरो चुराने वाली गैंग जोधपुर में पकड़ी

जोधपुर, (कासं)। अजमेर जिले के केकड़ी थाना क्षेत्र से बोलेरो कैम्पर चोरी कर भाग रहे दो शातिर अंतरराज्यीय वाहन चोर को जोधपुर कमिश्नरेट की पुलिस ने पीछा कर बम्बोर टोल नाका से आगे धरदबोचा। पकडे गए अंतरराज्यीय वाहन चोरों के खिलाफ कोटा, दौसा, करौली, जयपुर, भरतपुर, अलवर, सुमेरपुर व नयापुर थानों में मामले दर्ज हो रखे है।

रातानाडा थानाप्रभारी मूलसिंह भाटी ने बताया है कि सब इंस्पेक्टर भंवरसिंह ने डीएसटी पूर्व प्रभारी दिनेश डांगी को सूचना दी कि अजमेर जिले के केकड़ी क्षेत्र से एक बोलेरो कैम्पर गाड़ी आरजे-14 जीएफ-3333 को चुराकर भागे दो अंतरराज्यीय वाहन चोर रातानाडा की तरफ आ रहे है। सूचना मिलने पर डीएसटी प्रभारी सब इंस्पेक्टर दिनेश डांगी, कांस्टेबल देवाराम के साथ निजी वाहन में सवार होकर चोरी की गई बोलेरो कैम्पर वाहन की तलाश में निकल पड़े। इस दौरान उन्हें उक्त चोरी की गई बोलेरो कैम्पर नजर आ गई और वे वाहन का पीछा करने लगे। बम्बोर टोल नाका से आगे पहुंचने पर डांगी ने उक्त बोलेरो कैम्पर को रूकवाकर उसमें सवार दो युवकों को दस्तयाब किया और थाने ले गए। पूछताछ में दोनों युवकों ने अपना नाम करौली जिले के नादौती थानान्तर्गत भीलापाड़ा निवासी अब्दुल गनी पुत्र अल्लानूर व सवाई माधोपुर जिले के गंगापुरमसिटी थानान्तर्गत गांव गावड़ीकला हाल काला तालाब, डिस्पेंसरी के पास, गोविन्ददेव मंदिर के पास रेलवे कॉलोनी, कोटा निवासी अवकेश मीणा पुत्र हंसराज मीणा होना बताया। पकड़े गए दोनों वाहन चोर आले दर्जे के बदमाश व लुटेरे है।

आत्महत्या की धमकी दी

खेतडी, (निसं)। घर से झगडा करके निकले एक युवक ने अपने परिजनों को वीडियो कॉलिंग करके आत्महत्या करने की धमकी दी है। थाना अधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि कस्बे के वार्ड नंबर 9 निवासी ईश्वर लाल सोनी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि सोमवार सुबह करीब दस बजे उसका पुत्र सुशील कुमार घर से झगडा करके निकल गया, जिसने अरावली की पहाडियों में भोपालगढ पर जाकर उन्हें वीडियो कॉलिंग करके आत्महत्या करने की धमकी दी है, इस पर परिजन भयभीत हो गए और उसे ढूंढने 15-20 लोग भोपालगढ गए वहां पर उसकी मोटरसाइकिल तो नजर आई, लेकिन वह कहीं दिखाई नहीं दिया।

विषमताओं का खात्मा ही आजादी का असली मकसद : प्रोफेसर सुमन मौर्य

चूरू, (कासं)। भारत की आजादी यकायक नहीं आई। आजादी के लिए देश के हजारों.लाखों लोगों ने आत्म.उत्सर्ग किया है । यही नहीं, सामाजिक सरोकारों के लिए प्रतिबद्ध ये योद्धा न केवल लड़े बल्कि सामाजिक क्रांति के लिए जीवनभर अड़े रहे। समाज में बदलाव लाना और समानता के अवसर सृजित करना ही इनका असली ध्येय था। उक्त विचार आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जिला प्रशासन और महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति की ओर से सोमवार को शक्ति सरस्वती बालिका सीनियर सैकेंडरी स्कूल में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत व स्वतंत्रता सेनानी ठक्कर बापा की जयंती पर आयोजित व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. सुमन मौर्य ने व्यक्त किए।

डॉ. मौर्य ने कहा कि आजादी आंदोलन के अनाम सेनानियों को जानने का यह सही अवसर है। आजादी के अमृत महोत्सव का यही उचित मकसद है। हमें जानना चाहिए कि किन.किन लोगों ने समाज में फैली विषमताओं से लड़ने का साहस जुटाया और समानता, भाईचारे के लिए जूझे । किन.किन ने जेल की यातनाएं सही और आजादी के असली मकसद के लिए मिलकर कामयाबी हासिल की । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार महला ने कहा कि सामाजिक सरोकारों की बात करें तो न केवल जातीय भेदभाव, धार्मिक भेदभाव अपितु लैगिंक भेदभाव भी वह बड़ा कारक रहा जो भारत की असली आजादी में बाधक बना । आज ये भेदभाव कम हो रहे हैं। यह खुशी की बात है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेटी बचाओ.बेटी पढाओ अभियान के राज्य समन्वयक डॉ. जगदीश प्रसाद ने कहा कि यह ठक्कर बापा जैसे लोगों के कारण ही आज संभव हुआ है कि हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं, सामाजिक मुद्दों पर खुलकर संवाद कर रहे हैं। कार्यक्रम में महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के चूरू उपखंड संयोजक रियाजत अली खान, जिला संयोजक दुलाराम सहारण , गांधी प्रकोष्ठ सहायक दयापाल सिंह पूनिया और कमल कुमार शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

अवैध डोडा-चूरा से भरी कार जब्त, तस्कर फरार

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान नाकाबंदी तोड़ तस्करी कर भाग रहे तस्करों पर पुलिस दल ने फायरिंग की। जिससे टायर बस्ट होने पर तस्कर कार छोड़ कर फरार हो गए।

जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमर के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनन्त कुमार, सहायक पुलिस अधीक्षाक गिर्वा ज्येष्ठा मैत्रयी के सुपरविजन में गोगुन्दा थानाधिकारी कमलेन्द्रसिंह के नेतृत्व में एएसआई रणजीतसिंह, हेडकांस्टेबल विजेश कुमार, योगेश्वरसिंह राव, कांस्टेबल हंसराज, सुनिल कुमार, सतीश कुमार, ओमप्रकाश, किशोर कुमार, शिवराज, सावलाराम, प्रदीप, हरिसिंह व चालक इमरान मय टीम ने झाड़ोली कट एनएचआईवे पर नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान गोगुन्दा से आ रही कार के चालक को इशारा किया। लेकिन चालक नाकाबंदी तोड़ कार लेकर बैकरिया की फरार हो गया।

नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे तस्करों पर पुलिस ने फायरिंग की।

इस पर पुलिस दल ने पिछा कर फायर किया। जिससे टायर बस्ट होने के बावजूद चालक कार लेकर भागा। जिसका पिछा करने पर ईटों का खेत तिराहे पर कार चालक कार छोड़ कर फरार हो गया। इस पर अधेरे में पुलिस ने उसकी तलाश की लेकिन पकड़ में नहीं आया। कार की तलाशी लेने पर उसमें 160 किलों से अधिक अवैध डोड़ा चुरा पाया गया। पुलिस ने अवैध डोडा चुरा से भरी कार जब्त कर मामला दर्ज किया। उक्त कार्यवारी में हेडकांस्टेबल विजेश कुमार, कांस्टेबल हंसराज, सतीश कुमार, शिवराज की विशेष भूमिका रही।

लूट व फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

खेतडी, (निसं)। नौ माह पूर्व बसई में फायरिंग कर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि थाने में 1 मार्च को राजकीय अजीत अस्पताल में बसई निवासी परिवादी कमल शर्मा ने पर्चा बयान से मामला दर्ज करवाया कि वह ट्रेक्टर ट्राली से सब्जिया बेचने का धंधा करता है।

रात्रि में वह अपने घर के छप्पर में सोया हुआ था, अचानक 15-16 लोग मेरे घर आए तथा गालियां देने लगे तथा उसकी बच्ची की शादी के दहेज व सामान के लिए 2 लाख रूपए कमरे में रखे थें वे भी ताला तोड कर लूट कर ले गए। इस पर थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने अनुसंधान करते हुए आरोपी नीमूचाणा (बानसूर) निवासी राजू बावरिया को बापर्दा गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाधिकारी विनोद सांखला, हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश, दिनेश कुमार, पंकज कुमार व चौखाराम शामिल थें।

नगर परिषद के सूचना नहीं देने पर पार्षद जगदीश मेघवाल धरने पर बैठे

चूरू, (कासं)। चूरू जिला मुख्यालय पर सोमवार को नगर परिषद के समीप वार्ड नं. 31 के पार्षद जगदीश प्रसाद मेघवाल ने नगर परिषद से जो सूचनाएं चाही थी वह नहीं देने के कारण धरना शुरू कर दिया। गौरतलब है कि पन्द्रह रोज पूर्व पार्षद जगदीश प्रसाद मेघवाल ने आयुक्त अभिलाषा सिंह को ज्ञापन देकर यह मांग की थी कि उन्होंने वर्ष भर में नगर परिषद से कई सूचनाएं चाही थी। जिनमें चूरू में बने विभिन्न कॉम्पलेक्सों को स्वीकृति संबंधी एवं अन्य सूचनाएं चाही थी लेकिन आठ माह बीत जाने के बाद भी नगर परिषद ने यह जानकारी नहीं दी तथा आयुक्त अभिलाषा सिंह ने सूचना के अधिकार की भी धज्जियां उड़ा दी ।

- राठौड़ भी धरने में हुए शामिल
- दो दिन पूर्व यातायात बैठक में राजेन्द्र राठौड़ ने अभिलाषा सिंह को बताया था गुड ऑफिसर

नगर परिषद की लापरवाहियों के विरूद्ध सोमवार को पार्षद जगदीश प्रसाद मेघवाल ने धरना शुरू कर दिया हैं। उल्लेखनीय हैं कि गत दिनों यातायात प्रबंधन समिति की बैठक में भाजपा नेता स्थानीय विधायक ने आयुक्त को गुड़ ऑफिसर बताया था लेकिन उसके दो दिन बाद उन्हीं की पार्टी के पार्षद ने धरने पर बैठकर यह बता दिया की आयुक्त अभिलाषा सिंह की कार्यप्रणाली कैसी हैं । साथ ही धरने को संबोधित करते हुए राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि प्रशासन अपना रवैया सुधार ले वरना आगे और भी बड़ा धरना दिया जायेगा।

अब लोगों में यह चर्चा भी जोरों पर हैं कि चूरू में कांग्रेस शासित नगर परिषद होने के बावजूद में शहर में मुख्य अधिकारियों के पदों पर स्थानीय विधायक की ही चल रही है । विधायक राठौड़ समय -समय पर नगर परिषद की लापरवाहियों को लेकर आवाज उठाते रहते हैं और दूसरी तरफ उसी विभाग की मुख्य ऑफिसर की तारीफ करते हैं।

दूसरी ओर दबी जुबान में कांग्रेस के ही कार्यकर्ता कह रहे हैं कि राज उनका होने के बावजूद भी उनकी कोई सुनता ही नहीं हैं। गौरतलब हैं कि अभिलाषा सिंह को जब पूर्व में चूरू नगर परिषद की आयुक्त के पद पर आई थी तब इन्होनें कांग्रेस के पार्षदों की शिकायत तक नहीं सुनी थी और इसी के कारण ही कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की शिकायत पर ही इन्हें एपीओ किया गया था।

मोटर साईकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज खंगाल किया आरोपी को गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने मोटर साईकिल चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार करते हुए मोटर साईकिल बरामद की। थानाधिकारी रतन सिंह ने बताया कि 26 नवंबर को प्रार्थी अलताफ रजा निवासी मंदारेश्वर मार्ग ने रिपोर्ट दी वह बांसवाडा डायग्नोटिक सेंटर लैब में कार्य करता है तथा उसने उसकी मोटर साईकिल हीरो शाईन लैब के बाहर खडी की थी। कार्य समाप्त होने के पश्चात् जब वह बाहर आया तो मोटर साईकिल बाहर नहीं दिखी। जिस पर सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उसकी मोटर साईकिल चोरी की। जिस पर चोरी का प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान कोतवाली थाने के हैड कांस्टेबल हरीशचंद्र द्वारा प्रारंभ किया गया।

उन्होंने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीना द्वारा चोर नकबजनों की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कैलाश सिंह सांदू, वृत्ताधिकारी गजेन्द्र सिंह के निर्देशन में कोतवाली थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल हरीशचंद्र, हंसमुख, कांस्टेबल भरत, लाबुराम व राजेश की टीम गठित कर माल मुलजिमान की तलाश शुरु की गई। इस दौरान उक्त टीम द्वारा तकनीकि अनुसंधान एवं मुखबीर की सूचना पर संदिग्ध अभियुक्त रुपचंद पुत्र गेंदालाल गरासिया निवासी खूंटी बिजिया थाना सल्लोपाट को पकडकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने उक्त मोटर साईकिल चोरी करना स्वीकार किया। जिस पर अभियुक्त रुपचंद गरासिया को गिरफ्तार कर माल मशरुका मोटर साईकिल हीरो शाइन बरामद की गई। थानाधिकारी सिंह ने बताया कि अभियुक्त से चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में भी गहन अनुसंधान जारी है।

कोतवाली थाना पुलिस की गिरफ्त में आया मोटर साईकिल चोरी करने का आरोपी।

शव लेने गई पुलिस को कार चालक ने मारी टक्कर

श्रीगंगानगर, (निसं)। शनिवार रात को करणपुर-श्रीगंगानगर ट्रेक पर ट्रेन के नीचे आने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। मृतक के शव को लेने गई सदर पुलिस के जवानों पर एक कार चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए टक्कर मार दी । घायल पुलिसकर्मियों को मेदांता में भर्ती करवाया गया। उनके पर्चा बयान पर गाड़ी के चालक पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। चालक को रात को ही शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एसएचओ कुलदीप चारण ने बताया कि गजसिंहपुर के निकट चक 2 बीबी ए निवासी 55 वर्षीय ओमप्रकाश नायक पुत्र प्रेमाराम 7 जैड भट्ठा कॉलोनी में रहकर मजदूरी करता था। उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में शनिवार रात पौन 11 बजे के करीब भट्ठा कॉलोनी के पास ही ट्रेन के नीचे आने से मौत हो गई।

ड्यूटी अधिकारी एएसआई राजेंद्र स्वामी जाब्ते के साथ मौके पर गए और शव को ट्रैक से उठाकर जिला अस्पताल की मोर्चरी रखवाया है। मृतक के भाई मोहनलाल ने आकर मर्ग दर्ज करवाई है। जब पुलिस इस घटनास्थल पर गई हुई थी तब थाने के चालक जगदेवसिंह व कांस्टेबल सज्जनकुमार रोड पर सरकारी गाड़ी के पास खड़े थे। तभी कार चालक अमरीकसिंह पुत्र वकीलसिंह ने उनको लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए टक्कर मार दी। हादसे में दोनों कांस्टेबल घायल हो गए।

अचानक लाइसेंस के लिए फोटो खिंचवाने परिवहन कार्यालय पहुंची मंत्री की पत्नी

झुंझुनूं परिवहन कार्यालय की प्रशंसा की

झुंझुनूं, (निसं)। परिवहन मंत्री बृजेंद्र ओला की पत्नी और पूर्व जिला प्रमुख डॉ. राजबाला ओला सोमवार को अचानक परिवहन कार्यालय पहुंची। बिना कोई पूर्व सूचना के और सामान्य आवेदकों की तरह ही डॉ. ओला डीटीओ कार्यालय पहुंची तो पहले तो किसी ने गौर नहीं किया। लेकिन बाद में एक कर्मचारी ने डॉ. राजबाला ओला को पहचान लिया और डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड को सूचना दी ।

- एक बार मच गया हडकंप, लेकिन बाद में सामान्य प्रक्रिया पूरी कर वापिस लौटी पूर्व जिला प्रमुख डॉ. राजबाला ओला

दरअसल डॉ. ओला को अपना ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू करवाना था। जिसके लिए उन्होंने पहले से ही फोटो खिंचवाने के लिए ऑनलाइन अपाइंटमेंट ले रखा था। जिसके तहत डॉ. राजबाला ओला सोमवार सुबह डीटीओ कार्यालय पहुंची। पूर्व जिला प्रमुख डॉ. ओला की इस सादगी की प्रशंसा हो रही है। इस मौके पर डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड से सामान्य बातचीत में डॉ. राजबाला ओला ने कहा कि यहां आने वाले लोग परेशान ना हो। यहीं सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ध्यान रखना चाहिए। साथ ही झुंझुनूं कार्यालय की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वे बिना कोई पूर्व सूचना के सामान्य आवेदक की तरह आई। लेकिन उन्हें कहीं भी कोई परेशानी नहीं हुई। बाद में डीटीओ डॉ. मक्खनलाल जांगिड ने पूर्व जिला प्रमुख डॉ. राजबाला ओला को चाय - पानी के लिए भी पूछा। लेकिन उन्होंने किसी भी प्रकार की आवभगत से मना कर दिया। उनके साथ जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव विद्याधर ज्याणी जयसिंहपुरा भी थें।

सामान्य आवेदक की तरह परिवहन मंत्री की पत्नी डॉ. राजबाला ओला अचानक सोमवार सुबह डीटीओ कार्यालय पहुंची और ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू करवाया।

‘मेरी काफ़ी आलोचना की गई है और मुझे जीवन भर रंगभेद का सामना करना पड़ा है। इसलिए यह अब मुझे परेशान नहीं करता है। यह दुर्भाग्य से हमारे देश में भी होता है।’

–एल शिवारामाकृष्णन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, रंगभेद को लेकर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ रविचंद्रन अश्विन

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पहले टेस्ट मैच में न्यूज़ीलैंड की दूसरी पारी में टॉम लाथम को बोल्ड कर अपना 418वां अंतर्राष्ट्रीय विकेट लिया और इसके साथ ही वह भारत के महानतम ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह से आगे निकल गए। 35 वर्षीय अश्विन के इस मैच से पहले तक 413 विकेट थे। पहली पारी में तीन विकेट लेकर उन्होंने अपने विकेटों की संख्या 416 पहुंचा दी और कल दूसरी पारी में अपना पहला विकेट लेने के साथ ही उनके 417 विकेट हो गए थे। आज उन्होंने अपना दूसरा विकेट लिया और हरभजन से आगे निकल गए।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टीन मोट्ररो ऐसी पहली महिला खिलाड़ी है जिसने एक ही ओलम्पिक में 6 स्वर्ण पदक जीते। उसने सियोल ओलम्पिक (1986) में तैराकी में यह रिकॉर्ड बनाया

रहाणे की लय को लेकर चिंतित नहीं, लेकिन आप उनके बल्ले से रन चाहेंगे : द्रविड

कानपुर, 29 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने सोमवार को यहां कहा कि किसी और से ज्यादा टेस्ट उपकप्तान अजिंक्य रहाणे खुद बड़ा स्कोर खड़ा कर लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं और उनके लिए यह सिर्फ एक पारी की बात है।

नियमित कप्तान विराट कोहली की गैरमौजूदगी में टीम की कमान संभाल रहे रहाणे ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां ड्रॉ टेस्ट में 35 और चार रन बनाये। इस साल 12 टेस्ट मैचों में उनका औसत 20 से भी कम का है।

द्रविड़ से जब पूछा गया कि क्या रहाणे की लय टीम के लिए चिंता का सबब है तो उन्होंने कहा, “ इसके लिए ज्यादा चिंतित होने की जरुरत नहीं है। जाहिर है कि आप चाहेंगे कि अजिंक्य आपके लिए अधिक रन बनाये, वह खुद भी ऐसा ही चाहेंगे।”

उन्होंने कहा, “ वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्होंने अतीत में भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। वह उन लोगों में से एक है जिनके पास कौशल और अनुभव है। यह बस एक मैच की बात है , वह इसे जानते है और हम भी समझते है।”

मुंबई में खेले जाने वाले अगले टेस्ट मैच में कप्तान कोहली की वापसी होगी और ऐसे में क्या रहाणे को अंतिम 11 में जगह देने के लिए मैन ऑफ द मैच श्रेयस अय्यर को बाहर बैठाया जाएगा? द्रविड़ ने कहा, “ हमने तय नहीं किया है कि हमारी अंतिम एकादश क्या होगी और यह बहुत जल्दी है। कम से कम आज हमारा ध्यान इस मैच पर था। जब हम मुंबई जाएंगे तो हालात का जायजा लेंगे और लोगों की फिटनेस जांचेंगे. विराट कोहली भी साथ जुड़ेंगे।

भारत जीत से चूका, न्यूज़ीलैंड की आखिरी जोड़ी ने मैच कराया ड्रा

कानपुर, 29 नवंबर। लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा (40 रन पर चार विकेट) और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (35 पर तीन विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की झोली में लगभग आ चुका पहला टेस्ट मैच सोमवार को कम रोशनी और आखिरी कीवी जोड़ी के संघर्ष के चलते हार जीत के फैसले के बिना ड्रा समाप्त हो गया।

ग्रीनपार्क मैदान पर मैच के अंतिम दिन के पहले सत्र में भारतीय गेंदबाज को कोई सफलता नहीं मिली थी और मैच ड्रा की ओर खिसकता दिख रहा था मगर लंच और चायकाल के बीच मेजबान गेंदबाजों ने तीन अहम विकेट लेकर मैच को रोमांचक स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया जबकि चायकाल के बाद अश्विन और जडेजा ने सूझबूझ भरी गेंदबाजी कर मैच को भारत के पक्ष में पूरी तरह मोड़ दिया मगर पदार्पण टेस्ट खेल रहे रचिन रवीन्द्र 91 गेंदो पर 18 रनो की नाबाद पारी और 11वें नम्बर के बल्लेबाज एजाज पटेल (2 नाबाद, 23 गेंद) का विकेट भारतीय गेंदबाज अंत तक उखाड़ नहीं सके और भारतीय टीम दहलीज पर खड़ी जीत से दूर हो गयी।

क्रिकेट लीड भारत दो अंतिम कानपुर

भारत की पहली पारी के 345 रन के जवाब में न्यूजीलैंड की पहली पारी 296 रन पर सिमट गयी थी। 49 रन की बढ़त के साथ मेजबान टीम ने अपनी दूसरी पारी में सात विकेट पर 234 रन बनाकर पारी समाप्ति की घोषणा की और मेहमान टीम को जीत के लिये 284 रनो का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में खेल के अंत तक न्यूजीलैंड की टीम ने नौ विकेट पर 165 रन बना लिये थे। दोनो टीमों के बीच श्रृखंला का दूसरा और अंतिम मुकाबला मुबंई में खेला जायेगा।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने अपने कल के स्कोर एक विकेट पर चार रन से आगे खेलना शुरू किया और पहले सत्र में बगैर कोई विकेट गंवाये 79 रन बना लिये थे। लंच के बाद पहली गेंद पर भारत को पहली सफलता नाइट वाच मैन विलियम समरवेल (36) के रूप में मिली जो उमेश यादव की गेंद पर लांग लेग पर खड़े शुभमन गिल के हाथों लपके गये। इस बीच सलामी बल्लेबाम टाम लाथम (52) ने मैच की दूसरी पारी में भी अर्धशतक बनाने का गौरव हासिल किया। अपनी अर्धशतकीय पारी में उन्होने 146 गेंद खेलकर तीन चौके लगाये। हालांकि लंच और चाय के बीच अश्विन ने लाथम और जडेजा ने नये बल्लेबाज रास टेलर (2) को आउट कर मेहमान टीम को दो और झटके दिये। लाथम का विकेट लेकर आश्विन हमवतन ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह के 417 विकेटों से आगे निकल गए। चायकाल में न्यूजीलैंड का स्कोर चार विकेट पर चार विकेट पर 125 रन था।

चायकाल के बाद न्यूजीलैंड ने हेनरी निकल्स (1) को अक्षर पटेल ने पगबाधा आउट कर भारत को जीत की तरफ एक कदम और ढकेल दिया वहीं एक छोर पर डट कर खड़े कप्तान केन विलियम्स (24) को जडेजा ने अपनी गेंदों से खूब परेशान किया और आखिरकार उन्हे पगबाधा आउट कर मैच को सांस रोकने वाला बना दिया। वहीं बेहद सूझबूझ से गेंदबाजी कर रहे अश्विन ने विकेटकीपर बल्लेबाज टाम ब्लेंडल (2) को क्लीन बोल्ड किया। टाम ब्लेंडल के खाते में यह दो रन 38 गेंद खेलकर आये। बाद में जडेजा ने काइल जेमिसन (5) और टिम साउदी (4) को एलबीडब्लू आउट कर मैच को पूरी तरह भारत की झोली में डाल दिया था। मैच के अंतिम क्षणों में अंपायरों ने कम से कम छह बार लाइट मीटर से रोशनी की जांच की और यह भारतीय खेमे के साथ साथ प्रशंसकों के लिये भी मैच के ड्रॉ होने की अनहोनी होने का संकेत दे रही थी और आखिरकार कीवी पारी की 98वे ओवर की समाप्ति पर अंपायरों ने खराब रोशनी का हवाला देते हुये विकेट की गिल्लियां बिखेर दी और इसी के साथ भारत की जीत की उम्मीदों का भी तुषारापात हो गया।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी 345 रन
न्यूजीलैंड पहली पारी 296
भारत दूसरी पारी
सात विकेट पर 234 रन पारी घोषित

	रन	गेंद	4	6
लाथम बो अश्विन	52	146	3	0
यंग पगबाधा अश्विन	02	6	0	0
सोमरविले का शुभमन बो उमेश	36	110	5	0
विलियम्सन पगबाधा बो जडेजा	24	112	3	0
टेलर पगबाधा बो जडेजा	02	24	0	0
निकोल्स बो अक्षर	01	4	0	0
ब्लंडेल बो अश्विन	02	38	0	0
रवींद्र अविजित	18	91	2	0
जैमिसन पगबाधा बो जडेजा	05	30	0	0
साउदी पगबाधा बो जडेजा	04	8	1	0
पटेल अविजित	02	23	0	0

अतिरिक्त : 17
कुल : 98 ओवर में नौ विकेट पर 165 रन
गेंदबाजी : अश्विन 30-12-35-3, पटेल 21-12-23-1, यादव 12-2-34-1, इशांत 7-1-20-0, जडेजा 28-10-40-4

	रन	गेंद	4	6
शुभमन गिल बो जैमिसन	01	3	0	0
पुजारा का ब्लंडेल बो जैमिसन	22	33	3	0
अजिंक्या रहाणे बो एजाज पटेल	04	15	1	0
श्रेयस का ब्लंडेल बो साउदी	65	125	8	1
जडेजा पगबाधा बो साउदी	00	2	0	0
आश्विन बो जैमिसन	32	62	5	0
रिधिमान साहा अविजित	61	126	4	1
अक्षर पटेल अविजित	28	67	2	1

अतिरिक्त : 04
कुल : 81ओवर में सात विकेट पर 234 रन पारी घोषित
गेंदबाजी:-टिम साउदी 22-2-75-3, काइल जैमिसन 17-6-40-3, एजाज पटेल 17-3-60-1, रचिन रवींद्र 9-3-17-0, सोमरविले 16-2-38-0

भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सीएसए प्रमुख ने कहा: सब कुछ पटरी पर है

जोहानसबर्ग, 29 नवम्बर। क्रिकेट साउथ अफ्रीका की भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही है और उन्हें भरोसा है कि भारत का दौरा प्लान के मुताबिक होगा। हालांकि देश के शीर्ष महामारी वैज्ञानिकों में से एक डॉक्टर सलीम अब्दुल करीम ने उम्मीद जताई है कि देश में इस सप्ताह के अंत तक 10,000 से ज़्यादा केस रोज के आने शुरू होने लगेंगे। सीएसए ने बीसीसीआई को गोटंग और द वेस्टर्न केप में होने वाले बायो बबल माहौल को लेकर संतुष्टि दी है। सीएसए के कार्यकारी सीईओ फ़ोलेक्सी मोसेकी ने कहा, ''हमारी बीसीसीआई के साथ बातचीत चल रही है और वह यहां आने के लिए उत्सुक हैं। हमारी सरकार हमारी मदद करना चाहती है और हम अपने भारतीय समकक्षों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि सब कुछ पटरी पर है।'' गोटंग प्रांत में पहला और दूसरा टेस्ट खेला जाना है और यहीं पर सबसे ज़्यादा केस देखने को मिल रहे हैं और उम्मीद है आने वाले समय में द वेस्टर्न केप में दिखने लगेंगे। सीएसए ने पिछले साल गर्मियों में श्रीलंका और पाकिस्तान की सफलता पूर्वक मेज़बानी की थी और ऑस्ट्रेलिया की मेज़बानी करने की भी तैयारी कर रहे थे। लेकिन द वेस्टर्न केप ज़्यादा सफल नहीं रहा है। पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड ने अपने केपटाउन के होटल में कोविड केस निकलने के बाद दौरे को रद्द कर दिया गया था। सीएसए ने तब से बबल को और सख्त किया है, जहां खिलाड़ियों को बिना किसी कारण के होटल से बाहर जाने की इजाज़त नहीं थी।

मोसेकी ने कहा, ''हमने दो बायो बबल बनाने की तैयारी की थी। हमने इंग्लैंड दौरे से बहुत कुछ सीखा है। जब हम इस दौरे की तैयारी कर रहे थे तो हमने मैचों की संख्या को देखते हुए गोटंग और केप टाउन के लिए तैयारी की है। प्लान यही है कि जोहानसबर्ग से केपटाउन तक चार्टर फ्लाइट का इंतज़ाम होगा। इस नए वेरियंट के आने से पहले भी यही प्लान था।'' जहां तक चीज़े अभी तक पहुंची हैं, सीएसए ने अभी तक दौरे को कहीं और या किसी ओर समय कराने का प्लान नहीं बनाया है। इसकी जगह, उम्मीद यह है कि भारत से सीरीज़ सही समय पर होगी और इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की सीरीज़ नहीं होने से हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। मोसेकी ने कहा, ''अगर यह दौरा नहीं होता है, तो इससे हम एक खराब स्थिति में पहुंच जाएंगे। हमें कुछ प्रोग्राम रोकने पड़ेंगे। हम एक या दो सालों में एक अलग स्थिति में पहुंच जाएंगे।''

नए कोरोना वैरिएंट से चिंतित फिलेंडर स्वदेश लौटे

चटगांव, 29 नवंबर। पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के गेंदबाजी सलाहकार वर्नोन फिलेंडर यहां जारी बंगलादेश के दौर के बीच ही दक्षिण अफ्रीका लौटेंगे।

फिलेंडर ने दक्षिण अफ्रीका में नए कोरोना वायरस वैरिएंट के कारण यहां जाने वाली उड़ानों पर लग रहे प्रतिबंध के चलते बंगलादेश के खिलाफ मौजूदा टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को चटगांव से दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरने का फैसला किया। समझा जाता है कि फिलेंडर को वैसे भी बंगलादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के अंत में स्वदेश लौटना था, लेकिन अब हवाई यात्रा को लेकर बिगड़ती स्थिति के कारण उन्हें अपनी योजना बदलनी पड़ी है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिमी अफ्रीका में पाए गए कोरोना वायरस के ऑमिक्रोन वैरिएंट ने पहले ही दक्षिण अफ्रीका में क्रिकेट को प्रभावित कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे में हो रहा महिला विश्व कप 2022 का क्वालिफायर टूर्नामेंट भी रद्द कर दिया गया है। यहां तक कि नीदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका की वनडे सीरीज भी रद्द हो गई है।

वहीं भारत ए टीम इस समय दक्षिण अफ्रीका में है और उसका दौरा फिलहाल आगे बढ़ने के लिए तैयार है। भारत की सीनियर पुरुष टीम भी अगले महीने की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरने वाली है, जहां वह मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट, तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेलेगी, हालांकि इस दौरे को लेकर भी अभी संदेह बना हुआ है।

पाकिस्तान को जीत के लिए 93 रन की जरूरत

चटगांव, 29 नवम्बर। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन आफरीदी (32 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी से पाकिस्तान ने बंगलादेश को पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को दूसरी पारी में 157 रन पर समेट दिया। पाकिस्तान को जीत के लिए 202 रन का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए पाकिस्तान ने अपने सलामी बल्लेबाजों के बीच 109 रन कीओपनिंग साझेदारी के दम पर अपने लिए जीत की उम्मीद जगा ली है। मैच में एक दिन का खेल शेष है और पाकिस्तान को अभी जीत के लिए 93 रन की जरूरत है। बंगलादेश को पहली पारी में 44 रन की बढ़त हासिल हुई थी लेकिन दूसरी पारी में बंगलादेश ने लड़खड़ाती शुरुआत करते हुए अपने चार विकेट मात्र 39 रन तक गंवा दिए थे और आज चौथे दिन उसकी पारी 157 रन पर सिमट गयी। पहली पारी में शतक बनाने वाले लिटन कुमार दास ने दूसरी पारी में भी जज्बा दिखाया और 89 गेंदों में छह चौकों की मदद से सर्वाधिक 59 रन बनाये। आफरीदी ने 15 ओवर में 32 रन देकर पांच विकेट झटके जबकि अपना तीसरा मैच खेल रहे ऑफ स्पिनर साजिद खान ने 33 रन पर तीन विकेट और तेज गेंदबाज हसन अली ने 52 रन पर दो विकेट लिए। 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के ओपनरों आबिद अली और अब्दुल्लाह शफीक ने टीम को ठोस शुरुआत दी और स्टंप्स तक ओपनिंग साझेदारी में 109 रन जोड़ डाले।

निसंका का अर्धशतक, श्रीलंका की ठोस शुरुआत

गाले, 29 नवम्बर । पथुम निसंका (नाबाद 61) के शानदार अर्धशतक से श्रीलंका ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के खराब मौसम से प्रभावित पहले दिन सोमवार को 34.4 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 113 रन बना लिए। निसंका और कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने पहले विकेट के लिए 106 रन की शतकीय साझेदारी की। करुणारत्ने 90 गेंदों में छह चौकों की मदद से 42 रन बनाकर रोस्टन चेज को उनकी गेंद पर ही कैच थमा बैठे। निसंका ने 109 गेंदों पर नाबाद 61 रन में चार चौके और एक छक्का लगाया। निसंका के साथ ओशादा फ़र्नांडो 10 गेंदों में दो रन बनाकर क्रीज पर हैं।

समय होता तो मैच ख़त्म कर देते : अश्विन

कानपुर, 29 नवम्बर। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को ड्रा हो जाने के बाद कहा कि हम चीज़ों को नियंत्रण में रख रहे थे और अच्छी जगह पर गेंदबाज़ी कर रहे थे। हम जानते थे कि अगर हमारे पास समय होता तो हम मैच को ख़त्म कर देते। लेकिन इस पूरे टेस्ट मैच में यही सिलसिला रहा है और ख़राब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त हुआ है।

आश्विन ने मैच के बाद कहा ,टेस्ट क्रिकेट में आपको सिर्फ़ चार ओवर गेंदबाज़ी नहीं करनी होती। यह एक लंबा प्रारूप है और मैं इसे खेलते रहना चाहता हूं। हरभजन सिंह से आगे जाना एक अच्छी बात है। जब से राहुल भाई कोच बने हैं, उन्होंने यही कहा है कि आप जितने भी रन बना लो या विकेट ले लो, 10 साल बाद आपको यह याद नहीं रहेगा, सिर्फ़ यादें रह जाएगी। ग्रीन पार्क की पिच के लिए ऑफ स्पिनर ने कहा,हमेशा पिच के बारे में सवाल उठाए जाते है लेकिन अंतिम सेशन के आख़िरी ओवर तक मैच का जाना एक अच्छी बात है। एक नया खिलाड़ी आकर इस तरह से मैच बचाता है वह बहुत अच्छी बात है। टेलएंडरों को आउट करना आसान नहीं होता।

श्रीलंका महिला टीम की छह खिलाड़ी कोरोना पॉज़िटिव

हरारे, 29 नवम्बर। श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम की छह खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पायी गयी हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने रविवार को बताया कि ज़िम्बाब्वे में विश्व कप क्वालीफ़ायर में हिस्सा लेने वाली श्रीलंका महिला टीम की छह खिलाड़ी कोरोना पॉज़िटिव पाई गई हैं। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना का नया वेरियंट पाए जाने के बाद शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ज़िम्बाब्वे में चल रहे क्वालीफ़ायर टूर्नामेंट को रद्द कर दिया था। हालांकि अभी यह सामने नहीं आया है कि पॉज़िटिव पाई गईं खिलाड़ी ओमिक्रॉन वेरियंट से संक्रमित हैं या नहीं। वेस्टइंडीज़ बनाम श्रीलंका का मुक़ाबला, श्रीलंका सहायक स्टाफ़ के सदस्य के कोविड पॉज़िटिव पाए जाने के बाद रद्द कर दिया गया था। इसी के बाद आईसीसी ने क्वालीफ़ायर को रद्द करने का फ़ैसला किया। श्रीलंका क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऐश्ली डीसिल्वा ने बताया कि टीम अभी भी ज़िम्बाब्वे में है और उन्हें जल्द से जल्द वापस श्रीलंका लाया जाएगा। जो खिलाड़ी पॉज़िटिव पाई गईं हैं, उन्हें तब तक वहीं रहना होगा जब तक उनका टेस्ट निगेटिव नहीं आ जाता है। डॉक्टर टीम के साथ थे, जो उनकी देखरेख के लिए वहां मौजूद रहेंगे। टीम में जो खिलाड़ी संक्रमित नहीं हुईं हैं, वे जल्द ही वापस लौट सकती हैं। उन्हें श्रीलंका पहुंचने पर क्वारंटीन रहना होगा, क्योंकि श्रीलंकाई सरकार ने ओमिक्रॉन वेरियंट को देखते हुए अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिणी देशों से आने वाले यात्रियों के लिए यह ज़रूरी नियम बनाया है।

हमने जीतने की पूरी कोशिश की लेकिन वे बेहतर क्रिकेट खेले : रहाणे

कानपुर, 29 नवम्बर। भारतीय कप्तान अजिंक्या रहाणे ने पहला टेस्ट रोमांचक अंदाज में ड्रा समाप्त होने के बाद सोमवार को कहा कि हमने मैच जीतने के लिए पूरी कोशिश की, लेकिन उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला।

रहाणे ने मैच के बाद ग्रीन पार्क में कहा,जिस तरह आज हम दूसरे सत्र में वापस आए और विकेट चटकाये , वह बेहतरीन था। उमेश और इशांत दोनों ने बेहतरीन गेंदबाज़ी की और हमारे स्पिनर तो विश्व स्तरीय हैं हीं।

अक्षर और साहा कल अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहे थे, उससे पहले श्रेयस और अश्विन की साझेदारी भी महत्वपूर्ण थी। हम कल चार ओवर गेंदबाज़ी करना चाहते थे, जो हमने किया। श्रेयस के लिए मैं बहुत ख़ुश हूं। वह घरेलू क्रिकेट में लंबे समय से अच्छा कर रहे थे।

कप्तान ने मुंबई में होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट के लिए कहा कि विराट कोहली के मुंबई टेस्ट में आने के बाद जो भी बदलाव होगा, उस पर टीम प्रंबधन निर्णय लेगा।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम चिली से 0-3 से हारी

मनौस, 29 नवंबर। भारतीय महिला फुटबॉल टीम यहां ब्राजील के मनौस में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में चिली से 0-3 से हार गई। टूर्नामेंट में यह उसकी लगातार दूसरी हार है।

मैच में हालांकि भारतीय टीम ने कड़ी चुनौती पेश की। चिली ने शुरुआती बढ़त हासिल करने के लिए 12वें मिनट में गोल का मौका दिया, लेकिन भारतीय गोलकीपर एम लिंथोइंगंबी देवी ने शानदार बचाव करते हुए गोल होने से रोका। इसके बाद हालांकि स्ट्राइकर मारिया उरुतिया ने 14वें मिनट में गोल दाग कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल के साथ चिली ने खेल पर नियंत्रण बनाया और इसे अंत तक बरकरार रखा।

पहले हाफ में दूसरा गोल नहीं हुआ और चिली के पास 1-0 की बढ़त रही। भारतीय गोलकीपर लिंथोइंगंबी देवी के अच्छा बचाव करते हुए चिली के हर एक प्रयास को विफल किया। दूसरे हाफ में भारतीय टीम काफी आक्रामक और खतरनाक दिखी। परिणामस्वरूप 66वें मिनट में भारत ने मनीषा और सब्सीट्यूट खिलाड़ी डेंगमेई ठोस की मदद से गोल का मौका बनाया, जिसे चिली की गोलकीपर क्रिस्टियनी एंडलर ने विफल कर दिया। कुछ मिनट बाद भारत को फाउल के जरिए गोल दागने का मौका मिला, जिसे मनीषा ने खेला, लेकिन 30 वर्षीय एंडलर ने इसे भी रोक दिया। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम अब अपना आखिरी मैच गुरुवार को वैनेजुएला के खिलाफ खेलेगी।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए किया क्वालीफाई

दुनिया की 11वें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार से शुरू हो रहे सीजन के आखिरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में जगह बना ली है। सात्विक और चिराग इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो के भी सेमीफाइनल में हारने के बाद उन्होंने जगह बनाई। उन्होंने जापानी जोड़ी को रोड टू बाली रेस में पछाड़ा। उन्हें कट में प्रवेश

दुनिया की 11वें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार से शुरू हो रहे सीजन के आखिरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में जगह बना ली है। सात्विक और चिराग इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो के भी सेमीफाइनल में हारने के बाद उन्होंने जगह बनाई। उन्होंने जापानी जोड़ी को रोड टू बाली रेस में पछाड़ा। उन्हें कट में प्रवेश के लिए सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक जोड़ी मार्कस एफ गाइडोन और केविन एस को हराना था लेकिन वे 16-21, 18-21 से हार गएअकिरा और ताइची भी जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी से हार गए जिससे भारतीय जोड़ी को जगह मिल गई। चिराग ने इंस्टाग्राम पर लिखा,हम पहली बार वर्ल्ड टूर फाइनल्स खेलेंगे। दुनिया की शीर्ष आठ जोड़ियों के खिलाफ खेलने को लेकर रोमांचित हूं।

रामकुमार रामनाथन ने जीता पहला एटीपी चैलेंजर खिताब

मनामा, 29 नवंबर। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने यहां एटीपी80 मनामा टूर्नामेंट में रूस के एवगेनी कार्लोवस्की को हराकर अपना पहला एटीपी चैलेंजर एकल खिताब जीता।

टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त रामनाथन ने कार्लोवस्की को 68 मिनट तक चले मुकाबले में 6-1, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। रामनाथन ने युगल स्पर्धा में अर्जुन काधे के साथ चुनौती दी, लेकिन उन्हें सेमीफाइनल में नूनो बोर्गेस और फ्रांसिस्को कैब्रल की पुर्तगाली जोड़ी से 6-3, 1-6, 10-7 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने टूर्नामेंट के पहले दौर में यूक्रेन के व्लादिस्लाव ओरलोव, दूसरे दौर में क्रोएशिया के ड्यूज अजदुकोविक को हराया, जबकि क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के गोंकालो ओलिवेरा को पछाड़ा और सेमीफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के जे क्लार्क को पराजित किया। उल्लेखनीय है कि 27 वर्षीय रामनाथन 2009 में पेशेवर टेनिस खिलाड़ी बने थे और तब से उन्होंने छह बार चैलेंजर फाइनल खेला, लेकिन हर बार हार का सामना किया। उन्होंने इस साल जुलाई में कैरी चैलेंजर्स में आखिरी चैलेंजर फाइनल खेला था।

बीसीसीआई ने सीवीसी मामले को सॉलिसिटर जनरल के पास भेजा

नयी दिल्ली, 29 नवंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से सीवीसी स्पोर्ट्स मामले को भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के पास भेजे जाने की जानकारी सामने आई है, जो केंद्र सरकार से न जुड़े होने वाले मामलों में बोर्ड का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मौजूदा जानकारी के मुताबिक सॉलिसिटर जनरल ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, लेकिन समझा जाता है कि उन्होंने बीसीसीआई को अन्य कानूनी राय लेने की सलाह दी है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है कि क्या बोर्ड सच में अन्य राय ले रहा है या नहीं, पर मामले से जुड़े जानकारों ने संकेत दिया है कि कानूनी विशेषज्ञों की एक समिति के साथ इस मसले को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

समझा जाता है कि अगर इस मामले में थोड़ी और देर होती है तो मौजूदा आठ आईपीएल टीमों के लिए खिलाड़ियों के रिटेंशन की समय सीमा, जो कि 30 नवंबर है, को एक हफ्ते के लिए बढ़ाया जा सकता है, ताकि नई फ्रेंचाइजियों अहमदाबाद और लखनऊ दोनों को इतने ही दिनों में अपने खिलाड़ियों के चयन का समय मिल सके।

उल्लेखनीय है कि सीवीसी स्पोर्ट्स, जिसने 5625 करोड़ रुपए में अहमदाबाद फ्रेंचाइजी का स्वामित्व हासिल किया था, को अभी तक बीसीसीआई से मंजूरी पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। यह भी समझा जाता है कि अमेरिकी कंपनी बीसीसीआई को यह समझाने की कोशिश कर रही है कि ब्रिटेन की सट्टेबाजी कंपनी में उसका निवेश अवैध नहीं है।

बीसीसीआई के सीवीसी स्पोर्ट्स मुद्दे को सॉलिसिटर जनरल के पास भेजने के पीछे आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी की टिप्पणियों को कारण माना जा रहा, जिसमें उन्होंने ब्रिटेन की एक सट्टेबाजी कंपनी में सीवीसी स्पोर्ट्स के निवेश पर सवाल उठाया था। परिणामस्वरूप अब गतिरोध इस बात को लेकर है कि क्या सीवीसी को स्वामित्व देने का निर्णय भारत में कानूनी जांच के योग्य होगा और क्या सीवीसी का ब्रिटेन की सट्टेबाजी कंपनी में निवेश इसमें बाधा है।

म्यांमार की एक गुफा में भगवान बुद्ध की 9000 मूर्तियां हैं। इनमें से कुछ तो सैंकड़ों साल पुरानी हैं। असल में यहाँ भक्तों ने भगवान बुद्ध को प्रसन्न करने के लिए मूर्तियाँ रखी हैं। पिंडाया क्षेत्र अपनी लाइम स्टोन गुफाओं के लिए विख्यात है। इन्हीं में से एक है उपरोक्त श्वे यू मिन केव (गोल्डन केव)। मूर्तियों में कोई एल्बैस्टर (सिलखड़ी) से बनी है, कोई सागवान की लकड़ी या मार्बल से, कोई पत्थर या सीमेंट से तो कोई कांसे से। गुफा के दरवाजे पर है श्वे यू मिन पैंगोडा। इस मठ के प्रार्थना कक्ष, अर्थात् ताज़ोंगा का निर्माण बौद्ध संत यू खांती ने किया था, जिसने मैन्डले हिल में भी कई धार्मिक स्मारक बनाए हैं। गुफा में भगवान बुद्ध की दो मूर्तियां ऐसी हैं जिनसे पसीना निकलता है। स्थानीय लोगों के अनुसार किसी कारण से सिर्फ इन दो मूर्तियों पर ही पानी नजर आता है, और श्रद्धालुओं में इनका पसीना पोंछने की होड़ लगी रहती है। गुफा के 490 फुट लम्बे पैंदल मार्ग के अंत में एक साइन पोस्ट के नीचे से लोग काली मिट्टी ले जाते हैं, यह जगह है ब्लैक क्ले हिलॉक। पिंडाया क्षेत्र की यही जगह ऐसी है जहाँ की मिट्टी काली है। लोग इसे पवित्र मानते हैं और इसका इस्तेमाल बुरी आत्माओं को भगाने के लिए करते हैं। गुफा में, छत से पानी टपकने के कारण चूने के कई स्तंभ, स्टलैंग्माइट, बन गए हैं, जिन पर प्रहार करने से घंटे की ध्वनि निकलती है। पिंडाया गुफा के नामकरण की कहानी भी बड़ी रोचक है। कहते हैं एक बार सात राजकुमारियाँ इस गुफा में आराम कर रही थीं कि तभी एक दैत्याकार मकड़ी ने दरवाजे को जाल से ढक दिया। राजकुमारियाँ मदद के लिए चिल्लाने लगीं तो उनकी आवाज वहां पास ही मौजूद एक राजकुमार ने सुन ली। इनमें से सबसे बड़ी व बुद्धिमान राजकुमारी ने कहा कि अगर राजकुमार ने उनकी मदद की तो सबसे छोटी व सबसे सुंदर राजकुमारी का विवाह उससे कर देंगे। राजकुमार ने तीर चलाकर मकड़ी को मार दिया, फिर वह चिल्लाया "पिंगु-या", अर्थात् मकड़ी मर गई। गौरतलब है कि म्यांमार में मकड़ी को पिंगु कहते हैं। इस कारण ही गुफा का नाम पिंगुया पड़ गया, बाद में इसे ही पिंडाया कहा जाने लगा।

गहलोत सरकार सुन नहीं रही इसलिए प्रियंका गांधी से मिलने यू.पी.पहुंचे राजस्थान के बेरोजगार युवा

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि, हमने लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल शुरु कर दी है

लखनऊ/नई दिल्ली, 29 नवम्बर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर कई दिनों से हड़ताल, शर्टलैस आंदोलन, मंत्रियों को गुलाब भेंट करने और भूख हड़ताल पर जाने के बाद अब राजस्थान के बेरोजगार युवकों ने लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया है। यह युवक कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि, राजस्थान की गहलोत सरकार उनकी नहीं सुन रही है।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ (आर.बी.ई.एम.) के बैनर तले आयोजित इस धरना का उद्देश्य राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर बेरोजगारों की मांगों को पूरा कराना है। इनकी प्रमुख मांग सरकारी नौकरियों में नियुक्ति है। इसके लिए भर्ती परीक्षाएं पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं। राज्य सरकार की नौकरियों के लिए रिक्तियों की संख्या में वृद्धि और प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक करने वालों के खिलाफ गैर-जमानती कानून तैयार करने की भी मांग कर रहे हैं।

धरने में शामिल होने पहुंचे आर.बी.ई.एम. के अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि, हमने लखनऊ में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के बाहर धरने के बाद अब भूख हड़ताल शुरू कर दी है। हम पिछले 47 दिनों से जयपुर में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हम प्रियंका गांधी से मिलना चाहते हैं। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह उत्तर प्रदेश में 20 लाख नौकरियां देगी। 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले हमने कांग्रेस को समर्थन दिया था, लेकिन हमसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए।

इससे पहले आरबीईएम ने कहा था कि वह प्रियंका गांधी समेत अपने नेताओं की रैलियों में उत्तर प्रदेश चुनाव में कांग्रेस का विरोध करेगी। उपेन यादव ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। इसके बावजूद वे बेरोजगार युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं कर रहे हैं और इसके बजाय उत्तर प्रदेश के लोगों से बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं। पहले पार्टी को राजस्थान में किए गए अपने वादों को पूरा करना चाहिए।

- **उपेन यादव ने कहा कि, यू.पी. में कांग्रेस ने सरकार बनने पर 20 लाख नौकरियां देने का वादा किया है, इससे पहले राजस्थान में भी कुछ इसी तरह का वादा किया गया था, लेकिन अब सरकार अपने वादे को पूरी तरह से भूल गई है।**
- **उपेन यादव ने कहा कि, हम पिछले 47 दिनों से जयपुर में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। हम प्रियंका गांधी से मिलना चाहते हैं।**

मुख्यमंत्री गहलोत के नवनियुक्त सलाहकार विधायक दानिश अबरार 23 नवंबर को प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे और बातचीत की।

हालांकि, सहमति नहीं बनने पर प्रदर्शनकारी 26 नवंबर को उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गए और लखनऊ पहुंचकर उन्होंने यू.पी. कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर उनके साथ बदसलूकी करने का भी आरोप लगाया।

बिना बहस के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार ने कहा कि विपक्ष इन कानूनों को निरस्त करने की मांग करता आया है और सरकार अब इसके लिए तैयार है तो बहस की जरुरत नहीं है। सूत्रों ने बताया कि मोदी सरकार गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए विपक्ष को कोई मौका नहीं देना चाहती, इसलिए वह शीतकालीन सत्र की अधिक इच्छुक नहीं है।

मोदी सरकार के नये भारत के लोकतंत्र का नमूना: उमर अब्दुल्ला

उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि, संसद सत्र के पहले ही दिन बिना चर्चा के कृषि कानूनों की वापसी को हर कोई एक "नमूना" ही

श्रीनगर, 29 नवंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कृषि कानून वापस लेने के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमला बोला है और कहा है कि संसद में बिना चर्चा कराये कृषि कानूनों को वापस लेने 'नये भारत के नये लोकतंत्र का नमूना' है।

उल्लेखनीय है कि 25 दिनों तक चलने वाले संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में बिना चर्चा कराए तीनों कृषि कानूनों को रद्द कर दिया गया।

उमर ने कहा कि, संसद सत्र जारी रहने के दौरान लोकसभा में बिना चर्चा कराये कृषि कानूनों को रद्द किया जाना 'नये भारत के नये लोकतंत्र का नमूना' है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, बिना चर्चा के प्रस्ताव पास तथा बिना चर्चा के कानून रद्द। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कृषि संबंधी तीनों कानूनों को सरकार द्वारा संसद में वापस लेने को किसान और मजदूरों की जीत बताया है लेकिन कहा कि बिना चर्चा कराए ये तीनों कानून वापस लेकर सरकार ने यह साफ कर दिया है कि संसद में चर्चा से उसे डर लगता है।

गांधी ने यहां संसद भवन में संवाददाताओं से कहा कि वह जानना चाहते हैं कि सरकार ने जब कृषि संबंधी तीनों कानून वापस लिये तो इन पर चर्चा कराने से उसे किस बात का डर है। उनका कहना था कि सरकार जानती है कि उसने गलत काम किया है, इसलिए वह इस कानून को लेकर संसद में चर्चा कराने से भयभीत थी और उसने चर्चा नहीं कराने का रास्ता चुनकर इन कानूनों को वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि सरकार ने किसानों की ताकत के सामने झुककर कृषि संबंधी तीनों कानून वापस लेने का फैसला लिया है लेकिन उनकी पार्टी इस मुद्दे पर चर्चा कराना चाहती थी ताकि यह भी पता चलता कि इस कानून को लाने के पीछे कौन सी ताकत थी।

वे तीन, चार पूंजीपति कौन हैं जो इन कानूनों के माध्यम से किसान की मेहनत पर हाथ मारने के लिए इस कानून के पीछे सख्ती से खड़ी थी। गांधी ने कहा कि इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से माफी मांगी थी। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री का लोगों से माफी मांगने से स्पष्ट है कि उन्होंने गलती मान ली है कि सात सौ किसानों की मौत के लिए वही जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि मोदी अपनी गलती स्वीकार कर रहे हैं इसलिए उन्हें अब किसानों को मुआवजा देना चाहिए।

- **उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि, अभी 25 दिन सत्र और चलेगा तो फिर सरकार को इतनी जल्दबाजी किस बात की थी।**
- **राहुल गांधी ने भी कहा है कि, केन्द्र सरकार को संसद में चर्चा कराये जाने से डर लगता है, कहीं उनकी पोल -पट्टी ना खुल जाये।**

यू-टर्न से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंतिम दिन की घटनाओं से संबंधित है, जब विपक्ष के सांसदों ने विरोध किया था, सदन के वैल में चले गये थे, मेजों पर खड़े हो गए थे तथा सिक्योरिटी स्टाफ एवं मार्शलों के साथ उनकी धक्कामुक्की भी हो गई थी।

यह निलम्बन धारा 56 के तहत था लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि निलम्बन अगले सत्र तक नहीं पहुँचाया जा सकता। निलम्बन उसी दिन तक ही किया जाना चाहिये था, जिस दिन सत्र समाप्त हो रहा था।

यह भी कहा जा रहा है कि किन्हें निलंबित किया जाये तथा किन्हें छोड़ा जाये-इसका चयन सरकार ने सोच विचार कर किया है। उदाहरणार्थ, आप सांसद संजय सिंह, जो मेज पर नाचे थे, छोड़ दिये गये हैं। प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि उन्हें निलंबित क्यों नहीं किया गया?

जाहिर है कि सरकार विरोध के स्वर को तथा कृषि कानूनों की वापसी की प्रतिक्रिया को खामोश कर देना चाहती थी क्योंकि प्रधानमंत्री इन कानूनों की जबरदस्त तारीफ करते हुये, कह रहे थे कि यह भारत में अब तक का सबसे अच्छा काम है तथा ये कानून कृषि क्षेत्र में किस तरह से क्रांतिकारी परिवर्तन कर देंगे। सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री द्वारा लिये गये "यू टर्न" से बड़ी अप्रसन्नता है, क्योंकि सरकार के हर व्यक्ति से यह कहा गया था था कि वह चर्चा के बिना पारित हुये इन विधेयकों का हर तरह से बचाव करे, इनके पक्ष में ही बोले। ये विधेयक जिस तरह बिना चर्चा कराये पारित हुये थे, ठीक उसी तरह चर्चा कराये बिना ही आज वापस ले लिये गये। विपक्षी नेताओं ने निलम्बन की भर्त्सना की है तथा इस मुद्दे को रणनीति का रूप देने के लिये, कल विपक्ष की मीटिंग होगी। वे राज्यसभा के सभापति से कहेंगे कि निलम्बन वापस लिया जाये तथा अगर ऐसा नहीं किया जाता तो विपक्षी सम्पूर्ण विपक्ष का आव्हान करेंगी कि पूरे सत्र के लिये राज्यसभा का बहिष्कार किया जाये। क्या लोकसभा में ऐसी ही कार्यवाही होगी, यह भी अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन यह सुनिश्चित है कि इस निलम्बन के कारण संसद की गाड़ी पटरी से उतर जायेगी, क्योंकि विपक्ष इस पर उग्र प्रतिक्रिया देगा तथा वह हर संभव हथियार को काम में लेते हुये, इसका प्रतिकार करेंगे।

सैन्ट्रल विस्टा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कहा कि यदि राज्यों ने प्रदूषण कम करने के लिए केन्द्र के एयर क्वालिटी कमीशन के दिशा-निर्देशों को पूर्णतया लागू नहीं किया तो उसे एक टास्क फोर्स के गठन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। सी.जे.आई. ने मौखिक टिप्पणी की कि "यदि राज्य कार्रवाई करने में असमर्थ हैं तो हमें एक स्वतंत्र टास्क फोर्स के गठन को बाध्य होना पड़ेगा।

बैंच, जिसमें जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत भी शामिल थे, ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब को भी निर्देश दिए कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को नियंत्रित करने के आदेश की अनुपालना के लिए शपथ-पत्र पेश करे।

बैंच ने कहा कि "हम प्रत्येक राज्य से यह पूछेंगे कि उन्होंने दिशा निर्देशों पर क्या क्रियान्विती की है, अन्यथा हमें एक स्वतंत्र टास्क फोर्स के गठन को बाध्य होना पड़ेगा।

उन पर क्रियान्विती करनी ही होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो टास्क फोर्स का गठन ही एकमात्र रास्ता है। बैंच ने टिप्पणी की कि "शीर्ष अदालत ने इस पर जोर दिया था कि निर्देश जारी किए जा चुके हैं और प्रशासन को उम्मीद थी कि सब कुछ अच्छा होगा, लेकिन हकीकत में इसका रिज़ल्ट ज़ीरो है।"

कैप्टन अमरिंदर सिंह की सांसद पत्नी परनीत कौर भी कांग्रेस छोड़ेंगी

सांसद परनीत कौर ने अपने ट्विटर अकाउन्ट की डी.पी. से कांग्रेस शब्द हटाया

चंडीगढ़, 29 नवम्बर। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी और सांसद परनीत कौर ने कांग्रेस छोड़ सकती हैं। परनीत कौर ने अपने पति कैप्टन अमरिंदर सिंह की नवगठित पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस ज्वाइन करने के संकेत दिए हैं। उन्होंने अपन ट्विटर अकाउंट की डिसप्ले पिक्चर (डीपी) से कांग्रेस शब्द हटाते हुए कैप्टन फॉर 2022 लिख दिया है। परनीत कौर द्वारा ऐसा करना एक तरह पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी द्वारा उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का इनडायरेक्ट तरीके से जवाब देना भी माना जा रहा है।

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने पिछले दिनों परनीत कौर को नोटिस जारी कर सात दिनों में जवाब देने को कहा था। हरीश चौधरी ने परनीत कौर पर कांग्रेस विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया था। बता दें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद भी परनीत कौर ने चुप्पी साध रखी थी और कांग्रेस में बने रहने या फिर इसे छोड़ने को लेकर अब तक कुछ नहीं कहा है। इस दौरान वह पटियाला के पार्षदों की बैठक से लेकर कई जगह नजर आ चुकी है। इस दौरान पार्षदों ने कैप्टन के पक्ष में नारेबाजी की थी। इसके बाद पटियाला के मेयर संजीव शर्मा बिट्टू के खिलाफ पार्षदों के अविश्वास प्रस्ताव संबंधी मामले में भी परनीत कौर ने राज्य सरकार की समर्थक पार्षदों के खेमे की खिलाफत की। परनीत कौर की इन गतिविधियों के चलते पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी ने बीती 24 नवंबर को उन्हें नोटिस जारी किया था। नोटिस में कहा गया था कि स्पष्ट करें कि वह मीडिया में ऐसे संकेत क्यों दे रही हैं कि वह अपने पति के साथ हैं। अब परनीत कौर द्वारा अपने ट्वीटर अकाउंट से कांग्रेस शब्द हटाकर कैप्टन फार 2022 लिखकर सांसद द्वारा एक तरह से हरीश चौधरी द्वारा जारी नोटिस का अप्रत्यक्ष रूप से जवाब देना माना जा रहा है।

- **पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने पिछले दिनों परनीत कौर को नोटिस जारी कर सात दिनों में जवाब देने को कहा था। हरीश चौधरी ने परनीत कौर पर कांग्रेस विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया था।**
- **परनीत कौर द्वारा ऐसा करना एक तरह से हरीश चौधरी द्वारा उन्हें दिए गए कारण बताओ नोटिस का इनडायरैक्ट जवाब भी माना जा रहा है।**

ट्विटर के सी.ई.ओ.जैक डॉर्सी ने अपना पद छोड़ने का ऐलान किया

न्यूयॉर्क, 29 नवम्बर। ट्विटर के चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर (सी.ई.ओ.) जैक डोर्सी ने अपना पद छोड़ने का ऐलान कर दिया है। डोर्सी के बाद अब पराग अग्रवाल को ट्विटर को नया सी.ई.ओ. नियुक्त किया गया है। डोर्सी ने कंपनी के कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कहा है कि, कंपनी को-फाउंडर और सी.ई.ओ. तक की भूमिका निभाने के बाद लगभग 16 साल के बाद मैंने फैसला किया है कि आखिरकार मेरे लिए जाने का समय आ गया है।

ट्विटर ने सोमवार को घोषणा की कि कंपनी के मुख्य तकनीकी अधिकारी पराग अग्रवाल जैक डोर्सी की जगह लेंगे। सोशल मीडिया कंपनी ने बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने सर्वसम्मति से पराग अग्रवाल की सी.ई.ओ. और बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है। पराग अग्रवाल पिछले एक दशक से ट्विटर से जुड़े हुए हैं। एक विशेष सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में ट्विटर जॉइन किया था और फिर चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर बने। ट्विटर से पहले पराग अग्रवाल माइक्रोसॉफ्ट, याहू और ए.टी. एंड टी. लैब्स के साथ काम कर चुके हैं।

- **ट्विटर ने पराग अग्रवाल को कंपनी का नया सी.ई.ओ. नियुक्त किया है।**

राजस्थान का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फूल भेंट करना। इनके अलावा, यह ग्रुप भूख-हड़ताल भी कर चुका है। अन्य चीजों के अन्तर्गत इस ग्रुप की माँग है कि ज्यादा नौकरियाँ निकाली जायें तथा ऐसा कानून बनाया जाये कि प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक करने के जिम्मेदार लोगों की गैर-जमानती गिरफ्तारी की जा सके।

तमिलनाडु में बाढ़ से अब तक 59 लोगों की मौत

चेन्नई, 29 नवंबर (वार्ता)। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से एक और व्यक्ति की मौत होने के बाद सोमवार को मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गयी। राज्य में अभी तक बारिश और बाढ़ से कुल 59 लोगों ने जान गंवाई है।

राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री के.के.एस.एस.आर. रामचंद्रन ने बारिश की स्थिति की समीक्षा के बाद पत्रकारों से कहा कि कुड्डालोर जिले से मौत की खबर सामने आयी है।

उन्होंने कहा कि राज्य में पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत से अभी तक बारिश और बाढ़ से 59 लोगों की मौत हुयी है और मृतकों के परिजनों को सहायता के रूप में 2.36 करोड़ रुपये की राहत राशि दी गयी है। रामचंद्रन ने कहा कि 13 घायलों को 55900 रुपये की राशि सहायता के तौर पर दी गयी है। जानकारी के अनुसार, राज्यभर में अभी तक 5600 मुर्गे और 209 मवेशियों की मौत हुयी है और 1074 झोपड़ियां और 189 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गये और 65 झोपड़ियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयीं।

उन्होंने कहा कि राज्य में 2783 मवेशियों की मौत के लिये मुआवजे के रूप में 2.84 करोड़ रुपये दिये गये हैं और 24810 क्षतिग्रस्त झोपड़ियों के लिये 10.17 करोड़ रूपये जारी किये गये हैं। प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के लिये सरकार त्वरित कदम उठा रही है। बारिश और बाढ़ से प्रभावित करीब 15000 से अधिक लोगों को तिरुवल्लूर, चेंगलपेट, कांचीपुरम, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, नागपट्टिनम, तंजावुर, पुदुकोट्टई, पेरम्बलुर, अरियालुर, रानीपेट, थुतुकुडी, रामनाथपुरम, त्रिची, तिरुपट्टूर, तिरुवन्नामलाई और वेल्लोर जिलों के 182 राहत शिविरों में रखा गया था।

चेन्नई में 1503 लोगों को 13 राहत शिविरों में रखा गया था, जहां उन्हें भोजन और दवा मुहैया करायी गयी। मुख्यमंत्री एम. के स्टालिन चेंगलपेट और कांचीपुरम जिलों के बाढ़ प्रभावित इलाकों और शहर के कुछ इलाकों का दौरा किया। उन्होंने राहत शिविरों में जाकर लोगों को राहत सामग्री प्रदान की।

- **सोमवार को वर्षा जनित हादसों में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 48 लोगों की मौत पहले ही हो चुकी है।**

भाजपा ने कैसे त्रिपुरा में सूपड़ा साफ किया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भूमिका की निभाने की बड़ी व्याकुलता से तलाश कर रही थीं, ने अपनी उपस्थिति दर्शाने के लिए त्रिपुरा को लक्ष्य बनाया था।

ममता की मौजूदगी सिर्फ पश्चिम बंगाल में हैं और वर्ष 2024 के आगामी लोकसभा चुनावों में वे स्वयं को संयुक्त विपक्ष के चेहरे के रूप में देखना चाहती हैं। कथित चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने उनके सपनों को पंख को पर दिए हैं।

दुर्भाग्य से उनके पंख औंधे मुंह आकर गिरे और चुनावी जीत के बाद वे फिर स्वयं को प्रधानमंत्री पद के दावेदारों के रूप में पेश करने की उम्मीद कर रही हैं।

कभी-कभी उन्हें प्रधानमंत्री बनने का भ्रम होता आया है। उन्होंने अपने विश्वस्त प्रशंसक डेरेक ओ'ब्रायन के जरिए यह विचार भी प्रस्तुत करवाया कि बदलाव के लिए "एक बंगाली को प्रधानमंत्री होना चाहिए।"

लेकिन इसे फलीभूत करने के लिए उन्हें पश्चिम बंगाल की अपेक्षा अन्य राज्यों में भी अपनी पार्टी की उपस्थिति दर्शाने की जरूरत है। उनकी पार्टी सिर्फ एक स्थानीय पार्टी है। एक राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता प्राप्त करने के लिए उन्हें कम से कम कुछ अन्य राज्यों में उपस्थिति की जरूरत है। उन्होंने अपने प्रचंड अहं, यानी की प्रशांत किशोर के साथ विचार-विमर्श कर एक रणनीति बनाई थी, जिसमें उन्होंने सोचा कि त्रिपुरा एक सॉफ्ट टार्गेट है।

ममता का मानना था कि बंगालियों की उनके प्रति सतत निष्ठा को देखते हुए वे पश्चिम बंगाल के बाहर हर कहीं बंगालियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। त्रिपुरा के बंगाली उन्हें सत्ता में लाने के लिए बड़ी संख्या में वोट देंगे।

ममता बनर्जी अपनी पार्टी के पक्ष में लिखने के लिए बंगाल से सौ से अधिक पत्रकारों को साथ लेकर गई गई क्योंकि बंगाल में भी ऐसा ही कर रहे हैं। त्रिपुरा ने उनके विरूद्ध राज्य में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप लगाकर उलझा दिया।

मुख्यमंत्री विप्लब देव भी तृणमूल कार्यकर्ताओं को अपने राज्य से बाहर खदेड़ने और उनकी गतिविधियों को अवरूद्ध करने में सक्रिय रहे हैं। शिकायतों से कम ही फायदा हुआ।

वास्तव में, विप्लब देब ने वैसे ही पैंतरे अपनाएं जैसे कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपनाए थे। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ वैसा ही सुलूक किया गया, जैसा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा के साथ किया गया। त्रिपुरा भाजपा ने इस संदर्भ में केन्द्रीय नेतृत्व के दिशा-निर्देशों की अनदेखी तक की।

त्रिपुरा नगर पालिका चुनाव भाजपा के लिए कुछ सबक लेकर आए हैं। पार्टी यहां इतनी सीटें जीती हैं जितनी उसने कहीं भी नहीं जीती।

तृणमूल कांग्रेस ने नगर पालिका चुनावों में सीटें जीतने को लेकर एक मजबूत प्रयास किया था, लेकिन अंत में उसे एक ही सीट मिल सकी।

औंधे मुंह गिरी तृणमूल ने चुनाव में गड़बड़ी और हिंसा के आरोप लगाए हैं।

उसने यह भी दावा किया है कि पार्टी ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव ने पूर्व राज्य में अपना खाता खोल लिया है।

उसका मानना था कि स्थानीय पार्टी होने के कारण उसे प्रचण्ड विजय मिल सकती है क्योंकि उसे पूरी छूट मिलती है तथा वह चुनाव सुधार निर्णीत पड़ौसी पश्चिम बंगाल में केन्द्रीय नेतृत्व का भारी नेतृत्व कुछ विपरीत प्रतिक्रिया ही उत्पन्न कर सका।

त्रिपुरा में भाजपा का प्रदर्शन अन्य राज्यों के चुनावों के लिए निश्चित रूप से उत्साहवर्धक है। हौंसले को अब ऊंची उड़ान भरनी चाहिए।

राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात 7 पुलिसकर्मी करोना पॉजिटिव

देहरादून, 29 नवम्बर (वार्ता)। उत्तराखंड के दो दिवसीय भ्रमण पर आए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की सुरक्षा व्यवस्था में नियुक्त राज्य पुलिस के गढ़वाल परिक्षेत्र के सात कार्मिकों में करोना संक्रमण होने की पुष्टि होने के बाद उन्हें क्वारंटीन कर दिया गया है। इससे एक दिन पहले सेना के तीन जवानों में भी करोना का संक्रमण मिला था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति के ऋषिकेश गंगा तट पर आरती और उनके वहीं रात्रि विश्राम के कारण गढ़वाल परिक्षेत्र के विभिन्न जनपदों से पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसलिये 250 कार्मिकों का कोविड-19 का परीक्षण किया गया। इनमें से सात के करोना संक्रमित होने की रिपोर्ट रविवार को मिली।

दोनों सदनों ने पांच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सितम्बर 2020 में बने तीन विवादास्पद कानूनों को वापस लेने के लिये पेश किया गया था। लोकसभा अपरान्ह 2 बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

यह विधेयक लोकसभा में पूर्वान्ह काल में ही पारित हो गया था तथा इसी प्रकार से राज्यसभा में यह अपरान्ह काल में पारित हो गया। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह ने विधेयक पेश करते हुये कहा कि इस विधेयक पर चर्चा की कोई जरुरत ही नहीं है क्योंकि सत्तारूढ़ दल तथा विपक्षी दल- दोनों ही पक्ष कृषि कानूनों को वापस लिये जाने से सहमत हैं।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन के दौरान मरने वाले 700 किसानों का मुद्दा उठाया।

उन्होंने सरकार का मखौल उड़ाते हुये कहा कि उसे इन कानूनों को वापस लेने की अक्ल सवा साल बाद, अब जाकर आई है और भी इसलिये कि उसने हाल ही में हुये उपचुनावों में माहौल देख लिया था तथा सरकार को डर था कि इन कानूनों के चलते, एन.डी.ए. पाँच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव हार जायेगा।

उप सभापति हरिवंश ने खड़गे का भाषण बीच में ही रोक दिया, ताकि कृषि मंत्री संबंधित विधेयक पर चर्चा कराये बिना मतदान करा सकें। हरिवंश ने कहा कि खड़गे का जोर भी इसी बात पर था कि सभी सदस्य कृषि कानूनों की वापसी का स्वागत ही कर रहे हैं, विरोध कोई भी नहीं कर रहा है क्योंकि इनकी वापसी किसानों के हित में है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने बहस कराये जाने से इंकार कर दिया, क्योंकि सदन में व्यवस्था नाम की चीज नहीं थी।

विपक्षी सदस्य ये नारे लगाते हुये "वैल" में चले गये थे कि दिल्ली की सीमाओं पर एक साल तक चले शांतिपूर्ण आंदोलन के दौरान मरने वाले किसानों को श्रद्धांजलि दी जाये।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा अरावली प्रिन्टर्स, जयपुर रोड, अजमेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908